सूर्योदय 5:41 सूर्यास्त 6:58

आज का तापमान

शिमला	19.0 न्यू	27.3 अधि
धर्मशाला	21.0 न्यू	36.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,664
निफ्टी	23,898
सोना 1,51,479	चांदी 2,40,596

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 27 अप्रैल 2026 | 14 वैशाख, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 118, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

हिमाचल में गर्मी का सितम जारी, ऊना में 41.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा

मौसम विभाग ने दो दिन तक हीट वेव का अलर्ट किया जारी, लोगों को दोपहर में घरों में रहने की सलाह

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में गर्मी ने इस बार अप्रैल में ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं। राज्य के मैदानी इलाकों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया है। ऊना में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का ही नहीं बल्कि हाल के वर्षों का सबसे ऊंचा तापमान माना जा रहा है। मौसम विभाग ने इसे साफ तौर पर हीट वेव की स्थिति बताते हुए अलर्ट जारी किया है।

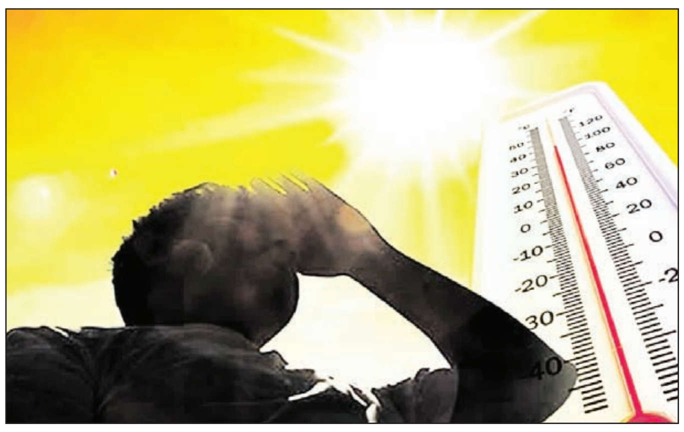

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार अगले 48 घंटों में तापमान में और 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी संभव है, जिससे हालात और ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। खासकर ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर और कांगड़ा के कुछ हिस्सों में लू के थपेड़े लोगों को झुलसा सकते हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि पहले दिन कुछ स्थानों पर हीट वेव से लेकर सीवियर हीट वेव की स्थिति बन सकती है, जबकि दूसरे दिन भी लू का असर बना रहेगा। गर्मी का असर अब रात के समय भी महसूस किया जा रहा है। शिमला और ऊना में रात का तापमान लगभग बराबर दर्ज किया गया है। शिमला में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है, जबकि ऊना में यह 19 डिग्री दर्ज किया गया। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के तापमान में यह समानता लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री अधिक चल रहा है। वहीं, सबसे कम तापमान कुकुमसेरी में 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग और प्रशासन ने लोगों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि दोपहर के समय घरों से बाहर निकलने से बचें, हल्के और ढीले कपड़े पहनें, सिर को ढककर रखें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। किसानों को भी सलाह दी गई है कि फसलों को हल्की और बार-बार सिंचाई दें ताकि गर्मी के असर को कम किया जा सके।

28 से 30 तक कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मौसम बदलने के संकेत दिए हैं। 27 अप्रैल को ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ जगहों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसके बाद 28 से 30 अप्रैल के बीच राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। 28 अप्रैल के लिए मध्य और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में तेज हवाएं, बिजली कड़कने और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इस बीच मैदानी इलाकों में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण पर्यटक बड़ी संख्या में हिमाचल के पर्यटन स्थलों की ओर रुख कर रहे हैं। ऊना सहित कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचने के बाद लोग राहत के लिए शिमला, मनाली और धर्मशाला जैसे ठंडे इलाकों में पहुंच रहे हैं। चंडीगढ़, दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में भी बढ़ती गर्मी के चलते पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगर 28 अप्रैल से बारिश होती है तो इससे तापमान में गिरावट आ सकती है और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। फिलहाल प्रदेश में गर्मी का असर जारी है और आने वाले दो-तीन दिन और कठिन रह सकते हैं।

न्यूज शॉर्ट्स

भज्जी से छीनी पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों के विरुद्ध शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। रविवार को पंजाब सरकार ने क्रिकेटर एवं राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी को दी गई पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस ले ली। इसके कुछ समय बाद ही उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से सीआरपीएफ की सुरक्षा प्रदान कर दी गई। भज्जी से पहले पंजाब सरकार ने राघव की सुरक्षा भी वापस ली थी। हरभजन सिंह को पंजाब सरकार की तरफ से बतौर राज्य सभा सांसद वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। उनके जालंधर स्थित घर पर तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को तुरंत वापस बुला लिया गया है। पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस होने के कुछ समय बाद ही केंद्र सरकार ने भज्जी को सीआरपीएफ की सिक्योरिटी दे दी। (अनंत ज्ञान)

मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का निधन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का 26 अप्रैल को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 साल के थे। उनके बेटे नितिन राय ने बताया कि वह पिछले दो साल से कैंसर से लड़ रहे थे। नितिन राय के अनुसार, उन्हें पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था, जिसका इलाज हो गया था. इसके बाद कैंसर पेट तक फैल गया, लेकिन वहां भी इलाज सफल रहा। हाल ही में यह बीमारी उनके दिमाग तक पहुंच गई थी और उम्र से जुड़ी परेशानियों की वजह से उनकी हालत और बिगड़ गई। रघु राय की चर्चित तस्वीरों में से एक भोपाल गैस त्रासदी के बाद की तस्वीर है, जिसमें एक मासूम बच्चे का निर्जीव शरीर दिखता है। उनकी ये तस्वीर पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बनी। (अनंत ज्ञान)

कोलंबिया में बस पर हमला, 13 की मौत

एजेंसी, काहिबियो। कोलंबिया में एक बस को विस्फोटक डिवाइस से निशाना बनाया गया। घटना काहिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुई। धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई और करीब 38 लोग घायल हुए। घायलों में 5 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बस के पास पहले से विस्फोटक लगाया गया था, जो गुजरते समय फट गया। सेना ने इसे आतंकी हमला बताया है और शक ड्रग तस्करी से जुड़े हथियारबंद गुटों पर है। पिछले दो दिनों में इस इलाके में 26 हमले हुए हैं। इनमें पुलिस स्टेशन पर गोलीबारी, रडार केंद्र पर हमला और विस्फोटकों से लैस ड्रोन बरामद होने की घटनाएं शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- फायर सीजन शुरू, फिर भी चीड़ की लकड़ी जंगलों में -पेज 3
- धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों में एचआरटीसी की चलेंगी शटल बसें -पेज 5
- अब तक 79 दावेदारों ने प्राप्त की एनओसी -पेज 12

प्राकृतिक खेती से स्वस्थ-समृद्ध बनेगा हिमाचल : मुख्यमंत्री सुक्खू

कहा- प्रदेश का भविष्य बनाने में विश्वविद्यालय निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्राकृतिक खेती को हिमाचल प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताते हुए कहा कि इस दिशा में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से डॉ. वाईएस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय से जुड़ी 34.31 करोड़ रुपए की विकासात्मक परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, जिससे प्रदेश में कृषि, शिक्षा और ग्रामीण ढांचे को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय नेरी, हमीरपुर में 3.63 करोड़ रुपए से निर्मित छात्रावास तथा लाहौल-स्पीति के ताबो स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने नेरी और खग्गल में कार्यरत महिलाओं के लिए बनने वाले आधुनिक छात्रावासों तथा नौणी परिसर में बड़े वर्किंग वुमन हॉस्टल का शिलान्यास किया।

शिमला से वर्चुअल माध्यम से विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करते सीएम सुक्खू।

◆ वर्चुअल माध्यम से नौणी विवि में 34.31 करोड़ के लोकार्पण- शिलान्यास किए

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है और किसानों को इस पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अब तक दो लाख से अधिक किसान इस योजना से जुड़ चुके हैं, जिनमें से लगभग 1.98 लाख को प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं।

किसानों को नई तकनीकों और कृषि पद्धतियों से जोड़ें

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों से आह्वान किया कि वे अनुसंधान और प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों और पद्धतियों से जोड़ें। कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के लिए देश में सबसे अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान कर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। प्राकृतिक गेहूं, मक्की, जौ और हल्दी के समर्थन मूल्यों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, वहीं पहली बार अदरक को भी समर्थन मूल्य में शामिल किया गया है। इसके अलावा दूध के खरीद मूल्य में भी बढ़ोतरी कर दुग्ध उत्पादकों को राहत दी गई है। पांगी को राज्य का पहला पूर्णतः प्राकृतिक खेती उप-मंडल घोषित कर इस अभियान को नई दिशा दी गई है, जिससे प्रदेश में टिकाऊ कृषि मॉडल को बढ़ावा मिलेगा।

वॉशिंगटन डीसी में डिनर के दौरान फायरिंग, ट्रंप को सुरक्षित निकाला

7 राउंड फायरिंग हुई; टेबल के नीचे छिपे गेस्ट, हमलावर काबू

एजेंसी, वॉशिंगटन

वॉशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। हमलावर ने 7 राउंड फायरिंग की, जिसमें एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वॉशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था। हमलावर को पकड़ लिया गया है।

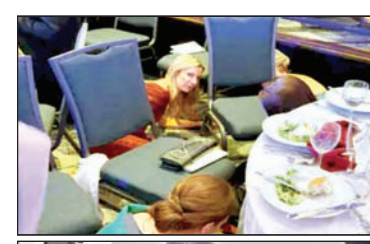

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, 'वह, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षति हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा।' ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कहा यह सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा, 'हमलावर को पकड़ लिया गया है।' फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान चिल्ला रहे थे, 'नीचे झुक जाओ।' इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया। (अनंत ज्ञान)

टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन हुआ फेल, लगी आग

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की एलएक्स147 फ्लाइट शनिवार देर रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी। (अनंत ज्ञान)

◆ 232 यात्री थे सवार, 6 घायल

लैंडिंग गियर में उठा धुआं

स्विस एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट एलएक्स147 से जुड़ी घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस ए-330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया, विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरलाइन ने कहा, हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं।

4 दिन में 1.24 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदार के दर्शन

एजेंसी, रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारु बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं। धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर यात्रा करें।

◆ बद्रीनाथ में अब तक 37,884 श्रद्धालु पहुंचे

वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष 23 अप्रैल को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के साथ ही धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। जिला सूचना अधिकारी चमोली ने बताया कि कपाट खुलने के पहले तीन दिनों में कुल 37,884 श्रद्धालुओं ने भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए। पहले दिन 14,091 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि दूसरे दिन यह संख्या 10,686 रही। वहीं तीसरे दिन 13,107 श्रद्धालु दर्शन के लिए धाम पहुंचे। (अनंत ज्ञान)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज पहुंचेंगी शिमला

राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, शहर में एक हजार से ज्यादा जवान तैनात

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सात दिवसीय हिमाचल प्रवास की शुरुआत 27 अप्रैल से हो रही है। इसे लेकर राजधानी शिमला में सुरक्षा के व्यापक और कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला पुलिस ने साफ किया है कि दौरे को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी तैयारी कर ली गई है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह के अनुसार शहर में एक हजार से अधिक पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान तैनात किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और पूरे शिमला शहर को बेहतर प्रबंधन के लिए तीन अलग-अलग सेक्टरों में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि एंटी-सैबोटाज जांच, प्रवेश नियंत्रण, रूट सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। एसएसपी ने उन्होंने लोगों से अपील की है कि यात्रा पहले से योजना बनाकर करें और पुलिस के निर्देशों का पालन करें।

मन की बात

प्रधानमंत्री मोदी बोले-लोकल से ग्लोबल हुआ भारत का पनीर

दुनिया की थाली तक पहुंचा भारत का स्वाद

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में भारत के डेयरी सेक्टर की बढ़ती ताकत और वैश्विक स्तर पर भारतीय चीज की पहचान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत का स्वाद, परंपरा और गुणवत्ता अब दुनिया भर में नई पहचान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 'हमारे देश में खान-पान की परंपराएं सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रही हैं। भारतीय चीज भी इसी परंपरा का अहम हिस्सा है।'

उन्होंने बताया कि ब्राजील में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारत के दो ब्रांड्स को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हुई। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर में तेजी से बदलाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि वैल्यू एडिशन के चलते पारंपरिक स्वादों को नई पहचान मिली है और अब भारतीय चीज वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना रहा है। प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में बनने वाले खास चीज का भी जिक्र किया। जम्मू-कश्मीर का कालारी चीज, जिसे 'मोजरेला ऑफ कश्मीर' भी कहा जाता है, लंबे समय से गुज्जर-बकरवाल समुदाय द्वारा बनाया जाता रहा है। वहीं, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में मिलने वाला 'छुर्पी' याक के दूध से तैयार किया जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि इसका स्वाद पहाड़ों की सादगी और नरमी को दर्शाता है। इसके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात का 'टोपली नू पनीर' या 'सुरती चीज' भी अपनी अलग पहचान रखता है। (अनंत ज्ञान)

वैश्विक बाजार में पहुंच रहे भारतीय उत्पाद

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कई भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश कर रही हैं। नई तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय मानकों के कारण भारतीय उत्पाद अब वैश्विक बाजार और रेस्टोरेंट तक पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा 'भारतीय चीज का उदाहरण हमें दिखाता है कि लोकल से ग्लोबल की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जा सकता है।' उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का स्वाद और परंपरा दुनिया के लोगों को नया अनुभव देगी और देश से उनका जुड़ाव भी मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री के अनुसार, भारतीय चीज सिर्फ एक खाद्य उत्पाद नहीं, बल्कि देश की परंपरा और विविधता का प्रतीक है।

जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा अभियान

मन की बात कार्यक्रम में में पीएम ने जनगणना का जिक्र भी किया। पीएम ने कहा कि हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। यह है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। पीएम ने कहा कि जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां घरों की लिस्टिंग का काम जारी है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है।

सरस्वती पब्लिक स्कूल के सात्विक ने राजस्थान में जीती साइकिल प्रतियोगिता

ट्रॉफी के साथ सात्विक व अन्य। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजस्थान के जयपुर में संपन्न हुई सैंडुरो एमटीबी साइकिल चैलेंज प्रतियोगिता में सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल संजौली, शिमला के मेधावी छात्र सात्विक बस्ता ने प्रोफेशनल श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इस प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 170 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनके बीच सात्विक ने अपने साहस और कौशल का परिचय देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

43 डिग्री की तेज धूप में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 30 किलोमीटर लंबी कठिन साइकिल दौड़ पूरी करनी थी, जिसमें रेतीली जमीन, हरी-भरी घाटियां और घने जंगलों का दुर्गम मार्ग शामिल था।

सात्विक ने बताया कि उन्होंने इस प्रतियोगिता को अपने जीवन की पहली बड़ी चुनौती के रूप में स्वीकार किया और निरंतर अभ्यास तथा दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता हासिल की। विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज वर्मा ने सात्विक को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि वह कक्षा नौ का होनहार छात्र है, जो पढ़ाई के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाता है। उन्होंने इसे सात्विक की मेहनत, समर्पण और प्रतिभा का परिणाम बताया। सात्विक के पिता डॉ. जयपाल बस्ता, जो पशुपालन विभाग में वरिष्ठ चिकित्सक हैं, ने भी बेटे की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण है।

विक्रमादित्य ने शहरी विकास के लिए केंद्र से मांगे 5400 करोड़

दिल्ली बैठक में पहाड़ी राज्यों की चुनौतियां उठाईं, फंडिंग बढ़ाने पर जोर

अनंत ज्ञान

बैठक में भाग लेते मंत्री विक्रमादित्य सिंह। अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। नई दिल्ली में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने राज्य के समग्र शहरी विकास को नई दिशा देने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष मजबूत पक्ष रखा। तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य, बढ़ते पर्यटन दबाव और सीमित संसाधनों के बीच संतुलित विकास की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने 'शहरी चुनौती कोष' के तहत 5400 करोड़ रुपए की केंद्रीय हिस्सेदारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की, जहां राज्यों की आवश्यकताओं और व्यवहारिक चुनौतियों पर गंभीर मंथन हुआ।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में शहरी विकास केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भौगोलिक बाधाओं और सीमित संसाधनों के बीच संतुलन साधने की प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने लगभग 5400 करोड़ रुपए की परियोजनाएं प्रस्तावित की हैं और छोटे शहरी निकायों की कमजोर वित्तीय स्थिति को देखते हुए 1350 करोड़ रुपए की केंद्रीय हिस्सेदारी का आग्रह किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान फंडिंग व्यवस्था पहाड़ी राज्यों के लिए व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि परियोजना लागत का 50 प्रतिशत निजी या संस्थागत स्रोतों से जुटाना कठिन होता है। ऐसे में उन्होंने केंद्रीय सहायता बढ़ाने या वायबिलिटी गैप फंडिंग उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि विकास योजनाएं गति पकड़ सकें। मंत्री ने कहा कि राज्य का 90 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ी और 67 प्रतिशत वन क्षेत्र होने के कारण भूमि की उपलब्धता सीमित है। इसके बावजूद सरकार सुनियोजित शहरीकरण के माध्यम से पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रस्तावित योजनाओं में स्मार्ट पार्किंग, स्काईवॉक, हेरिटेज सौंदर्यीकरण, हाइड्रोलिक पार्किंग और आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार इंटीग्रेटेड वेलनेस इको-टूरिज्म सेंटर, भूमिगत यूटिलिटी डक्ट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जैसी परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिससे शहरों की कार्यक्षमता और सुंदरता दोनों बढ़ेंगी।

केंद्र की प्राथमिकता परियोजनाओं पर जोर

केंद्र सरकार ने राज्य से 1100 से 1200 करोड़ रुपए की प्राथमिकता परियोजनाएं प्रस्तुत करने को कहा है, जिनमें 25 प्रतिशत केंद्रीय सहायता मिलेगी, जबकि शेष राशि राज्य को अन्य माध्यमों से जुटानी होगी। यह पहल हिमाचल के शहरी विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

जुब्बल में ओलावृष्टि के कहर से सेब बागवानों की उम्मीदों पर फिरा पानी

अनंत ज्ञान

ओलावृष्टि से प्रभावित सेब के छोटे फल।

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के जुब्बल उपमंडल में मौसम ने अचानक करवट लेते हुए सेब बागवानों को गहरा झटका दिया है। शुखनाशनी, पट्टी और शुराचली क्षेत्र में हुई तेज ओलावृष्टि ने कुछ ही मिनटों में बागवानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया। चार से दस मिनट तक लगातार गिरे ओलों ने सेब के नाजुक फूलों और छोटे फलों को बुरी तरह प्रभावित कर दिया, जिससे इस साल की पैदावार पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

प्रभावित क्षेत्रों में धानसर, खरशाल, कंदरोट, झाल्टा, गिल्टाड़ी, कवाल्टा, झड़ासली, झगटान, कोठू, मांदल, भोलाड़ और छुपाड़ी जैसे गांव शामिल हैं। बागवानों के अनुसार ओलावृष्टि इतनी तेज थी कि पेड़ों पर लगे फूल और फल सीधे झड़ गए। कई जगहों पर फलों पर चोट के निशान भी देखे गए हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता पर भी असर पड़ने की आशंका है। किसानों का कहना है कि इस समय फसल संवेदनशील अवस्था में होती है और ऐसे में ओलावृष्टि सीधा आर्थिक नुकसान देती है।

मौसम के लगातार बदलते तेवरों ने बागवानों की चिंता और बढ़ा दी है। कहीं अचानक ओलावृष्टि तो कहीं भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। जुब्बल क्षेत्र में हुई इस घटना ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि प्राकृतिक परिस्थितियां बागवानी पर किस तरह भारी पड़ सकती हैं। बागवान अब सरकार से राहत और मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं ताकि हुए नुकसान की कुछ भरपाई हो सके।

हरित ऊर्जा में नई इबारत लिख रहा हिमाचल

सुक्खू का विजन बना गेमचेंजर, पहाड़ों से निकलेगी ऊर्जा क्रांति

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश आज हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई पहचान गढ़ रहा है, जहां विकास की रफ्तार और पर्यावरण संरक्षण का संतुलन साफ नजर आता है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐसा रोडमैप तैयार किया है, जो आने वाले समय में पूरे देश के लिए मिसाल बन सकता है। लगभग 13 हजार मिलियन यूनिट वार्षिक खपत वाले राज्य ने यह लक्ष्य तय किया है कि 90 प्रतिशत से अधिक ऊर्जा जरूरतें नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जाएंगी, जिससे हिमाचल 'ग्रीन पावर स्टेट' के रूप में उभर रहा है।

जलविद्युत क्षेत्र में छोटे प्रोजेक्ट्स को नई गति देकर सरकार ने पहाड़ी संसाधनों का प्रभावी उपयोग शुरू किया है। पिछले तीन वर्षों में कई परियोजनाएं शुरू और पूरी हुई हैं, जबकि अनेक परियोजनाएं स्वीकृति और निर्माण की प्रक्रिया में हैं। यह रणनीति न केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ा रही है बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती दे रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिल रहा है।

◆ **हाइड्रोजन, बायोगैस से भविष्य की ऊर्जा होगी तैयार**

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी हिमाचल ने तेज़ी से कदम बढ़ाए हैं। बड़े सौर पार्कों से लेकर ग्राउंड माउंटेड प्रोजेक्ट्स तक, निवेश और विस्तार का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 'पहले आओ-पहले पाओ' नीति के तहत सैकड़ों निवेशकों को परियोजनाएं आवंटित कर पारदर्शिता और विश्वास दोनों को मजबूत किया गया है। कांगड़ा के डमटाल से लेकर अन्य क्षेत्रों तक सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश के ऊर्जा मानचित्र को बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पंचायत कार्यक्रम एक अभिनव पहल बनकर उभरा

ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए ग्रीन पंचायत कार्यक्रम एक अभिनव पहल बनकर उभरा है। पंचायत स्तर पर सौर ऊर्जा उत्पादन से मिलने वाला राजस्व सामाजिक कल्याण में लगाया जा रहा है, जिससे विकास को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा गया है। वहीं, जनजातीय और दूरदराज इलाकों में बैटरी स्टोरेज और ऑफ-ग्रिड सोलर सिस्टम से निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जो समावेशी विकास का मजबूत उदाहरण है।

महिला आरक्षण पर जैनब चंदेल ने भाजपा पर साधा निशाना

कहा-भाजपा की नीयत-नीति में दिख रहा स्पष्ट फर्क

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश महिला कांग्रेस के अध्यक्ष जैनब चंदेल ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा की नीयत और नीति में साफ अंतर नजर आता है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में सर्वसम्मति से पारित होने के बावजूद अब तक लागू नहीं किया गया, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। उनका कहना है कि इसे जनगणना और परिसीमन से जोड़कर 2034 तक टालने की बात कही जा रही है, जिसका विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है और पंचायत स्तर पर 33 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत भी कांग्रेस शासन में हुई थी। चंदेल ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है, जबकि वास्तविक क्रियान्वयन से बच रही है। साथ ही उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं को भाजपा ने कितनी वास्तविक भागीदारी दी है।

घड़ियाली आंसू बहा रही कांग्रेस : करण नंदा

महिलाओं के मुद्दे पर नहीं रही गंभीरता,2027 तक कांग्रेस का सूपड़ा साफ

अनंत ज्ञान

शिमला में अपनी बात रखते हुए करण नंदा।

ब्यूरो, शिमला। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर प्रदेश में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी कड़ी में भाजपा मीडिया संयोजक करण नंदा ने कांग्रेस पर कड़ा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस महिलाओं के मुद्दे पर केवल राजनीति कर रही है और अब घड़ियाली आंसू बहा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने लंबे शासनकाल में महिलाओं के अधिकारों को लेकर कभी ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है।

करण नंदा ने कांग्रेस की नीयत और नेतृत्व पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी अब मुद्दों से भटककर केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण विधेयक को जल्द लागू किया जाना चाहिए ताकि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि परिसीमन के बाद सीटों में वृद्धि से लोकतंत्र और मजबूत होगा तथा विकास कार्यों में तेजी आएगी।

उन्होंने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि यदि पार्टी को सीटों में बढ़ोतरी पर आपत्ति है, तो उसे खुलकर कहना चाहिए कि वह महिला आरक्षण के खिलाफ है। साथ ही महिला कांग्रेस द्वारा भाजपा नेतृत्व पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए नंदा ने कहा कि भाजपा की रैलियों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से कांग्रेस घबराई हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को भी उन्होंने फर्जी और मनगढ़ंत करार देते हुए फोरेंसिक जांच की मांग की।

सांसद सिकंदर कुमार ने रोहड़ू-छुहारा में भाजपा कार्यकर्ताओं में भरा जोश

अनंत ज्ञान

संबोधित करते राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। रोहड़ू व छुहारा मंडल में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए आगामी नगर निकाय और पंचायतीराज चुनावों को लेकर व्यापक रणनीति बनाई। उन्होंने अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस को अपनी स्थिति का एहसास हो जाएगा। सकरा बूथ पर आयोजित बैठक में सांसद ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर जमीनी स्तर का फीडबैक लिया और चुनावी तैयारियों को मजबूत करने पर जोर दिया।

उन्होंने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल रही है। बैठक के दौरान केंद्र सरकार की उपलब्धियों को भी प्रमुखता से रखा गया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए गए। पंचायत स्तर पर प्रत्याशियों के चयन, चुनाव प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान को तेज करने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर चुनावों में जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

◆ **पंचायतीराज चुनावों को लेकर तैयार की रणनीति**

कैथू जेल में नशा उन्मूलन पर हुई कार्यशाला

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा जिला कारागार कैथू में संस्थान द्वारा संचालित नशा उन्मूलन कार्यक्रम बोधके अंतर्गत क्यूट करो, वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी विज्ञानानंद ने कैदी बंधुओं को नशे के विरुद्ध जागृत करते हुए कहा कि राष्ट्र की रीढ़ आज युवा वर्ग नशे की दलदल में फंस कर अपने जीवन का पतन कर रहा है।

आज के समय में धुम्रपान और चबाने वाले तंबाकू का सेवन बहुत अधिक मात्रा किया जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है। तंबाकू के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, जैसे, कैंसर रोग, हृदय रोग, लीवर की बीमारी, क्रोनिक रोग इत्यादि। निकोटीन एक ऐसा पदार्थ है जो बेहद नशीला होता है और तंबाकू के पौधों में पाया जाता है। तम्बाकू के उत्पाद, तंबाकू के पौधे की पत्तियों को संसाधित करके बनाए जाते हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव फेफड़े की बीमारी, हृदय रोग और कई घातक बीमारियां सीधे तौर पर तंबाकू उत्पादों से जुड़ी हुई हैं। प्रत्येक वर्ष, तंबाकू के उपयोग के कारण लगभग 80 लाख लोगों की जान चली जाती है। माधान स्वरूप स्वामी ने बताया कि मन से उपजी इस समस्या का समाधान मन के स्तर पर उतर कर ही किया जा सकता है, जो कि ब्रह्म ज्ञान द्वारा ही संभव है। कार्यक्रम में महात्मा बलदेव, राघवेंद्र व नारायण ने राष्ट्र भक्ति के गीत गाकर कैदी बंधुओं का सकारात्मक मार्ग दर्शन किया। कारागार उप अधीक्षक प्रकाश चंद वर्मा व सहायक अधीक्षक कपिल ने स्वामी जी से भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करने का अनुरोध किया।

चियोग स्कूल में फ्रेशर पार्टी में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

अनंत ज्ञान

क्लस्टर स्तरीय फ्रेशर पार्टी में भाग लेते विद्यार्थी। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से क्लस्टर स्तर पर नवप्रवेशी छात्रों के सम्मान में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इ

स आयोजन में क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली पाठशालाओं जगोड़ा, धलेऊ, कढरब, जठाई, ददास, भाईला, केंद्र प्राथमिक पाठशाला चियोग, माध्यमिक पाठशाला धलेऊ तथा राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पहली से पांचवीं कक्षा तक प्रारंभिक स्तर, छठी से आठवीं तक माध्यमिक स्तर और नौवीं से बारहवीं तक वरिष्ठ वर्ग में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें रैंप वॉक, परिचय प्रस्तुति, रुचि कथन, प्रतिभा प्रदर्शन, चिट पेपर कार्य और म्यूजिक चेयर जैसी गतिविधियों ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को फ्रेशर खिताब से सम्मानित किया गया। प्रारंभिक वर्ग में सोनाक्षी प्राथमिक पाठशाला जगोड़ा मिस फ्रेशर और सूर्यांश (केंद्र प्राथमिक पाठशाला चियोग मिस्टर फ्रेशर बने, जबकि माध्यमिक वर्ग में श्वेता राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग और दिव्यांश को सम्मान मिला। वरिष्ठ वर्ग में सूर्यांश और एजिल को क्रमशः मिस्टर एवं मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य संदीप कुमार शर्मा ने की, जिन्होंने सभी विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि विभागीय निर्देशों के अनुरूप क्लस्टर के सभी विद्यार्थियों को समान अवसर देना उनका लक्ष्य है।

शिमला में एक मंडप में 3 भाइयों की शादी

पबान गांव से उठा सादगी और एकता का अनोखा संदेश

अनंत ज्ञान

पबान गांव में तीन भाई शादी के बाद सामूहिक चित्र।

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल की वादियों से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने दिखावे के इस दौर में सादगी और पारिवारिक एकता की नई परिभाषा गढ़ दी। शिमला जिले के नेरवा तहसील के पबान गांव में एक ही परिवार के तीन भाइयों ने एक ही दिन, एक ही मंडप में विवाह कर समाज को ऐसा संदेश दिया, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा। यह आयोजन संस्कारों, समझदारी और सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बन गया। जहां आजकल शादियां आडंबर और खर्च का प्रतीक बनती जा रही हैं, वहीं इस परिवार ने अपनी परंपराओं को निभाते हुए सादगी में भव्यता का अद्भुत संगम पेश किया।

इस विशेष विवाह समारोह में परिवार के तीन छोटे भाइयों रोहित, सुनील और संजू ने एक साथ सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। रोहित की शादी प्रिया, सुनील की प्रियंका और संजू की संगीता के साथ संपन्न हुई। खास बात यह रही कि इन तीनों में से दो भाई भारतीय सेना में देश सेवा कर रहे हैं, जबकि एक भाई जेबीटी शिक्षक के रूप में शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहा है। परिवार की यह उपलब्धि भी इस आयोजन को और अधिक प्रेरणादायक बनाती है।

गांव में इस तरह का आयोजन पहली बार देखने को मिला, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया। शादी में बड़ी संख्या में रिश्तेदार, दोस्त और ग्रामीण शामिल हुए। पारंपरिक नाटी, ढोल-नगाड़ों की गूंज और एक ही मंडप में तीन दूल्हों की बारात ने इस आयोजन को बेहद खास बना दिया।

लोगों ने इस शादी को एक सामाजिक संदेश के रूप में देखा, जिसमें एकता, सहयोग और सादगी की झलक साफ दिखाई दी। इस आयोजन ने यह भी साबित किया कि यदि सोच सकारात्मक हो तो कम खर्च में भी बड़े और यादगार कार्य किए जा सकते हैं। जहां आमतौर पर शादियों में अलग-अलग खर्च और व्यवस्थाएं होती हैं, वहीं इस परिवार ने एक साथ तीन शादियां कर खर्च में कमी के साथ-साथ रिश्तों को और मजबूत करने का काम किया। यह पहल आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

गेयटी थियेटर में सजी रंगों की महफिल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। गेयटी थियेटर के टेवरन हॉल में रविवार को रंगों और रचनात्मकता का खूबसूरत संगम देखने को मिला, जहां सीरिन स्ट्रोक्स चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। इस प्रदर्शनी में दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों की तीन महिला कलाकारों ने अपनी विविध शैली की कलाकृतियां प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

खासतौर पर गुरुग्राम की कलाकार स्वागतिका मोहंती की डॉट पेंटिंग लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जिसमें बिंदुओं के माध्यम से प्रकृति की सजीव अभिव्यक्ति को बेहद नफासत के साथ उकेरा गया है। यह शैली स्टिपलिंग और पॉइंटिलिज्म के नाम से जानी जाती है, जो कला प्रेमियों के बीच खास पहचान रखती है।

प्रदर्शनी में नोएडा की रेनू उमराव ने वॉटरकलर और एक्रेलिक चित्रों के जरिए रंगों की गहराई और भावनाओं को उभारा है, वहीं दिल्ली की मोनिका सिंह ने लोक और आधुनिक कला के संगम को अपने चित्रों में दर्शाया है। इसके अलावा हस्तनिर्मित स्लिंग बैग, क्लच, टोट बैग, छोटी पेंटिंग्स और बुकमार्क जैसी आकर्षक वस्तुएं भी बिक्री के लिए रखी गई हैं, जिससे कला के साथ-साथ शिल्प का भी समावेश देखने को मिल रहा है।

30 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में करीब 200 कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जिनकी कीमत 500 रुपये से 20 हजार रुपए तक निर्धारित है। कलाकारों का कहना है कि शिमला में पहली बार आयोजित इस प्रदर्शनी को दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

◆ **दिल्ली की महिला कलाकारों की प्रदर्शनी बनी आकर्षण**

एक्शन भारतीय न्याय संहिता की धारा 351 के तहत सख्ती

अब हिमाचल में धमकी देना पड़ेगा भारी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में सरकार ने बड़ा और सख्त कदम उठाया है। अब किसी भी व्यक्ति को डराने-धमकाने से जुड़े मामलों को हल्के में नहीं लिया जाएगा। प्रदेश सरकार ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 351 के अंतर्गत आने वाले अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित कर दिया है, जिससे ऐसे मामलों में तुरंत और कठोर कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पहले जिन मामलों को भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के तहत दर्ज किया जाता था, अब वे सभी मामले नई व्यवस्था के तहत धारा 351 में शामिल होंगे। इस बदलाव के साथ ही पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी करने का अधिकार मिल गया है। इसका उद्देश्य समाज में भय का वातावरण पैदा करने वाले तत्वों पर तत्काल अंकुश लगाना और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सरकार का मानना है कि धमकी और डराने-धमकाने की घटनाएं कई बार बड़े अपराधों का कारण बनती हैं, इसलिए शुरुआती स्तर पर ही कड़ी कार्रवाई जरूरी है। इस अधिसूचना के लागू होने के बाद पुलिस को अधिक सशक्त बनाया गया है, ताकि ऐसे मामलों में देरी या लापरवाही की गुंजाइश न रहे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) कमलेश कुमार पंत द्वारा जारी इस आदेश से कानून लागू करने वाली एजेंसियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश मिल गए हैं।

◆ **बिना वारंट गिरफ्तारी का प्रावधान, संज्ञेय और गैर जमानती बना अपराध**

असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने में मिलेगी मदद

इस सख्त प्रावधान के बाद प्रदेश में कानून का डर बढ़ने की उम्मीद है और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने में मदद मिलेगी। आम जनता के लिए यह राहत की बात है कि उनकी सुरक्षा से जुड़े मामलों में अब त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव होगी, जबकि अपराधियों के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि धमकी देना अब सीधे जेल की राह दिखा सकता है।

निर्विरोध पंचायत चुनाव पर चौपालों में चर्चा तेज

सहमति की सियासत से गांवों का मंजर बदलने की तैयारी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज चुनावों को लेकर एक नई सोच जमीन पर उतरती दिखाई दे रही है, जिसने सियासत के पारंपरिक टकराव वाले ढर्रे को चुनौती दी है। सरकार द्वारा निर्विरोध पंचायत प्रतिनिधियों के लिए प्रोत्साहन राशि बढ़ाए जाने के बाद गांवों में सहमति, सौहार्द और आपसी समझदारी की एक नई फिजा बनती नजर आ रही है। यह पहल सामाजिक एकजुटता की एक मजबूत बुनियाद भी तैयार कर रही है।

नई व्यवस्था के तहत अब पंचायत निर्विरोध चुने जाने पर 20 लाख रुपये, बीडीसी के लिए 50 लाख रुपए और जिला परिषद के लिए एक करोड़ रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पहले यह राशि क्रमशः 10 लाख, 20 लाख और 30 लाख रुपये थी। इस उल्लेखनीय बढ़ोतरी ने गांवों में एक नई हलचल पैदा कर दी है, जहां लोग टकराव से बचकर सहमति के रास्ते पर आगे बढ़ने की कवायद में जुट गए हैं।

पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह

◆ 80 करोड़ के चुनावी खर्च से राहत की कवायद, आपसी इत्तेफाक को मिल रहा बढ़ावा

ने अपने हालिया बयान में कहा कि निर्विरोध चुनाव भाईचारे, एतमाद और सामाजिक समरसता की असल तस्वीर पेश करते हैं। उनका मानना है कि जब चुनाव बिना विवाद के होंगे, तो विकास कार्यों को गति मिलेगी और पंचायतों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि सीधे जनहित में खर्च होगी। इस फैसले के बाद पंचायत स्तर पर आपसी सहमति बनाने की कवायद तेज हो गई है। कई जगहों पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जहां गांव के लोग मिल-बैठकर सर्वसम्मति से प्रतिनिधि चुनने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, पंचायतीराज चुनावों की औपचारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले सप्ताह संभवतः सोमवार शाम तक इसका ऐलान हो सकता है। इसी संभावित घोषणा से पहले ही सहमति की यह लहर गांवों में साफ तौर पर महसूस की जा रही है।

जानकारों का मानना है कि पंचायतीराज चुनावों में करीब 80 करोड़ रुपए तक का भारी खर्च आ सकता है, जिसमें प्रशासनिक मशीनरी, सुरक्षा व्यवस्था आदि शामिल होते हैं। ऐसे में निर्विरोध चुनाव इस खर्च को कम करने का एक कारगर जरिया बन सकते हैं। बचाए गए संसाधनों को विकास कार्यों में लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदली जा सकती है।

पिछले चुनावों में 104 पंचायतें निर्विरोध चुनी गई थीं, जो अपने आप में एक मिसाल बनी थीं। इस बार सरकार को उम्मीद है कि यह संख्या और अधिक बढ़ेगी। गांवों में इत्तेफाक और तरक्की का जो माहौल बन रहा है, वह इस पहल को और मजबूती देता नजर आ रहा है।

एक नई राह दिखाने की ओर अग्रसर प्रदेश

बहरहाल, ग्राम सत्ता में यह कदम एक व्यापक सामाजिक बदलाव की ओर इशारा करता है, जहां लोकतंत्र को टकराव नहीं, बल्कि सहमति और सहयोग के जरिए मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। अगर यह प्रयोग कामयाब होता है, तो हिमाचल प्रदेश पूरे देश के लिए एक नई राह दिखा सकता है।

अफ्रीका से महारल के युवक का शव 14 दिन बाद पहुंचा घर

अनंत ज्ञान, एसके ठाकुर, बड़सर। हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर के बड़सर उपमंडल में आज उस समय माहौल बेहद गमगीन हो गया, जब रोजी-रोटी की तलाश में दक्षिण अफ्रीका गए एक युवक का शव 14 दिनों के लंबे इंतजार के बाद उसके पैतृक गांव महारल (काली चिक) पहुंचा। अपने लाडले के अंतिम दर्शन करने के लिए पूरे क्षेत्र से लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

बताते चलें कि महारल पंचायत के काली चिक गांव का यह युवक दक्षिण अफ्रीका के एक होटल में काम करता था। परिजनों के लिए पहाड़ जैसा दुख तब टूटा जब बीती 12 अप्रैल को अचानक उसकी मृत्यु की सूचना मिली। इस खबर के बाद से ही गांव में मातम का माहौल था और परिजन पार्थिव शरीर को घर लाने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं और लंबे इंतजार से जूझ रहे थे।

रविवार सुबह जैसे ही युवक का शव उसके पैतृक गांव पहुंचा वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। 14 दिनों तक अपने बेटे की राह देख रहे माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। युवक के अंतिम दर्शनों के लिए महारल और आसपास की पंचायतों से भारी संख्या में लोग पहुंचे।

स्थानीय प्रशासन, विधायक, सांसद अनुराग ठाकुर और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से शव को भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की गई। गमगीन माहौल के बीच युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

धर्मशाला पहुंचे कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, बोले-

पाक की राह पर चल रही भाजपा

अनंत ज्ञान

धर्मशाला में कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार के साथ। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा में कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश में, पाकिस्तान की तर्ज पर, काम कर रही है और विपक्षी दलों के नेताओं को जांच एजेंसियों के जरिए परेशान किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में जम्मू, हिमाचल प्रदेश और पंजाब से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और जिलाध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान वेणुगोपाल ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने के लिए मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने कहा कि कांगड़ा में चल रहा यह प्रशिक्षण शिविर संगठन सृजन अभियान का 12वां चरण है और इस तरह के कार्यक्रम देश के हर प्रदेश में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत प्रत्येक जिले से एक जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है, जिससे पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिले। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर वेणुगोपाल ने कहा कि 4 मई को आने वाले नतीजे अलग तस्वीर पेश करेंगे और जनता भाजपा को आईना दिखाएगी। आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा वॉशिंग मशीन की तरह काम करती है। उनके अनुसार पहले नेताओं पर ईडी जैसी एजेंसियों के जरिए दबाव बनाया जाता है और फिर भाजपा में शामिल होते ही उनके खिलाफ मामले खत्म हो जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष में रहने तक नेताओं को परेशान किया जाता है, लेकिन भाजपा में आते ही उन्हें राहत मिल जाती है।

हिमाचल प्रदेश से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर एंटी हिमाचल रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य को आरजीडी की सख्त जरूरत है, लेकिन केंद्र सरकार इस दिशा में सहयोग नहीं कर रही और प्रदेश के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस जिला स्तर पर मजबूत होगी और आने वाले समय में भाजपा को कड़ी चुनौती देगी।

टिकट आवेदन पर वसूली व स्वास्थ्य व्यवस्था पर सरकार सवालों के घेरे में : जयराम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट आवेदन के नाम पर पांच हजार रुपए की वसूली लोकतांत्रिक अधिकारों का मजाक है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता को टिकट के लिए आवेदन करने का अधिकार होता है और इसके बदले पैसे लेना न केवल अनुचित है बल्कि यह दर्शाता है कि सरकार और पार्टी अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कार्यकर्ताओं पर आर्थिक बोझ डाल रही है।

◆ कांग्रेस सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

◆ कार्यकर्ताओं से वसूली को बताया परंपरा के खिलाफ कदम

शिमला से जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र में उम्मीदवारों का चयन उनकी लोकप्रियता, समर्पण और जीतने की क्षमता के आधार पर किया जाता है, न कि पैसे के आधार पर। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की नीतियों से प्रदेश की जनता निराश है और कानून व्यवस्था की स्थिति भी लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जनता कांग्रेस को इसका जवाब देगी और सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी।

उन्होंने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों, दवाइयों और जरूरी सुविधाओं की भारी कमी है, जिससे आम लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर रोबोटिक सर्जरी के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऑपरेशन थिएटर तक की बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त नहीं हैं, इसलिए सरकार को दिखावे की बजाय जमीनी सुधारों पर ध्यान देना चाहिए।

राम माधव के बयान पर विक्रमादित्य ने किया पलटवार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा-आरएसएस नेता राम माधव के हालिया बयान के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है, जिसका असर हिमाचल प्रदेश तक भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए विदेश नीति और आर्थिक फैसलों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश को लंबे समय से यह बताया जा रहा था कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं आता, लेकिन अब सामने आए बयानों ने इस दावे की सच्चाई उजागर कर दी है। उनके अनुसार, यह स्थिति न केवल देश की वैश्विक छवि पर असर डालती है बल्कि आम जनता के हितों को भी प्रभावित करती है।

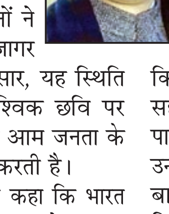

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि भारत की विदेश नीति को लेकर जो मजबूत छवि बनाई गई थी, वह अब कमजोर पड़ती नजर आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लिए गए फैसलों में पारदर्शिता की कमी रही है और देश के रणनीतिक हितों से समझौता किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सस्ते तेल के विकल्पों को छोड़ना सीधे तौर पर आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाने जैसा है। जब आम नागरिक पेट्रोल-डीजल की कीमतों से परेशान है, तब ऐसे फैसले जनता के हित में नहीं माने जा सकते।

◆ '56 इंच' की विदेश नीति पर उठाए सवाल, ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई पर घेरी केंद्र सरकार

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि रूस और ईरान जैसे पुराने सहयोगियों से दूरी बनाना भारत की पारंपरिक विदेश नीति के विपरीत है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की बात करने वाली सरकार को अपने निर्णयों में स्वतंत्रता और संतुलन दिखाना चाहिए। उनके अनुसार, केवल नारों और भाषणों से राष्ट्रवाद साबित नहीं होता, बल्कि नीतिगत फैसलों में उसका प्रतिबिंब दिखना जरूरी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर '56 इंच' की छवि दिखाने और वास्तविकता छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब सच्चाई सामने आ रही है। विक्रमादित्य सिंह ने अपने बयान में यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश विकास के मुद्दों पर केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन राज्य के स्वाभिमान और देशहित के मुद्दों पर कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल की संस्कृति एकजुटता और सहयोग की रही है और इसी भावना के साथ राज्य आगे बढ़ना चाहता है।

सहयोग के साथ जवाबदेही जरूरी

अंत में उन्होंने कहा कि सहयोग का अर्थ समर्पण नहीं होता और सरकार को अपने फैसलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने केंद्र से अपील की कि वह ऐसी नीतियां बनाए, जिससे आम जनता को राहत मिले और देश की वैश्विक प्रतिष्ठा और अधिक मजबूत हो।

मुख्यमंत्री सुक्खू आम आदमी के सच्चे हितैषी : राजेश धर्माणी

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल सरकार में कैबिनेट तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने एक भेंट वार्ता में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आदमी के सच्चे हितैषी हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के असहाय बच्चों के लिए मुख्यमंत्री ने अनुकरणीय योजनाएं चलाई है। प्रदेश के आम जनमानस तक सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहित की योजनाएं पहुंचे इसके लिए सशक्त प्रयास किया है।

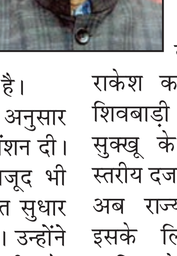

अपने वायदे के अनुसार कर्मचारी वर्ग को ओल्ड पेंशन दी। प्रदेश में आपदा के बावजूद भी सड़कों की स्थिति में तुरंत सुधार करवाया जो सराहनीय है। उन्होंने बताया कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है और भाजपा नेता आए दिन आधारहीन बयान बाजी करके जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में चहुमुखी विकास हो रहा है।

◆ कहा-शिवबाड़ी मेले को राज्य स्तरीय करने के लिए होगा पूरा प्रयास

वहीं, धर्माणी ने बताया स्थानीय विधायक राकेश कालिया के प्रयासों से शिवबाड़ी मेले को मुख्यमंत्री सुक्खू के आशीर्वाद से जिला स्तरीय दर्जा मिला और इस मेले को अब राज्य स्तरीय दर्जा मिले इसके लिए विधायक राकेश कालिया के साथ मिलकर मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे।

भारत की विकास यात्रा में हिमाचल का योगदान महत्वपूर्ण : अनुराग ठाकुर

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने पंजाब के रूपनगर में हिमाचल वेलफेयर सभा द्वारा आयोजित हिम उत्सव कार्यक्रम में भाग लेकर प्रवासी हिमाचलियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

◆ हिम उत्सव में प्रवासी हिमाचलियों से किया संवाद

अनुराग ने हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि हिमाचल अपनी समृद्ध परंपराओं और वीरता के लिए देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों ने अपनी मेहनत और समर्पण से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कारगिल युद्ध का जिक्र करते हुए हिमाचल के वीर जवानों के योगदान को याद किया और शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि युद्ध में प्रदेश के 52 जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया और कैप्टन विक्रम बत्रा व राइफलमैन संजय कुमार को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

इस दौरान उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कर्ज लगातार बढ़ रहा है और चुनावी वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता और युवाओं को स्थायी रोजगार देने के वादे अधूरे हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 के बाद हिमालयी राज्यों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना हिमाचल के समग्र विकास के बिना पूरा नहीं हो सकता।

हिमाचल में बार काउंसिल चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश बार काउंसिल चुनाव में इस बार इतिहास रच दिया गया है, जहां वरिष्ठ अधिवक्ता अजय कोचर ने अभूतपूर्व 414 प्रथम वरीयता वोट हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह आंकड़ा न केवल उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि प्रदेश के बार काउंसिल चुनावों के इतिहास में किसी एक उम्मीदवार के पक्ष में डाले गए मतों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या भी बन गया है। इस शानदार प्रदर्शन ने चुनाव को एक ऐतिहासिक मोड़ दे दिया है।

◆ 414 प्रथम वरीयता वोट लेकर अजय कोचर ने रचा नया कीर्तिमान

कानूनी बिरादरी ने जिस तरह से एकजुट होकर यह जनादेश दिया है, वह स्पष्ट संकेत देता है कि अधिवक्ताओं को अजय कोचर के नेतृत्व पर गहरा विश्वास है। यह समर्थन केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि वकालत के क्षेत्र में नई दिशा और मजबूत नेतृत्व की चाह का प्रतिबिंब है। अधिवक्ताओं ने यह संदेश भी दिया है कि वे अब पारदर्शिता, प्रभावी प्रतिनिधित्व और पेशेवर मजबूती की अपेक्षा रखते हैं। इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग जीत को बार काउंसिल के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में देखा जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि अजय कोचर के नेतृत्व में न केवल अधिवक्ताओं के हितों को मजबूती मिलेगी, बल्कि न्यायिक व्यवस्था में भी सकारात्मक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्यासी असमंजय में

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों से ठीक पहले सत्ता पक्ष खुद ही बैकफुट पर नजर आ रही है। मुख्यमंत्री के हालिया बयान ने कांग्रेस संगठन को ऐसी उलझन में डाल दिया है, जिसका सीधा फायदा अब भाजपा उठाती दिख रही है।

मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि पंचायत चुनावों में 'कोई भी चुनाव लड़ सकता है' और एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में हो सकते हैं, कांग्रेस के लिए रणनीतिक रूप से भारी पड़ता नजर आ रहा है। इस बयान ने न केवल अधिकृत उम्मीदवार तय करने की प्रक्रिया को कमजोर किया है, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम की स्थिति भी पैदा कर दी है।

राजनीतिक गलियारों में इसे कांग्रेस की 'ओपन एंडेड पॉलिसी' कहा जा रहा है, जिसने अनुशासन और एकजुटता दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी के भीतर ही यह चर्चा तेज है कि इस तरह के संकेत से अधिकृत उम्मीदवार की अवधारणा ही कमजोर पड़ जाती है और बगावत को अप्रत्यक्ष बढ़ावा मिलता है। दूसरी ओर, भाजपा ने इस मौके को पूरी तरह भुनाने की रणनीति बना ली है। सूत्रों के अनुसार पार्टी ने पंचायत चुनावों को लेकर 19 संगठनात्मक इकाइयों के जरिए हर सीट पर एक उम्मीदवार उतारने का स्पष्ट फैसला लिया है।

◆ पंचायत चुनाव से पहले भाजपा को मिला खुला मैदान, पूरी तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतरने को तैयार

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

इसके लिए समन्वय कमेटी का गठन कर दिया गया है, जो टिकट वितरण से लेकर चुनाव प्रबंधन तक की जिम्मेदारी संभाल रही है। जहां कांग्रेस 'जिसे लड़ना है, लड़ो' की स्थिति में नजर आ रही है, वहीं भाजपा 'एक सीट, एक चेहरा' की रणनीति के साथ मैदान में उतर रही है। यही अंतर दोनों दलों की चुनावी तैयारी को साफ तौर पर अलग करता है।

सबसे अहम बात यह है कि कांग्रेस के भीतर भी इस बयान को लेकर असंतोष खुलकर सामने आ रहा है। संगठन से जुड़े कई नेता और कार्यकर्ता मानते हैं कि करीब 70-80 प्रतिशत कैडर इस तरह के संदेश से सहमत नहीं है। उनका कहना है कि इससे पार्टी की जमीनी पकड़ कमजोर होगी और अधिकृत उम्मीदवार के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री को इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर सीधे बयान देने से बचना चाहिए था। यदि वे यह कहते कि पंचायत चुनावों की रणनीति और उम्मीदवार चयन का निर्णय संगठन, विशेषकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लेगा, तो संदेश अधिक स्पष्ट और अनुशासित जाता।

फिलहाल स्थिति यह है कि पंचायत चुनाव से पहले ही कांग्रेस अंदरूनी असमंजस से जूझ रही है, जबकि भाजपा पूरी तैयारी और स्पष्ट रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरने को तैयार है।

लापरवाही — कब उठेगी और पहुंचेगी डिपो में? आग की चपेट में आई तो कौन बचाएगा?

फायर सीजन शुरू, फिर भी चीड़ की लकड़ी जंगलों में

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। हमीरपुर के चीड़ के जंगलों से इस बार तकरीबन 27 000 सूखे हुए पेड़ों की काटी गई लकड़ी जंगलों में ही पड़ी हुई है। फायर सीजन शुरू हो चुका है। आशंका इसी बात की है कि आग की चपेट में आने से इसे आखिर कौन बचाएगा? बड़े स्तर पर इस बार लकड़ी के 'टाल' जंगलों के भीतर और सड़क किनारे फैले हुए आसानी से देखे जा सकते हैं।

हमीरपुर में चीड़ के जंगल बड़ी तादाद में है और पिछले कुछ सालों का आंकलन करें तो इस बार सूखे हुए पेड़ काफी तादाद में पहली मर्तबा काटे गए हैं। काटकर इनकी लकड़ी तो बना दी गई। इन्हें गाड़ियों में भरकर कांगड़ा जिला के नूरपुर इलाके में पहुंचना है। जहां इसे सुरक्षित रखने का इंतजाम है। बारी-बारी से इस लकड़ी को ट्रक ले जाने का काम भी शुरू कर चुके हैं, लेकिन इसकी रफ्तार बेहद धीमी है। खतरा एक ही है यदि आग का एक झोंका फायर सीजन में इन तक पहुंच गया, तो फिर लाखों की कीमत वाली यह लकड़ी स्वाहा हो जाएगी। बड़सर इलाके के जंगलों में किड लकड़ी के बड़े-बड़े ढेर देखे जा सकते हैं उनसे अभी लकड़ी को उठाने का काम कहीं दिख नहीं रहा और यह ढेर पिछले डेढ़-दो महीनों से लगे हुए हैं।

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

क्या कहते हैं हमीरपुर के फॉरेस्ट कॉरपोरेशन के डीएम

हमीरपुर के फॉरेस्ट कॉरपोरेशन के डीएम जगदीश गौतम का कहना है कि काम शुरू हो गया है। जहां-जहां भी इसे पहुंचाया जाना है काम शुरू है। परमिट काटे जा रहे हैं। लेकिन इसमें और तेजी लाई जाएगी। ताकि फायर सीजन से लकड़ी को बचाया जा सके। लेकिन कई बार लेबर की दिक्कत आ जाती है, इस वजह से कुछ विलंब हो रहा है।

समय रहते कदम उठाने की जरूरत

जंगलों में आज की बड़े स्तर पर घटनाएं हमीरपुर जिला में होती रही हैं इसी वजह से चीड़ के जंगल भी अब लगातार सूखते जा रहे हैं अब क्योंकि पिछले कुछ दिनों से फायर सीजन का शुभारंभ हो चुका है कु छ जंगलों में आज की घटनाएं हो भी चुकी हैं लेकिन जहां लकड़ी पड़ी है वहां पर यदि आग की लपटें पहुंच गई तो फिर नुक्सान ठेकेदार का तो होगा ही, वन संपदा का भी होगा। फॉरेस्ट कॉरपोरेशन को भी काफी नुकसान होगा। तब सवाल तो कहीं खड़े होंगे, लेकिन समय पर यदि कारगर कदम उठा लिए जाएं, तो फिर सवालों से बचा जा सकता है।

तैयार हो जाइए! मई में खुलेगा मनाली-काजा मार्ग

5 महीने बाद चंद्रताल झील का दीदार कर सकेंगे पर्यटक

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की दुर्गम, लेकिन खूबसूरत स्पीति घाटी मई के पहले सप्ताह में लाहौल से दोबारा जुड़ने के लिए तैयार है। सर्दियों के भारी हिमपात के कारण पिछले पांच महीनों से बंद मनाली-ग्रांफू-काजा मार्ग को बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। यदि मौसम की परिस्थितियां अनुकूल रहती हैं, तो जल्द ही इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी, जिससे प्रसिद्ध चंद्रताल झील के लिए भी रास्ता साफ हो जाएगा।

सर्दियों के चलते यह मार्ग दिसंबर महीने से यातायात के लिए बंद था। काजा की ओर से सड़क को कुंजम दर्रे तक बहाल कर लिया गया है। वहीं, लाहौल की ओर से मार्ग को छोटा दड़ा तक साफ कर दिया गया है। इसके अलावा शिंकुला दर्रा को बीआरओ द्वारा दो सप्ताह पहले ही बहाल किया जा चुका है, जहां अब पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई है।

मनाली-काजा सड़क मार्ग बहाली में जुटी बीआरओ की मशीनरी।

रोहतांग और बारालाचा दर्रे पर भी काम जारी

सीमा सड़क संगठन सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मनाली-लेह मार्ग और पर्यटकों के पसंदीदा रोहतांग दर्रे को खोलने में जुटा है। बीआरओ के अनुसार, मई के मध्य तक पर्यटकों के लिए रोहतांग दर्रा बहाल होने की उम्मीद है। वहीं, बारालाचा में भी बर्फ हटाने का कार्य अंतिम चरण में है। लेह की ओर से 'हिमांक' और मनाली की ओर से 'दीपक' परियोजना के जवान दिन-रात सड़क बहाली में जुटे हुए हैं।

प्रशासनिक तालमेल और चुनौतियां

जनजातीय सलाहकार परिषद के सदस्य वीर भगत ने बताया कि सड़क बहाली को लेकर निर्माण कंपनियों के साथ समन्वय बिठाया जा रहा है। उन्होंने बीआरओ 108 आरसीसी के ओसी पुष्पित भार्गव से आग्रह किया है कि 'बातल' तक सड़क सफाई का कार्य जल्द पूरा किया जाए, ताकि दोनों घाटियों के बीच संपर्क सुचारु हो सके। मार्ग खुलते ही न केवल स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यटन सीजन की शुरुआत के साथ चंद्रताल और स्पीति घाटी की आर्थिकी को भी पंख लगेंगे।

कांगड़ा और चंबा जिले में 196 करोड़ रुपए के बिजली बिल पेंडिंग

जल शक्ति विभाग की बिल पेंडेंसी सबसे अधिक

◆ मीटर प्रीपेड होने से खत्म होगी पेंडेंसी की समस्या

अनंत ज्ञान

लंबित बिलों की समस्या खत्म होने की उम्मीद

अजय गौतम एनडीएनसी के लंबित बिलों की समस्या जल्द खत्म हो जाएगी, क्योंकि सरकारी विभागों के मीटर्स प्रीपेड कर दिया गया है। प्रीपेड होने से लंबित बिलों की समस्या खत्म होगी, जिससे बिजली बोर्ड को राहत मिलेगी, वहीं उपभोक्ताओं को भी इससे फायदा होगा।

राजेश कुमार, धर्मशाला। प्रदेश के दो जिलों में 196 करोड़ रुपए के बिजली बिल पेंडिंग हैं। इनमें से सबसे अधिक बिल पेंडेंसी जल शक्ति विभाग की है। पिछले लंबे समय से चली आ रही बिजली बिल पेंडेंसी की समस्या अब खत्म होने वाली है, क्योंकि अधिकतर पेंडेंसी सरकारी विभागों की रहती है, जबकि अब बिजली बोर्ड की ओर से सभी विभागों के बिजली मीटर प्रीपेड कर दिए गए हैं, ऐसे में बिल पेंडेंसी की संभावना खत्म हो जाएगी।

बिजली बोर्ड कांगड़ा जोन के चीफ इंजीनियर ई. अजय गौतम ने विशेष बातचीत में बताया कि कांगड़ा-चंबा में सरकारी विभागों सहित अन्य उपभोक्ताओं के 196 करोड़ रुपए के बिजली बिल लंबित चल रहे हैं। इसमें सबसे अधिक बिजली बिल की लंबित राशि जल शक्ति विभाग की 156 करोड़ की है, जबकि दूसरे स्थान अन्य सरकारी विभागों के बिजली बिल लंबित हैं, जिन्हें बिजली बोर्ड की ओर से नॉन डामेस्टिक नॉन कमर्शियल यानी एनडीएनसी कहा जाता है।

समय पर बिल भुगतान से बेहतर होती हैं रेटिंग

चीफ इंजीनियर ने कहा कि समय पर बिलों का भुगतान होने से बिजली बोर्ड की वित्तीय स्थिति मजबूत होती है और उसकी क्रेडिट रेटिंग भी बेहतर रहती है। उन्होंने बताया कि जब बोर्ड को समय पर राजस्व प्राप्त होता है, तो उसे बाजार से कम लोन लेना पड़ता है और यदि लोन लिया भी जाता है तो उस पर कम ब्याज देना पड़ता है। इससे बोर्ड का कुल खर्च कम होता है और आर्थिक बोझ घटता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली बोर्ड को मिलने वाले इस लाभ का सीधा फायदा उपभोक्ताओं को भी मिलना चाहिए। बेहतर वित्तीय स्थिति में बोर्ड भविष्य में बिजली दरों में राहत देने में भी सक्षम हो सकता है, जिससे उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला भार कम होगा और सेवा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनेगी।

परागपुर-नलेटी मार्ग बदहाल लोक निर्माण विभाग की अनदेखी पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान, परागपुर। परागपुर से वाया ब्वॉयज स्कूल होते हुए नलेटी को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग की बदहाली को लेकर लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। विभाग की उदासीनता का आलम यह है कि नैहरनपुखर और परागपुर के बीच की दूरी को महज तीन किलोमीटर तक समेटने वाले इस रास्ते को सुधारने की जहमत आज तक नहीं उठाई गई। वर्तमान में इस मार्ग की सबसे बड़ी बाधा ब्वॉयज स्कूल के पीछे पड़ने वाली खड्ड है, जिसके चलते वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर विभाग इस खड्ड पर एक साधारण काजवे का निर्माण कर दे, तो यह मार्ग न केवल सुगम हो जाएगा बल्कि क्षेत्र की एक बड़ी आबादी को आवाजाही में बड़ी राहत मिलेगी। इस समस्या को लेकर क्षेत्र के जागरूक नागरिकों अमित, सुमित वालिया, राजीव धीमान, संजीव सूद, पवन कुमार, मनीष कुमार, राजन, बलबीर, अशोक, अजमेर और शिवम ने अपनी चिंता व्यक्त की है। ग्रामीणों ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और विभाग के उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई है कि जनहित को देखते हुए इस सड़क के सुधार के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। उन्होंने मांग की कि विभाग तुरंत प्रभाव से खड्ड वाली जगह पर काजवे निर्माण के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करे। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस छोटे से निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा, लेकिन विभाग की सुस्ती के कारण लंबे समय से यह मामला फाइलों में ही दबा नजर आता है।वहीं अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि सरकार के हस्तक्षेप के बाद विभाग इस दिशा में सक्रियता दिखाएगा।

सभी कर्मचारियों को एक समान मिले महंगाई भत्ता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते की दरें अलग अलग हैं। इसमें न्यू पेंशन स्कीम के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों को केंद्र के अनुरूप 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा था, जो अब बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। राज्य सरकार के पुरानी पेंशन योजना के कर्मचारियों को वर्तमान में केवल 45 प्रतिशत महंगाई भत्ता ही मिल रहा है। केंद्र सरकार के अधीन कार्यरत अफसर भी केंद्र तर्ज पर डीए ले रहे हैं, जबकि बिजली बोर्ड भी इसका अनुसरण कर रहा है। ऐसे में प्रदेश के सारे कर्मचारियों को महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत की दर से मिलना चाहिए।

महंगाई का असर राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों कर्मचारी वर्गों पर समान रूप से पड़ता है। महंगाई भत्ता देने में अंतर तार्किक एवं न्यायसंगत नहीं है। इसलिए राज्य सरकार सबको एक समान मंहगाई भत्ता देने की लिखित अधिसूचना जारी करे। यह मांग राजकीय टीजीटी कला संघ ने प्रदेश मुख्यमंत्री से की है। संघ के राज्य महासचिव विजय हीर ने कहा कि हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने कहा कि महंगाई भत्ता कर्मचारियों का वैध अधिकार है तथा इसके भुगतान में अनावश्यक विलंब या असमानता उचित नहीं है। बंगाल मामले में सुप्रीम कोर्ट साफ कर चुका है कि सरकार को कर्मचारियों के साथ समानता एवं न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए और डीए कर्मचारियों के अधिकारों का हिस्सा है।प्रदेश के 1370 एन पी एस कर्मचारियों को केंद्र की तर्ज पर डीए देने का निर्णय अक्तूबर 2024 में हुआ था। बाजार आधारित पेंशन योजना (एनपीएस) लेने वालों में प्रदेश सरकार के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अधिकारी भी शामिल हैं। एनपीएस कर्मचारियों ने सरकार को अवगत करवाया था कि डीए कम मिलने के कारण सरकार की ओर से दिया जाने वाला अंशदान भी कम है। कुल वेतन और भत्तों को जोड़कर मिलने वाले ब्याज का भी नुकसान हो रहा है। सरकार ने एनपीएस कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते केंद्र उनके वेतन-पेंशन और भत्तों को केंद्र के समान कर दिया था।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोकने वालों को महिलाएं सिखाएंगी सबक: कमल

सभा में भारी संख्या में महिलाओं ने लिया हिस्सा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

शाहपुर। भाजपा के नेता कमल शर्मा ने रविवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के बीच पहुंचकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर हुंकार भरी।

उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर इस ऐतिहासिक विधेयक को बाधित करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने देश की आधी आबादी के हक को दबाने की कोशिश की है। कमल शर्मा ने महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प महिलाओं को उनका वाजिब हक दिलाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने हमेशा महिला शक्ति का विरोध किया है, लेकिन मोदी सरकार इस लड़ाई को अंतिम मुकाम तक लेकर जाएगी।' शाहपुर में आयोजित इस सभा में भारी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने हिस्सा लिया और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया। कमल ने महिला-विरोधी कांग्रेस का नारा देते हुए कहा कि जो लोग संसद में महिलाओं को आरक्षण देने के खिलाफ खड़े थे, उन्हें आने वाले समय में जनता जवाब देगी।

श्री अमरनाथ यात्रा से पहले रावी पुल से दौड़ेंगीं ट्रेनें

अनंत ज्ञान, अशोक ठाकुर, पठानकोट। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल के तहत रावी पुल संख्या 17 पर बंद रेल यातायात को जल्द बहाल करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। अगस्त 2025 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त होने के बाद से इस महत्वपूर्ण पुल पर ट्रेनों की आवाजाही बंद है, जिससे कई प्रमुख रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। पुल के एक पिलर के रावी नदी में खिसक जाने के कारण ट्रेनों को आंशिक रूप से अन्य मार्गों या स्टेशनों तक सीमित करना पड़ा, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस और जम्मू मेल जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी शामिल हैं। आगामी 3 जुलाई से शुरू होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा को देखते हुए मरम्मत कार्य को युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) विवेक कुमार, कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) दिनेश चंद देशवाल और यूएसबीआरएल परियोजना के अधिकारियों की टीम ने लगातार निरीक्षण किया है।

निरीक्षण के दौरान पुल की नींव, स्तंभों, ट्रैक संरचना, सिग्नलिंग सिस्टम और सुरक्षा उपकरणों की गहन जांच की गई। इस दौरान अधिकारियों ने पुल संख्या-17 की नींव और स्तंभों की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण किया।अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरे किए जाएं, ताकि अमरनाथ यात्रा से पहले रेल यातायात बहाल हो सके।

लॉरिएट पब्लिक स्कूल में जिला वुशू प्रतियोगिता का किया आयोजन

आशीष कोहली ने नवाजे विजेता

लॉरिएट स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. मीरा सिंह ने विद्यार्थियों को खेलों के प्रति किया प्रेरित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ज्वालामुखी। लॉरिएट पब्लिक स्कूल में जिला वुशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राज्य वुशू संघ के अध्यक्ष पीएन आजाद, जिला शिमला वुशू संघ, महासचिव डॉ. मीरा सिंह, जिला वुशू संघ तथा अध्यक्ष डॉ. रण सिंह के मार्गदर्शन में चौथी जिलास्तरीय वुशू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन पीएन आजाद न रिबन काटकर किया।

मुख्य अतिथि के रूप में आशीष कोहली (डायरेक्टर ऑफ स्कूल एजुकेशन) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मनीषा कोहली (प्रधानाचार्या, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सोलन) उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें अंडर-12, अंडर-14, अंडर-16, अंडर-17 तथा अंडर-19 शामिल रहे। समूह प्रतियोगिताओं में ताईची, तेजीक्वान, ताइजीक्वान, ताईजीशान, ननक्वान, नंदाओ, जियानशु एवं चांगक्वान जैसी विधाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लॉरिएट स्कूल के वंश कुमार, स्निग्धा लोहिया, आदेश कुमार तथा संस्कृति लोहिया के साथ-साथ कॉलेज की छात्रा साक्षी ठाकुर ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। रूद्र, स्नेहा, सरस, अनग तथा वाणी ने रजत पदक जीते, जबकि यशवी, राहुल एवं अनुकरण ने कांस्य पदक हासिल किए। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि की ओर से विजेताओं को पदक वितरित किए गए। लॉरिएट पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. मीरा सिंह ने विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

केंद्रीय संस्कृत विवि बलाहर कैंपस में 100 युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर बलाहर (गरली) में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर स्पोर्ट्स (क्रीड़ा) विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। हेल्थ एंड फिजिकल फिटनेस असेसमेंट विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 100 प्रतिभागियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण और फिटनेस के आधुनिक तरीकों की जानकारी हासिल की। कार्यशाला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी के मार्गदर्शन तथा परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के पर्यवेक्षण में आयोजित हुई। कार्यक्रम का सफल संचालन यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर बलाहर के निदेशक (प्रभार) डॉ. गौतम चौधरी ने किया। प्रतिभागियों को शारीरिक क्षमता, स्वास्थ्य मानकों और फिटनेस से जुड़े विभिन्न परीक्षणों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। युवाओं में जोश और उत्साह देखने लायक रहा। आयोजन में स्पोर्ट्स प्रतिभागियों ने भी अहम भूमिका निभाई, जिसकी सराहना की गई। यह कार्यशाला केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, खेलों से जुडने और फिटनेस के प्रति जागरूक करने का सशक्त अभियान साबित हुई। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। बलाहर कैंपस में फिटनेस का यह बिगुल अब युवाओं के लिए नई प्रेरणा बन गया है।

27 देशों में गूंजा लोकतंत्र: तिब्बती निर्वासित संसद चुनाव में भारी उत्साह

18वीं तिब्बत निर्वासित संसद के चुनाव के अंतिम चरण का मतदान हुआ। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। 18वीं तिब्बत निर्वासित संसद के चुनाव का दूसरा एवं अंतिम चरण का मतदान रविवार को सुबह 9 बजे शुरू हुआ। इस चुनाव प्रक्रिया में दुनिया के 27 देशों में बसे तिब्बती समुदाय के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत किया।

निर्वासित सरकार के मुख्यालय धर्मशाला में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहां तिब्बती समुदाय के लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जुटे रहे।

निर्वासित तिब्बतियों का कहना है कि यह चुनाव चीन के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि वे तिब्बत के मुद्दे से पीछे नहीं हटे हैं और उनका संघर्ष लगातार जारी है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के मुख्य चुनाव आयुक्त लोबसांग येशी ने बताया कि चुनावों के सफल संचालन के लिए 27 देशों में 58 क्षेत्रीय चुनाव आयुक्त नियुक्त किए गए थे। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के लिए लगभग 91 हजार मतदाता पंजीकृत हुए हैं। चीन द्वारा चुनावों के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि चीन इन चुनावों को अवैध बताने की कोशिश करता है, जबकि तिब्बती समुदाय अपनी निर्वासित सरकार को ही वैध मानता है और सीटीए के माध्यम से उनका लोकतांत्रिक संघर्ष निरंतर जारी है।

भरमौर के अनिल शर्मा ने प्राप्त की डॉक्टर की उपाधि

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। चंबा जिले के भरमौर उपमंडल के दुर्गम कुगती क्षेत्र से संबंध रखने वाले अनिल शर्मा ने बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। अनिल कुमार ने अपने शोध प्रबंध की मौखिकी परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और युवाओं के लिए यह प्रेरणा का स्रोत बनी है। अनिल शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, मार्गदर्शकों, परिवारजनों और मित्रों को दिया है, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से यह शोध यात्रा सफल हो सकी। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है। दुर्गम क्षेत्र से निकलकर उच्च शिक्षा में यह उपलब्धि प्राप्त करना न केवल उनके परिवार के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे कुगती क्षेत्र के लिए भी सम्मानजनक क्षण है।

एचपीसीए पहुंची इंद्रुनाग देवता के दरबार मैचों की सफलता के लिए की पूजा-अर्चना

मई में तीन आईपीएल और जून में खेला जाएगा अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मैच

अनंत ज्ञान

हवन कर भगवान इंद्रुनाग का प्राप्त किया आशीर्वाद। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम मई में होने वाले तीन आईपीएल मैचों सहित जून में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की सफलता के लिए एचपीसीए रविवार को भगवान इंद्रुनाग देवता के दरबार पहुंची। एचपीसीए पदाधिकारियों ने इंद्रुनाग देवता के मंदिर में पूजा-अर्चना व हवन करके भगवान इंद्रुनाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त किया और मैचों की सफलता की कामना की।

आईपीएल मैचों को लेकर एचपीसीए ने तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसके तहत जिला व पुलिस प्रशासन के साथ बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। एचपीसीए सचिव मनुज शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एचपीसीए पदाधिकारी आईपीएल सहित जून में होने वाले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की सफलता के लिए भगवान इंद्रुनाग देवता के दरबार पहुंची है। मैच की तैयारियों का दौर शुरू हो चुका है, जिन्हें समय रहते पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैचों से धर्मशाला के पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। दर्शकों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि 11, 14 व 17 मई को आईपीएल मैचों के उपरांत धर्मशाला स्टेडियम में 14 जून को भारत और अफगानिस्तान के मध्य एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेला जाएगा। इस अवसर पर एचपीसीए के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया।

भगवान इंद्रुनाग देवता मंदिर के पुजारी विपन ने बताया कि मंदिर में लोग अपनी नई फसल चढ़ाने, शादी समारोह व अन्य आयोजनों से पहले इंद्रुनाग देवता का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। भगवान इंद्रुनाग को बारिश का देवता कहा जाता है, ऐसे में मैचों के दौरान बारिश का खलल न पड़े, उसके लिए एचपीसीए लंबे समय से इंद्रुनाग देवता के मंदिर में आती है, जिसका क्रम आज भी जारी है।

सरकार की कार्यप्रणाली निर्णयहीन शासन और वित्तीय अराजकता का जीवंत उदाहरण: कल्याण भंडारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश के चतुर्थ श्रेणी पेंशनर्स के साथ प्रदेश सरकार का व्यवहार अब केवल वित्तीय देरी नहीं, बल्कि प्रशासनिक क्रूरता का पर्याय बन चुका है। पेंशनर्स ज्वॉइंट फ्रंट ने जारी बयान में सरकार की कार्यप्रणाली को निर्णयहीन शासन और वित्तीय अराजकता का जीवंत उदाहरण करार दिया है। अधिसूचनाओं का छल, जमीन पर शून्य और कागजों में सब चंगा का जिक्र कर फ्रंट के पदाधिकारियों ने सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि 27 जनवरी 2026 को जारी अधिसूचना के मुताबिक जिसमें ग्रेच्युटी 50 फीसदी और लीव इनकैशमेंट के 70 फीसदी के भुगतान का वादा था जो महज एक छलावा साबित हुई है। अधिसूचना के तीन महीने बाद भी पेंशनर्स की झोली खाली है। राज्य के कोषागारों ने अधिसूचना को रद्दी का टुकड़ा मानते हुए बिलों को स्वीकार करने तक से मना कर दिया। जब पिछला भुगतान ही नहीं हुआ, तो 25 अप्रैल 2026 को शेष 30 फीसदी भुगतान की नई अधिसूचना जारी करना जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। पेंशनर्स ज्वॉइंट फ्रंट ने मुख्यमंत्री से इस संदर्भ में स्वयं संज्ञान लेने की मांग रखकर उनसे जनवरी और अप्रैल की अधिसूचना के तहत लंबित शेष पाई-पाई का तुरंत प्रभाव से भुगतान व जिन अधिकारियों या कोषागारों ने बिलों को रोका, उन पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की अपेक्षा की है।

अनदेखी परागपुर का अधूरा सपना: देश का पहला धरोहर गांव तरस रहा संग्रहालय के लिए

23 साल बाद भी म्यूजियम सिर्फ शिलान्यास तक सीमित

अनंत ज्ञान

प्रवेश शर्मा, परागपुर। देश का पहला घोषित धरोहर गांव, अपनी समृद्ध विरासत के साथ एक अधूरे वादे का दर्द भी ढो रहा है। 13 जनवरी 2003 को लोहड़ी के भव्य समारोह में तत्कालीन केंद्रीय पर्यटन सचिव राठी झा ने म्यूजियम का शिलान्यास किया था। केंद्र सरकार ने इसके लिए 25 लाख रुपए मंजूर किए थे, मगर 23 साल बाद भी उस सपने की निशानी केवल एक जंग खाती शिलान्यास पट्टिका है, जो सरकारी लापरवाही का मूक उपहास करती है।

परागपुर की प्राचीन हवेलियां, नक्काशीदार दरवाजे और ऐतिहासिक गलियां पर्यटकों को बुलाती हैं।यह म्यूजियम इन धरोहरों को सहेजकर पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता था। स्थानीय निवासी गुस्से में कहते हैं, 25 लाख रुपये गए कहां? न म्यूजियम, न जवाब और, यह पट्टिका हमें ताने मारती है। इस म्यूजियम के बनने से परागपुर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमक सकता था, रोजगार बढ़ते और संस्कृति संरक्षित होती। मगर सरकार की उदासीनता ने यह स्वप्न कुचल दिया। ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि उसी स्थान पर निर्माण शुरू हो। फिर भी सवाल है कि क्या सरकार अब भी चुप रहेगी, या परागपुर के गौरव को लौटाएगी?

म्यूजियम की शिलान्यास पट्टिका। अनंत ज्ञान

जल्द किया जाए म्यूजियम का निर्माण: सुशील

स्थानीय निवासी सुशील शर्मा ने कहा कि हमें गर्व था कि हमारा गांव देश का पहला धरोहर गांव बना है, लेकिन बीते 23 वर्षों में सरकार ने बस एक शिलान्यास की पट्टिका छोड़ दी है। केंद्र सरकार ने जिस नेक उद्देश्य से धन दिया था, वो अभी तक अधूरा है। हमारी मांग है कि परागपुर में म्यूजियम का निर्माण शीघ्र हो, ताकि हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी देख सके।

गौरव को बनाए रखने में सरकारें गंभीर नहीं: हंसराज

स्थानीय निवासी हंसराज शर्मा ने कहा कि यह शर्मनाक है कि एक ऐतिहासिक गांव को मिले गौरव को बनाए रखने के लिए सरकारें गंभीर नहीं हैं। केंद्र सरकार ने 2003 में धन स्वीकृत किया था, लेकिन म्यूजियम आज तक सपना बना हुआ है। हम मांग करते हैं कि शिलान्यास स्थल पर ही जल्द म्यूजियम बनाया जाए ताकि परागपुर की पहचान को संरक्षित किया जा सके।

विरासत को दर्शाने के लिए म्यूजियम जरूरी : शाह

युवा विकास मंडल परागपुर के संयोजक शिव शाह ने कहा कि परागपुर की विरासत को दर्शाने के लिए म्यूजियम आवश्यक है। हमने कई बार सरकार और प्रशासन से आग्रह किया है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। अब जनता में रोष बढ़ रहा है।मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि जिस धन का शिलान्यास 2003 में हुआ था, उसी उद्देश्य की पूर्ति करते हुए म्यूजियम निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाया जाए।

परागपुर में किसी म्यूजियम के निर्माण की कोई जानकारी हमारे आधिकारिक अभिलेखों में उपलब्ध नहीं है। वास्तव में जब आपने इस विषय का उल्लेख किया, तभी हमें ज्ञात हुआ कि परागपुर में कोई म्यूजियम प्रस्तावित था।

-विनय धीमान, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, धर्मशाला।

मदन जीत संभालेंगे मिशन सदवा स्कूल का जिम्मा

अनंत ज्ञान, गरली। शिक्षा खंड रक्कड़ के अंतर्गत क्लस्टर कलोहा की राजकीय प्राथमिक पाठशाला सदवा जो पिछले नौ महीनों से स्थायी अध्यापक के बिना किसी तरह संचालित हो रही थी, अब फिर से सक्रिय होने की उम्मीद जगा रही है। इस दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या घटकर 10 से भी कम रह गई थी, जिससे स्कूल बंद होने की आशंका बढ़ गई थी। स्कूल को बचाने के लिए केंद्र मुख्य शिक्षक विशन दास ने लगातार प्रयास किए और स्कूल प्रबंधन समिति की बैठकें आयोजित कर स्थिति को संभालने की कोशिश की। अंततः राजकीय प्राथमिक पाठशाला सलेटी से अनुभवी शिक्षक मदन जीत को यहां मुख्याध्यापक के रूप में तैनात किया गया। मदन जीत ने सिंगापुर से आधुनिक शिक्षा प्रशिक्षण प्राप्त किया है और दिव्यांग बच्चों के क्षेत्र में 18 वर्षों का अनुभव रखते हैं। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही नामांकन बढ़ाने और शिक्षा स्तर सुधारने के लिए विशेष अभियान शुरू करेंगे। उनके आगमन पर शिक्षा विभाग, शिक्षक संघ और स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है।

शांतल में 69 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

भारद्वाज मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल अरला की ओर से शिविर आयोजित किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। हिमाचल डायबिटीज स्ट्रोक सोसायटी के सहयोग से भारद्वाज मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल अरला की ओर से शांतल मंदिर परिसर के समीप रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में क्षेत्र के लोगों के लिए निशुल्क मधुमेह परीक्षण के साथ-साथ अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। यह स्वास्थ्य शिविर हिमाचल डायबिटीज स्ट्रोक सोसायटी की अध्यक्षा मेडम राधिका शर्मा के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशों में आयोजित किया गया। शिविर में अस्पताल की अनुभवी एवं विशेषज्ञ मेडिकल टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए कुल 69 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस निशुल्क सेवा का लाभ उठाया। क्षेत्रवासियों ने अस्पताल प्रबंधन के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रेम भारद्वाज ने कहा कि भविष्य में भी ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों में इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि आम जनता को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें।

धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों में एचआरटीसी की चलेंगी शटल बसें

पार्किंग स्थलों से दर्शकों को स्टेडियम तक पहुंचाएगी एचआरटीसी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 11, 14 और 17 मई को होने वाले आईपीएल मैचों के दौरान क्रिकेट प्रेमियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, उसके लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।

मैचों के दौरान दर्शकों की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए पार्किंग स्थलों से स्टेडियम तक एचआरटीसी की शटल बसें चलाई जाएंगी। आईपीएल मैचों के दौरान स्टेडियम के आसपास वाहनों की भारी भीड़ और जाम की समस्या से निपटने के लिए एचपीसीए ने यह योजना तैयार की है। इस शटल सेवा का मुख्य उद्देश्य दर्शकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों से स्टेडियम के प्रवेश द्वारों तक सुरक्षित और आसानी से पहुंचाना है। एचपीसीए की ओर से इस संबंध में एचआरटीसी प्रबंधन से विशेष बसों की मांग की जाएगी। इस पहल से न केवल शहर की सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, बल्कि दर्शकों को स्टेडियम तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करने की परेशानी से भी निजात मिलेगी।

एचपीसीए सचिव बोले- मैचों के दौरान दर्शकों की सुविधा हमारी प्राथमिकता

एचपीसीए सचिव मनुज शर्मा ने कहा कि मैचों के दौरान दर्शकों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है। भारी भीड़ के चलते पार्किंग से स्टेडियम तक पहुंचना चुनौती न बने, इसके लिए हमने एचआरटीसी से शटल बसों के प्रबंध करने का निर्णय लिया है। एचआरटीसी को बसों की मांग भेज रहे हैं, ताकि मैचों वाले दिन दर्शकों को सुचारु परिवहन सुविधा मिल सके और वे बिना किसी परेशानी के मैच का आनंद ले सकें।

"**एचपीसीए** की ओर से शटल बसों के लिए हमें मांग प्राप्त हो गई है। विभाग की ओर से मैचों के दौरान दर्शकों की सुविधा के लिए बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही, व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए एक इंस्पेक्टर भी तैनात रहेगा, ताकि मैच देखने आए लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। हमारी योजना के तहत दर्शकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों से पिक करके सीधे स्टेडियम तक छोड़ा जाएगा।

-पंकज चड्ढा, डीएम, एचआरटीसी धर्मशाला डिवीजन

सिसमिक जोन छह में है धर्मशाला नहीं बढ़ेगी स्टेडियम कैपेसिटी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला की कैपेसिटी बढ़ाने की अटकलों पर विराम लग गया है। एचपीसीए सचिव ने स्पष्ट किया कि धर्मशाला सिसमिक जोन 6 में है, ऐसे में अभी ऐसा कोई विचार नहीं है। आपको बता दें एचपीसीए की नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही स्टेडियम की कैपेसिटी बढ़ाने की बात सामने आई थी। नवनिर्वाचित प्रतिनिधि ने धर्मशाला में होने वाले आगामी मैचों से पहले कैपेसिटी बढ़ाने की बात कही थी, लेकिन अब ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। गौरतलब है कि धर्मशाला स्टेडियम की कैपेसिटी वर्तमान में 20 हजार के करीब है। धर्मशाला में होने वाले क्रिकेट मैचों को देखने के लिए देश के विभिन्न राज्यों सहित विदेशों से भी क्रिकेट प्रेमी पहुंचते हैं।

◆ **नई कार्यकारिणी गठन के साथ ही उठी थी विस्तार की बात**

उधर, एचपीसीए सचिव मनुज शर्मा ने कहा कि अभी धर्मशाला स्टेडियम की सिटिंग कैपेसिटी बढ़ाने की दिशा में एचपीसीए नहीं बढ़ रहा है। वर्तमान में स्टेडियम की कैपेसिटी 20 हजार के करीब है। कैपेसिटी बढ़ाने की दिशा में अभी वर्कआउट किया जा रहा है। धर्मशाला क्षेत्र सिसमिक जोन 6 में आता है, ऐसे में कैपेसिटी बढ़ाने के संबंध में इसकी ड्राइंग, स्ट्रक्चर सहित अन्य चीजों को जांचने के बाद ही आगे बढ़ा जाएगा, लेकिन फिलवक्त कैपेसिटी बढ़ाने की दिशा में कोई कार्य नहीं किया जा रहा है।

धौलाधार की जालसू पहाड़ियों में फंसे दो पैराग्लाइडर पायलट किए रेस्क्यू

अनंत ज्ञान, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध बीड़-बिलिंग घाटी से उड़ान भरने के बाद दो पैराग्लाइडर पायलट धौलाधार की जालसू पहाड़ियों में फंस गए। जानकारी के अनुसार, राजस्थान के पायलट अरुण और गुजरात के पायलट राजन, जो लंबे समय से घाटी में सोलो पायलट के रूप में उड़ान भर रहे थे, ने प्रशासन से विधिवत अनुमति लेकर रविवार सुबह सामान्य दिनचर्या के तहत उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान अचानक मौसम खराब हो गया, जिसके चलते दोनों पायलटों को जालसू क्षेत्र में क्रैश लैंडिंग करनी पड़ी। हादसे में अरुण के हाथ में चोट आई, जबकि राजन की पीठ और रीढ़ की हड्डी में चोट लगने की सूचना है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम संकल्प गौतम ने तुरंत उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बेरवा से संपर्क कर स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वायुसेना की मदद ली। वायुसेना के हेलिकॉप्टर ने मौके पर पहुंचकर दोनों पायलटों का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उन्हें बीड़-बिलिंग लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार देने के बाद दोनों घायलों को टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। राहत की बात यह है कि दोनों पायलटों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

हैप्पी बर्थडे

सुंदरनगर के हनेटी की परिधि शर्मा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

नई जोड़ी

फतेहपुर के वराह गांव के साहिल और गुगलाड़ा की साक्षी को परिणय सूत्र में बंधने पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

अंकित कौंडल एवं आदित्य ठाकुर ने किया उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम में 22 से 26 अप्रैल तक विकासार्थ विद्यार्थी की ओर से पांच दिवसीय राष्ट्रीय पर्यावरण नेतृत्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से चयनित लगभग 60 युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों का चयन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके सक्रिय योगदान, जागरूकता अभियानों एवं सामाजिक सहभागिता के आधार पर किया गया था। कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के छात्र अंकित कौंडल एवं आदित्य ठाकुर ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व किया और पर्यावरणीय मुद्दों पर अपने विचार प्रभावी रूप से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को काज़ीरंगा के समृद्ध वन्यजीवों, विशेषकर एक-सींग वाले गैंडे, विविध पक्षी प्रजातियों तथा जैव विविधता संरक्षण के महत्व के बारे में विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही जंगल सफारी, प्रकृति भ्रमण (ट्रेकिंग) एवं अन्य साहसिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को प्रकृति के साथ प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

धर्मशाला पुलिस मैदान में फुटबॉल गोल्ड कप का रोमांच आज से

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। स्पोर्ट्स सिटी धर्मशाला का पुलिस मैदान एक बार फिर फुटबॉल के रोमांच का गवाह बनने जा रहा है। सोमवार से तीन मई तक अखिल भारतीय शहीद मेजर दुर्गा मल एवं कैप्टन दल बहादुर थापा मेमोरियल गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का 38वां संस्करण आयोजित किया जाएगा।

◆ **देशभर की 14 टीमें लेंगी टूर्नामेंट में हिस्सा**

टूर्नामेंट में देशभर की 14 प्रमुख टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें भारतीय सेना की टीमें भी शामिल होंगी। यह प्रतियोगिता अपने उच्च स्तर के खेल और कड़े मुकाबलों के लिए जानी जाती है, जिसमें हर साल बेहतरीन प्रतिभाएं उभरकर सामने आती हैं। आयोजन समिति की ओर से मैदान और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और दर्शकों को भी किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह गोल्ड कप टूर्नामेंट अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ और हिमाचल प्रदेश फुटबॉल संघ से संबद्ध है, जिससे इसकी प्रतिष्ठा और भी बढ़ जाती है। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों को तेज, रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जो खेल प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होंगे। बता दें कि टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला तीन मई को खेला जाएगा, जिसके साथ इस खेल महोत्सव का भव्य समापन होगा। विजेता टीम को आकर्षक ट्रॉफी और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति ने स्थानीय लोगों, खेल प्रेमियों और युवाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पुलिस मैदान धर्मशाला में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और इस फुटबाल महाकुंभ को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आयोजन समिति के अध्यक्ष पालम जंग प्रधान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और देशभक्ति की भावना को भी मजबूत करता है। यही कारण है कि इस आयोजन में हर वर्ष खिलाड़ियों की भागीदारी और दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

हरनोटा पंचायत में गैस वितरण व्यवस्था को लेकर लोगों में रोष

महिलाएं 1 किलोमीटर दूर से सिलेंडर ढोने को मजबूर, सड़कों पर उतरने की दी चेतावनी

अनंत ज्ञान

कोटला। जवाली विधानसभा क्षेत्र की हरनोटा पंचायत में गैस वितरण व्यवस्था को लेकर लोगों में भारी रोष है। स्थानीय निवासियों, विशेषकर महिलाओं का आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण उन्हें गैस सिलेंडर लेने के लिए लगभग एक किलोमीटर तक सिर पर सिलेंडर उठाकर जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि गैस वितरण वाहन हर वार्ड में रुकने के बजाय एक ही स्थान पर खड़ा हो जाता है, जिसके चलते दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों को वहां तक पहुंचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। भीषण गर्मी के बीच रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति में देरी ने उपभोक्ताओं, विशेषकर महिलाओं के लिए स्थिति को और अधिक कठिन बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह व्यवस्था नहीं बल्कि मजबूरी बन चुकी है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है। इस बीच भारत गैस एजेंसी जवाली के मैनेजर प्रेम सिंह ने स्पष्ट किया कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार 45 दिन की बुकिंग अवधि के बाद ही सिलेंडर उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अधिक भीड़ के कारण कुछ दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन इन्हें सुधारने के प्रयास जारी हैं।

उन्होंने बताया कि स्टाफ को निर्देश दिए जाएंगे कि वितरण के दौरान उपभोक्ताओं से बेहतर समन्वय स्थापित कर उन्हें उनके स्थान पर ही सुविधा प्रदान की जाए। प्रेम सिंह ने लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और संयम बनाए रखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारु बनाया जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

हरनोटा पंचायत में गैस वितरण व्यवस्था को लेकर रोष जताते लोग। अनंत ज्ञान

भर्ती व सेवा शर्तें कानून पर हाईकोर्ट का फैसला सुक्खू सरकार को करारा तमाचा : बिक्रम ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक बिक्रम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की ओर से भर्ती एवं सेवा शर्ते कानून को निरस्त किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सुक्खू सरकार की असंवैधानिक, तुगलकी और कर्मचारी विरोधी नीतियों की सच्चाई को उजागर करता है।

बिक्रम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने शुरुआत से ही इस कानून के माध्यम से कर्मचारियों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया। उनके अनुसार, सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों की सेवा शर्तों में मनमाने बदलाव कर उनकी वरिष्ठता, वेतनवृद्धि और अन्य लाभों को सीमित करना था। उन्होंने विशेष रूप से कानून के पैरा-6 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें केवल नियमित कर्मचारियों को ही सभी लाभ देने का प्रावधान था, जबकि कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को इन अधिकारों से पूरी तरह वंचित रखा गया। उन्होंने आगे कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह थी कि यदि किसी कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी को पहले कोई लाभ दिया गया हो, तो उसे भी वापस लेने का प्रावधान किया गया था, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण और अमानवीय है। इस भेदभावपूर्ण नीति के विरोध में प्रदेश के हजारों कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों ने न्यायालय की शरण ली और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उच्च न्यायालय के इस फैसले को उन्होंने कर्मचारियों के संघर्ष की जीत बताया। उनका कहना है कि न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों को न्याय देना नहीं, बल्कि उनके अधिकारों को सीमित करना था।

यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के हित में है, बल्कि शासन की नीतियों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। बिक्रम ठाकुर ने दोहराया कि भाजपा हमेशा से कर्मचारियों के अधिकारों के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और यदि जरूरत पड़ी तो पार्टी सड़कों से लेकर सदन तक आवाज उठाएगी।

भाजपा व 'आप', एक-दूसरे की बी टीम : परगट सिंह

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। बीजेपी और आम आदमी पार्टी एक दूसरे की बी टीम ही हैं। आम आदमी पार्टी के सांसदों के भाजपा में जाने पर यह तीखी प्रतिक्रिया पंजाब से कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने कांगड़ा में आयोजित किए जा रहे अधिवेशन में शिरकत करने के दौरान मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में व्यक्त की। पंजाब से कांग्रेस नेता परगट सिंह ने कहा कि पंजाब में पहले सिक्योरिटी पुलिस और पुलिस इंटेलीजेंस के जरिए दी जाती थी, लेकिन जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आई है, तब से इसको पॉलिटिकलाइज कर दिया गया है। आम आदमी पार्टी द्वारा सिक्योरिटी को विड्रा भी किया जाता है, साथ ही पब्लिसाइज भी किया जाता है, जिन्हें यह सिक्योरिटी मिली हो, उनके लिए बहुत बड़ा थ्रेट है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी पंजाब में हरभजन सिंह की सिक्योरिटी को पंजाब में विड्रा किया गया, वहीं भाजपा ने सिक्योरिटी दे दी, जो कि सिस्टम का एक तरह से राजनीतिकरण है। ऐसा लगता है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी यही दिखाना चाहती हैं कि यह दोनों पार्टियां ही पंजाब में काम कर रही हैं और कांग्रेस शायद इसमें नहीं है।

◆ **आरोप, पंजाब में आप ने सिक्योरिटी का कर दिया पॉलिटिकलाइजेशन**

◆ **'आप' की ओर से सिक्योरिटी विड्रा करना व भाजपा से सिक्योरिटी देना सिस्टम का राजनीतिकरण**

परमाणु से पवन ऊर्जा तक भारत की ताकत का प्रदर्शन मन की बात बना प्रेरणा का सबसे बड़ा मंच : परमार

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक विपिन सिंह परमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें एपिसोड की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आज देशवासियों के लिए प्रेरणा, जागरूकता और सकारात्मक सोच का एक सशक्त मंच बन चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिस प्रकार सामान्य नागरिकों, वैज्ञानिकों और देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा भारत के नागरिक परमाणु कार्यक्रम का उल्लेख करना और हमारे वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को देश के सामने रखना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने तमिलनाडु के कलपक्कम में स्वदेशी तकनीक से निर्मित 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' द्वारा 'क्रिटिकलिटी' हासिल करने को भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प की ठोस अभिव्यक्ति है, जो आने वाले समय में ऊर्जा सुरक्षा और विकास की नई संभावनाएं खोलेगी। उन्होंने बताया कि सुलह विधानसभा क्षेत्र में आयोजित ऐतिहासिक गढ़ कडाऊ छिंज मेला में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जहां क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक कुश्ती (छिंज) और जनसहभागिता का अद्भुत संगम देखने को मिला। परमार ने मेले के सौंदर्यकरण के लिए 5,00,000 रुपए की राशि देने की घोषणा की, साथ ही मेला कमेटी को 31,000 रुपए का सहयोग भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों को सशक्त बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है, ताकि हमारी सांस्कृतिक विरासत और भी भव्य रूप में आगे बढ़ सके। परमार ने कहा कि मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

गढ़ कडाऊ छिंज मेले में परमार ने की मुख्य अतिथि शिरकत। अनंत ज्ञान

पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेल सेवा को लेकर एक बार फिर आवाज की बुलंद

सांसद अनुराग शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री को लिखा पत्र, ट्रेनें शुरू करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

बैजनाथ। हिमाचल प्रदेश के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेल सेवा को लेकर एक बार फिर आवाज बुलंद हुई है। राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर इस रेल मार्ग पर ट्रेनों का संचालन शीघ्र सुचारु रूप से शुरू करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यह रेल लाइन प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों और पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंचने का महत्वपूर्ण साधन है और इसके ठप होने से पर्यटन के साथ-साथ आम लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में अनुराग शर्मा ने पठानकोट रेलवे स्टेशन को डलहौजी रोड की ओर शिफ्ट करने की चर्चाओं पर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि

◆ **पठानकोट स्टेशन शिफ्टिंग पर उठाए सवाल**

सोशल मीडिया और समाचारों में यह चर्चा है कि भाजपा सांसद एवं रेल राज्य मंत्री रविंद्र सिंह बिट्टू की ओर से स्टेशन को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि पठानकोट स्टेशन कांगड़ा घाटी रेलवे का मुख्य केंद्र रहा है और दशकों से इस रूट की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता आया है। ऐसे में स्टेशन को हटाना इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग को कमजोर करने जैसा होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जनता की राय के बिना स्टेशन को शिफ्ट किया गया तो यह लोगों के साथ विश्वासघात होगा। उन्होंने कहा कि पठानकोट स्टेशन वर्षों से हिमाचल के लोगों के लिए दिल्ली, पंजाब और अन्य राज्यों तक पहुंचने का सबसे सुविधाजनक केंद्र रहा है। यदि इसे डलहौजी रोड स्थानांतरित किया जाता है तो खासकर रात के समय यात्रियों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे उन्हें टैक्सी या निजी वाहनों पर निर्भर होना पड़ेगा और परेशानी बढ़ेगी। ट्रैफिक जाम की समस्या का जिक्र करते हुए अनुराग शर्मा ने कहा कि यदि रेलवे फाटकों के कारण जाम की स्थिति बनती है तो इसका समाधान स्टेशन को शिफ्ट करना नहीं, बल्कि फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण करना है।

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल रेलवे से जुड़ा नहीं है, बल्कि हिमाचल प्रदेश की जनता के सम्मान, अधिकार और सुविधाओं से भी संबंधित है। यदि इस प्रकार का निर्णय लागू किया गया तो जनता में व्यापक रोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि इस विषय को भी जल्द ही केंद्रीय रेल मंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा।

डरोह, पीटीसी डरोह बस्केहड़ गांवों में कल बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान, डरोह। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 28 अप्रैल को 11 केवी डरोह फीडर की आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के चलते विद्युत उपमंडल डरोह के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में डरोह, पीटीसी डरोह, बस्केहर, अटियालादाई, रडा, मंडप, कुरल, मट, मलोग, मरहूं, भेडू ब्लॉक कार्यालय, देवी, नौरा केदार, भोडा, जैंद, खडूल तथा बमियाल सहित आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। यह कार्य सुबह 9 बजे से शुरू होकर कार्य पूर्ण होने तक जारी रहेगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि इस दौरान मौसम खराब रहता है, तो मरम्मत कार्य को अगले दिन के लिए स्थगित किया जा सकता है। इंजीनियर सुभाष कुमार ने बताया कि यह कार्य बिजली व्यवस्था को बेहतर और सुचारु बनाए रखने के लिए जरूरी है। उन्होंने जनता से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है, ताकि कार्य समय पर और सुरक्षित ढंग से पूरा किया जा सके।

दौरा नगर निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के नेताओं का कांगड़ा की ओर रुख, 30 को राहुल भी आएंगे

केसी वेणुगोपाल और रजनी पाटिल पहुंचे धर्मशाला

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल में नगर निकाय चुनावों से पहले कांग्रेस के बड़े नेताओं ने सबसे बड़े जिला कांगड़ा का रुख करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल व कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रजनी पाटिल धर्मशाला पहुंचे।

वहीं, 30 अप्रैल को कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कांगड़ा आ रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कांगड़ा में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में शामिल हो रहे युवा नेताओं को पार्टी को मजबूत करने के टिप्स भी दे रहे हैं। प्रदेश में नगर निकाय चुनावों का ऐलान हो चुका है, जबकि पंचायतीराज चुनावों की तिथियों का ऐलान होना अभी बाकी है।

संगठन सृजन अभियान के तहत कांगड़ा में आयोजित जम्मू-कश्मीर, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर के राजनीतिक मायने भाजपा के चुस्त-दुरुस्त संगठन के आगे कांग्रेसी संगठन को चुनौती पेश करना भी माना जा रहा है। विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल होने का दावा करने वाली भाजपा का देश सहित प्रदेश में भी मजबूत संगठन है। वहीं, सियासी पाठ के बहाने अपने बड़े नेताओं को हिमाचल में कांग्रेस, नगर निकाय तथा पंचायती चुनावों से पहले जिलों के युवा नेताओं को मजबूत कर रही है।

रविवार को बड़े नेताओं में शुमार केसी वेणुगोपाल तथा रजनी पाटिल भी धर्मशाला पहुंचे। धर्मशाला पहुंचने पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राज्यसभा सांसद केसी वेणुगोपाल एक होटल में पहुंचे तथा इसके बाद होटल से निकलने के बाद उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक भी की। जानकारी के अनुसार वेणुगोपाल कांग्रेस के कांगड़ा में चल रहे राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने धर्मशाला पहुंचे हैं। सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल धर्मशाला में ही रात्रि ठहराव करेंगे। इसके बाद वो सोमवार को प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। इसके अलावा कांग्रेस नेत्री रजनी पाटिल भी धर्मशाला पहुंचीं। इससे एक दिन पहले प्रदेश के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री भी शिविर में शिरकत कर चुके हैं। वहीं, संसद में नेता प्रतिपक्ष तथा सांसद राहुल गांधी के प्रवास के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शिविर में ऊर्जा भरेंगे। इसके अलावा कद्दावर कांग्रेस नेताओं में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, सचिन राव, दिव्या मदेरणा तथा राजा वड़िंग शामिल हैं। उधर, वेणुगोपाल के हेलिकॉप्टर से साईं मैदान पहुंचने पर उनके स्वागत के लिए, रजनी पाटिल की अगुवाई में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, विधायक आरएस बाली, सीएम के आईटी सलाहकार गोकुल बुटेल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर राजेश शर्मा तथा एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा मौजूद रहे।

साईं मैदान में रजनी पाटिल की अगुवाई में वेणुगोपाल का किया स्वागत। अनंत ज्ञान

बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में भीषण गर्मी में उमड़ा आस्था का सैलाब

30 हजार श्रद्धालुओं ने किए गुफा के दर्शन, बाबा जी के जयकारों से गूंजा पूरा क्षेत्र

◆ सुबह से लेकर शाम तक मंदिर परिसर में लगी रही लंबी-लंबी कतारें

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर में रविवार को भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लगभग 35 डिग्री तापमान के बीच हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में शीश नवाकर पूजा-अर्चना की और बाबा जी के जयकारों से पूरी सिद्ध नगरी गूंज उठी।

शनिवार शाम से ही देश विदेश से श्रद्धालुओं का सिद्ध पीठ में पहुंचना शुरू हो गए थे, जिसके चलते रविवार को सुबह से लेकर शाम तक मंदिर परिसर में लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालु घंटों लाइनों में खड़े होकर बाबा जी की पवित्र गुफा के दर्शन करते रहे।

बाबा बालक नाथ मंदिर के बाहर लगी कतारें। ◆अनंत ज्ञान

मंदिर परिसर बाबा जी के जयकारों से गूंज उठा था। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए न्यास प्रशासन को अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ी। पुलिस कर्मियों की तैनाती के साथ-साथ सेवाभावी लोगों की मदद से व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखा गया।

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, उसके लिए जगह-जगह ठंडे पानी की व्यवस्था भी की गई थी।

मंदिर अधिकारी सुभाष कुमार मल्होत्रा ने बताया कि रविवार को करीब 30 हजार श्रद्धालुओं ने गुफा में दर्शन किए। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की गईं।

6 मई को कुल्लू महाधिवेशन में भाग लेने का किया आह्वान

अनंत ज्ञान, भोरंज। हिमाचल प्रदेश ब्राह्मण सभा के आगामी विशेष महाधिवेशन, जो 6 मई को कुल्लू के देव सदन, ढालपुर में आयोजित होने जा रहा है, को लेकर भोरंज क्षेत्र में भी उत्साह देखा जा रहा है। सभा के अध्यक्ष पंडित विजय गौतम ने बताया कि यह महाधिवेशन प्रदेश अध्यक्ष पंडित मनमोहन गौतम के दिशा-निर्देश में आयोजित किया जा रहा है, जो सुबह 11:30 बजे आरंभ होगा। भोरंज इकाई की ओर से पदाधिकारियों ने क्षेत्र के सभी सदस्यों से इस महाधिवेशन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, समाजहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करने तथा आदर्श मूल्यों को अपनाने पर चर्चा की जाएगी।

पंडित विजय गौतम ने विशेष रूप से भोरंज क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस महाधिवेशन को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और संगठनात्मक मजबूती को नई दिशा मिलती है।

डली पुल से तताहर तक सड़क के विस्तारीकरण पर खर्च होंगे 80 लाख

◆ मंडी जिले के क्षेत्र की सड़क के विस्तारीकरण का कार्य भोरंज मंडल के अधीन होगा

अनंत ज्ञान

जाहू। डली पुल से तताहर तक करीब 750 मीटर सड़क का विस्तारीकरण होगा। इसके निर्माण पर करीब 80 लाख रुपए खर्च होंगे। मंडी जिले के क्षेत्र के इस सड़क के विस्तारीकरण का कार्य भी लोक निर्माण विभाग मंडल भोरंज के अधीन हो होगा।

इससे बस्सी से तताहर तक करीब 11 किलोमीटर सड़क पर वाहनों के चकाचक होगी। लोक निर्माण विभाग ने सड़क के विस्तारीकरण के कार्य को शुरू करने से पहले भूमि की निशानदेही की है और सफेद चूना लगाकर भूमि को चिन्हित किया है। इससे ठेकेदार द्वारा सड़क के विस्तारीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। यह सड़क घुमारवीं से धर्मपुर वाया सरकाघाट सड़क को तताहर के पास जोड़ेगी। सड़क के विस्तारीकरण के लिए सड़क की चौड़ाई साढ़े सात मीटर होगी, जिससे दो वाहनों की आवाजाही एक साथ आसानी से होगी। सड़क को पानी की प्रभाव से सुरक्षित करने के लिए दोनों तरफ नालियों का निर्माण भी किया जाएगा और पानी डली में सीर खड्ड तक पहुंचाया जाएगा। सड़क के विस्तारीकरण के कार्य के शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी है क्योंकि इससे भोरंज, भरेड़ी और जाहू की ओर वाहनों की आवाजाही में वृद्धि होगी।

डली से तताहर तक सड़क के विस्तारीकरण का कार्य शुरू। ◆अनंत ज्ञान

क्या कहते हैं कनिष्ठ अभियंता

लोक निर्माण विभाग मंडल भोरंज के भरेड़ी अनुभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार का कहना है कि डली से तताहर तक सड़क के विस्तारीकरण का कार्य भोरंज मंडल के अधीन हो रहा है। विभाग की ओर से सड़क को पूरी तरह से तैयार करके का लक्ष्य मई माह के अंत तक रखा है।

मेवा उत्सव: व्यंजनों और योजनाओं की प्रदर्शनी बनी लोगों का आकर्षण

पोषण अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व बच्चों के टीकाकरण से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किए। ◆अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जाहू। तीन जिलों हमीरपुर, मंडी और बिलासपुर के संगम स्थल जाहू में आयोजित मेवा उत्सव के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी पिछले तीन दिनों से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

इस प्रदर्शनी को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसमें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। प्रदर्शनी में पोषण अभियान, पोषण मटका, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पोषण भी पढ़ाई भी, नव चेतन आधारशिला तथा बच्चों के टीकाकरण से संबंधित चार्ट और मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं। इसके अलावा घरों से तैयार कर लाए गए पौष्टिक व्यंजनों ने भी प्रदर्शनी की शोभा बढ़ाई है। महिला एवं बाल विकास परियोजना भोरंज के तहत विभिन्न आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पर्यवेक्षक बारी-बारी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं का मानना है कि मेलों और उत्सवों में इस प्रकार की प्रदर्शनी लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर इसकी सराहना की है। बाल विकास परियोजना अधिकारी भोरंज सुनील कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रयासों से यह प्रदर्शनी सफल रही है और भविष्य में इसे और बेहतर बनाया जाएगा।

जिले के सीबीएसई स्कूलों में 5661 स्टूडेंट्स ने लिया दाखिला

कुछ स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय न होने से हो रही परेशानी, 9 स्कूलों में बच्चों की संख्या 100 तक भी नहीं पहुंची

अनंत ज्ञान

अनिल कुमार, हमीरपुर। प्रदेश सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता और सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी को लेकर हमीरपुर जिले के 18 सरकारी स्कूलों को सीबीएसई बोर्ड के तहत शिक्षा देने का फैसला लिया है। इन स्कूलों में पहली अप्रैल से दाखिले शुरू किए गए थे, लेकिन कुछ स्कूलों में बच्चों की संख्या में कुछ खास बढ़ोतरी नहीं हुई है।

9 स्कूलों में बच्चों की संख्या 100 तक भी नहीं पहुंच पाई है। हालांकि इन 18 स्कूलों को सीबीएसई बनाने से पहले लड़कियों के शौचालय बनाने व अन्य सुविधाएं देने के आदेश दिए थे, लेकिन कुछ स्कूलों में लड़कियों को शौचालय जाने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं कुछ स्कूलों में स्टाफ अधिक होने से स्टाफ रूम की भी दिक्कत हो गई है। ऐसे में अध्यापक यहां वहां बैठकर व्यवस्था बनने का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों की बात करें तो राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अमलेहड़ कुल 161, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बदारन में 349, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़ा में 323, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बटराण में 159, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धनेटा में 264, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गलोड़ में 428, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जलाड़ी में 263, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगू में 361, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रैल में 226, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सोहरी में 24 और पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला नादौन में 646 बच्चों ने दाखिला लिया है। इसके अलावा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भरेड़ी में 435, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोरंज में 223, शहीद कैप्टन मृदुल शर्मा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर में 802, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़सर में 277, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला करोट में 180, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुजानपुर में 324 बच्चों ने दाखिला लिया है।

शहीद कै. मृदुल शर्मा स्कूल हमीरपुर में छुट्टी के बाद गेट से बाहर आते बच्चे। ◆अनंत ज्ञान

सबसे कम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला खतरवाड़ में कुल 142 बच्चों ने दाखिला लिया है। हालांकि, सरकारी स्कूलों में जितनी संख्या बच्चों की नहीं बढ़ पाई है फिर भी जितने बच्चों ने दाखिला लिया है वे सभी सह शिक्षा प्रणाली के तहत शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन स्कूलों में लड़कियां का बहुत ख्याल रखा जा रहा है और शिक्षा या अन्य किसी प्रकार की दिक्कत के लिए स्कूल प्रशासन हल करने का प्रयास कर रहा है। सबसे बड़ी समस्या उन स्कूलों में जहां पर लड़कियों के शौचालय नहीं है। ऐसे में सारी जिम्मेवारी स्कूल प्रशासन की है कि लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था करें। हालांकि इन स्कूलों को अप्रैल माह से तीन महीने पहले इसके बारे में अधिसूचना जारी कर दी थी बावजूद इसके शौचालय की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया। इस बारे में उच्च शिक्षा विभाग के उपनिदेशक मौही राम चौहान ने बताया कि स्कूलों को शौचालय बनाने के लिए पहले ही आदेश जारी किए जा चुके थे। इसके अलावा स्कूलों के पास जो फंड है उसमें 85 प्रतिशत खर्च करने के भी आदेश जारी किए गए थे। उन्होंने कहा कि वे छुट्टी पर हैं, उसके बाद स्कूलों में शौचालयों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की व्यवस्था कर दी जाएगी।

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर जागरुकता व्याख्यान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हमीरपुर में 'बौद्धिक संपदा अधिकार जागरुकता दिवस' के अवसर पर एक ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'नवाचार, संरक्षण और सशक्तिकरण: बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से' निर्धारित की गई, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार के संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सूरज पी. राज कुमार, सहायक प्रोफेसर, जगदंबा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च ने भाग लिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क तथा फार्मेसी क्षेत्र में इनके व्यावहारिक उपयोगों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को अनुसंधान कार्यों में नवाचार को सुरक्षित रखने और बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका को समझने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं प्राचार्य डॉ. प्रो. संजय कुमार, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. प्रो. दर्श गौतम, प्रबंध निदेशक जगदीश गौतम तथा सचिव डॉ. रजनीश गौतम भी उपस्थित रहे। सभी ने ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को अनुसंधान और नवाचार के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में बी.फार्मा और डी.फार्मा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रश्नोत्तर सत्र में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिला अध्यक्ष राकेश ने किया वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में मंथन

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को जहां देशभर में सुना गया, वहीं हमीरपुर जिला भाजपा ने इसे संगठनात्मक मंथन का माध्यम बना दिया। भोरंज विधानसभा क्षेत्र के बस्सी स्थित होटल सन स्काई में जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पूर्व विधायक कमलेश कुमारी एवं डॉ. अनिल धीमान सहित भाजपा वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक देवराज शर्मा तथा पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के तुरंत बाद माहौल ने राजनीतिक रंग ले लिया, जब जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में गहन मंथन शुरू किया।

आगामी नगर निकाय और जिला परिषद चुनावों को लेकर संभावित प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा ने बैठक को चुनावी नजरिए से खास बना दिया। चुनावी सरगर्मियों के बीच टिकट के इच्छुक दावेदारों की बढ़ती सक्रियता ने संगठन के भीतर हलचल तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में दावेदारों के नामों पर खुलकर चर्चा हुई और अनुभवी व जमीनी कार्यकर्ताओं की राय को प्राथमिकता दी गई। भोरंज मंडल अध्यक्ष अशोक ठाकुर और समीरपुर मंडल अध्यक्ष अभयवीर लवली भी इन बैठकों में मौजूद रहे। इससे पहले 25 अप्रैल को समीरपुर में हुई बैठक भी इसी कड़ी का हिस्सा रही, जहां पार्टी के वरिष्ठतम कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने का प्रयास किया गया। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए 26 अप्रैल को शहरी निकाय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक जोगिंदर बल्ला हमीरपुर में भी एक और महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहे हैं। लगातार हो रही बैठकों ने यह साफ संकेत दे दिया है कि भाजपा चुनावी मोड में पूरी तरह आ चुकी है और संगठन हर स्तर पर रणनीति को धार देने में जुटा है।

हालांकि, बैठकों में क्या चर्चाएं हो रही हैं, इस पर पार्टी पदाधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इन बैठकों के मंथन से कौन से नाम निकलकर सामने आते हैं और किसे चुनावी मैदान में उतारा जाता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मन की बात' कार्यक्रम भी सुना। ◆अनंत ज्ञान

प्रदेश में रेल विस्तार को लेकर दोहरे मापदंड पर हिमाचल-मुंबई एसोसिएशन ने जताई नाराजगी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल-मुंबई एसोसिएशन ने जब केरल संपर्क क्रांति और बांद्रा चंडीगढ़ ट्रेन को केरल से चंडीगढ़ से अंब, ऊना हिमाचल तक विस्तार की मांग की थी, तब रेल मंत्रालय ने जवाब दिया कि ऊना में टर्मिनल सुविधाएं नहीं हैं' इसलिए विस्तार संभव नहीं। हाल ही में कोलकाता-नंगल ट्रेन का विस्तार ऊना तक कर दिया गया। अचानक टर्मिनल सुविधाएं पैदा हो गई या हिमाचल के लोगों के लिए नियम अलग हैं और बंगाल के लिए अलग। हिमाचल मुंबई एसोसिएशन ने सांसद अनुराग ठाकुर को पत्र लिखकर नाराजगी जाहिर की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुंबई, दिल्ली, चंडीगढ़ में बसे लाखों हिमाचलियों में इस दोहरे मापदंड को लेकर भारी रोष है। हिमाचल को संपर्क क्रांति चाहिए, भेदभाव नहीं। केरल संपर्क क्रांति को ऊना लाने में जो टर्मिनल आड़े आ रहा था, वो कलकत्ता ट्रेन के लिए कैसे हट गया, इसका जवाब हिमाचल की जनता मांगती है। जब तक जवाब नहीं मिलता, ये रोष खत्म नहीं होगा। पहले ही दे दी। जब नियम-कायदे, तर्क, सुविधा सब खत्म ही करने हैं तो हिमाचल प्रदेश का बांग्लादेशीकरण पूरा ही कर दीजिए। कम से कम भट्ठा बैठाने का काम ईमानदारी से हो जाएगा। हम हिमाचली शांत हैं, पर बेवकूफ नहीं। हमें संपर्क क्रांति चाहिए, भेदभाव नहीं। केरल संपर्क क्रांति को ऊना लाने में जो टर्मिनल आड़े आ रहा था, वो कलकत्ता ट्रेन के लिए कैसे हट गया, इसका जवाब हिमाचल की जनता मांगती है। जब तक जवाब नहीं मिलता, ये रोष खत्म नहीं होगा।

ध्यानू भक्त की समाधि के उत्थान व भूमि अधिग्रहण की कवायद शुरू

अनंत ज्ञान

शशि सोनल, नादौन। नादौन शहर के वार्ड नंबर-1 में स्थित मां ज्वालामुखी के अनन्य भक्त श्री ध्यानू जी की समाधि, ब्यास नदी के तट पर स्थित एक महत्वपूर्ण धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है। इस पवित्र स्थल के समग्र विकास के लिए अब भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिला भाषा अधिकारी द्वारा इस स्थल के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव तैयार किया गया था, लेकिन भूमि निजी स्वामित्व में होने के कारण इसे स्वीकृति नहीं मिल सकी। इसके बाद भूमि स्वामियों के साथ कई बार बैठकें आयोजित की गईं, परंतु सर्वसम्मति नहीं बन पाई।

इसी संदर्भ में एसडीएम नादौन निशांत शर्मा ने उपायुक्त हमीरपुर को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत करवाया है, ताकि आवश्यक प्रशासनिक निर्णय लिया जा सके। सरकार का उद्देश्य इस धार्मिक स्थल को विकसित कर इसे श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाना है, क्योंकि इसका सीधा संबंध शक्तिपीठ ज्वालामुखी मंदिर से माना जाता है। लोक मान्यता के अनुसार श्री ध्यानू भक्त ने माता के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट की थी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि इस स्थल का योजनाबद्ध विकास किया जाता है, तो यह धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकता है और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

◆ एसडीएम ने डीसी हमीरपुर को लिखा पत्र

विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने का आह्वान

नशामुक्त जन संकल्प अभियान के तहत अमरोह स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित। ◆अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अमरोह में नशामुक्ति जन संकल्प अभियान के तहत एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जय बाबा कमलहिया आराधना एवं सीएसआर सवेरा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। संस्था के अध्यक्ष एवं समाजसेवी एमके भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, कहा कि नशा आज की युवा पीढ़ी को अंदर से कमजोर कर रहा है और यह समाज व देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, उसके दुष्प्रभावों को समझने और जीवन में सही दिशा चुनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा पर विशेष बल दिया गया। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और चारपहिया चालकों को सीट बेल्ट के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही आपदा प्रबंधन और स्वच्छता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए गए। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से सभी प्रतिभागियों को रिफ्रेशमेंट वितरित किया गया। अंत में एमके भारद्वाज के नेतृत्व में सभी ने संकल्प लिया 'नशे को ना, जीवन को हां।'

दियोटसिद्ध में पहाड़ी से गिरे पत्थर, बाल-बाल बचे श्रद्धालु

अनंत ज्ञान

◆ वाहन भी मलबे की चपेट में आने से बचे

एसके ठाकुर, बड़सर। उत्तरी भारत के विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में शनिवार शाम एक बार फिर पहाड़ी से पत्थर और भारी मात्रा में मलबा गिरने से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना उसी स्थान पर हुई, जहां पहले भी भूस्खलन हो चुका है। मंदिर प्रशासन की यह सबसे बड़ी लापरवाही मानी जा रही है। मंदिर प्रशासन को चाहिए कि करोड़ों का चढ़ावा अर्जित होने के बाद भी इस पहाड़ी की आरसीटी क्यों नहीं की गई।

गनीमत यह रही कि जिस समय पहाड़ी से पत्थर और मिट्टी नीचे गिरी, उस वक्त वहां श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही कम थी, अन्यथा एक बड़ा हादसा घट सकता था। एक बार पहले भी एक श्रद्धालु पर गुंबद गिरने से उसकी मौत हो गई थी। चैत्र मास के मेले के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु ने बाबा बालक नाथ जी दरबार में हाजिरी लगाई। गत वर्ष हुई भारी बरसात में भी मंदिर के आसपास भू-स्खलन हुआ था। हालांकि, उस वहां से कोई भी श्रद्धालु नहीं था, जिसके कारण बड़ा हादसा नहीं हुआ था। दो-तीन दिन के मुख्य गेट से जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया था।

वहीं, अभी भी मंदिर और उसके आसपास भू-स्खलन का खतरा बना हुआ है। मंदिर अधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि पहाड़ी से पत्थर गिरे हैं। वहां पर पुलिस के दो जवान तैनात कर दिए हैं और इस बारे में मंदिर अध्यक्ष एसडीएम बड़सर स्वाति डोगरा को भी अवगत करवा दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वप्रथम है, जल्द परमानेंट सॉल्यूशन निकालकर सुचारु व्यवस्था कर दी जाएगी।

शहीद अंकुश ठाकुर ट्रस्ट ने सुंदर लाल के निधन पर परिवार को दिए 11 हजार

दिवंगत सुंदर लाल की पत्नी को 11,000 रुपए का चेक भेंट करते ट्रस्ट के सदस्य। ◆अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के अंतर्गत ग्राम जोल के निवासी सुंदर लाल का तीन दिन पूर्व लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह काफी समय से गंभीर रूप से बीमार थे और उपचार के दौरान उनकी दोनों टांगें भी काटनी पड़ी थीं। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और परिवार गहरे सदमे में है। सुंदर लाल के परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर थी। इलाज में उनकी सारी जमा पूंजी खर्च हो चुकी थी, जिससे परिवार पर आर्थिक संकट और गहरा गया। ऐसे कठिन समय में समाजसेवी संस्थाओं ने मदद का हाथ बढ़ाना शुरू किया है।

इसी क्रम में गालवान अमर शहीद सिपाही अंकुश ठाकुर एसएम(पी) चैरिटेबल ट्रस्ट ने मानवीय पहल करते हुए दिवंगत की पत्नी को 11,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। ट्रस्ट के सदस्यों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव शिव प्रकाश शर्मा सहित सदस्य भागीरथ, विजय कुमार, विनोद कुमार और मनीष कुमार उपस्थित रहे। सभी ने परिवार को इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने भी इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे जरूरतमंद परिवार के लिए बड़ी राहत बताया।

चंबा में मारपीट, धमकी और दुष्कर्म सहित सात मामले दर्ज

अनंत ज्ञान

चंबा। जिला पुलिस द्वारा एक ही दिन में विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत 7 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें मारपीट, धमकी, पत्थरबाजी, दुष्कर्म और प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। सभी मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पहले मामले में कुमारहका निवासी कर्म चंद की शिकायत पर तरेणा निवासी बलदेव सिंह के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया। इसी तरह दूसरे और तीसरे मामलों में भी रास्ता रोककर गाली-गलौच, धमकी और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है।

कटला क्षेत्र से जुड़े दो मामलों में आपसी रंजिश के चलते मारपीट और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आई, जिनमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन घटनाओं में घरों को नुकसान पहुंचाने और परिवार के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करने की शिकायतें भी दर्ज की गई हैं।

सबसे गंभीर मामला महिला पुलिस थाना चंबा में दर्ज हुआ है, जहां एक व्यक्ति पर बिना सहमति दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। यह घटना नवंबर 2025 की बताई जा रही है, जिसकी शिकायत अब दर्ज करवाई गई है। पुलिस इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटी हुई है। एक अन्य दुखद घटना चुवाड़ी क्षेत्र से सामने आई है, जहां लगातार मारपीट और प्रताड़ना से परेशान एक युवती ने जहरीला पदार्थ पी लिया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक चंबा ने बताया कि सभी मामलों में गहन जांच जारी है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे लोगों में चिंता का माहौल है।

ड्राइवरों के अधिकारों को लेकर गरजा संघ, 29 सूत्रीय मांगों पर उठी आवाज

राष्ट्रीय चालक आयोग गठन की मांग तेज, संघ ने दिया आंदोलन का संकेत

अनंत ज्ञान

चंबा। ऑल ड्राइवर कल्याण संघ चंबा की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नकरोड़-चुराह में आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के अनेक चालक भाइयों ने भाग लिया। बैठक के दौरान ड्राइवरों से जुड़े मुद्दों और उनके अधिकारों को लेकर गंभीर चर्चा हुई और 29 सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि देशभर में लगभग 22 करोड़ चालक आज भी अपने अधिकारों और उचित सम्मान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। बैठक में प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय चालक आयोग तथा

ड्राइवर कल्याण संघ चंबा की बैठक में चालक। अनंत ज्ञान

प्रदेश स्तर पर चालक आयोग के गठन की मांग को जोरदार तरीके से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि अन्य वर्गों के लिए आयोग बनाए जा सकते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था और परिवहन व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले चालकों के लिए भी आयोग का गठन होना चाहिए। इसके अलावा, पिछले एक दशक से हर वर्ष 1 सितंबर को राष्ट्रीय चालक दिवस के रूप में मनाए जाने का जिक्र करते हुए इसे सरकार द्वारा आधिकारिक मान्यता देने और सरकारी कैलेंडर में शामिल करने की मांग की गई। संघ ने यह भी मांग उठाई कि केंद्र और राज्य सरकारें चालकों के सम्मान में संग्रहालय स्थापित करें, जिससे उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके।

बैठक में उपस्थित चालकों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस बैठक के माध्यम से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि चालक वर्ग अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुका है और सम्मान व न्याय की मांग को लेकर संगठित रूप से आगे बढ़ रहा है।

नयाग्रां से लाके वाली माता तक जाने वाली बस सेवा 8 माह से ठप

- बजोल, ग्रोडा और नयाग्रां पंचायतों के लोगों को हो रही काफी परेशानी

अनंत ज्ञान

भरमौर। तहसील होली के नयाग्रां से लाके वाली माता तक जाने वाली बस सेवा पिछले 8 महीनों से बंद पड़ी है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक प्रशासन की नींद नहीं खुली है। इस लापरवाही का खामियाजा क्षेत्र की तीन पंचायतों बजोल, ग्रोडा और नयाग्रां के लोगों को रोज भुगतना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले साल सितंबर में हुई भारी बारिश से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद से इस रूट पर बसें बंद हो गईं, लेकिन सवाल यह है कि आखिर 8 महीने में भी सड़क दुरुस्त क्यों नहीं हो पाई? क्या ग्रामीणों की समस्याएं प्रशासन के लिए कोई मायने नहीं रखतीं?

बस सेवा बंद होने के कारण लोगों को मजबूरन महंगी निजी और टैक्सी गाड़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, जबकि छात्रों, बुजुर्गों और रोजाना काम पर जाने वालों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं।

जल्द बस सेवा बहाल नहीं की तो करेंगे धरना प्रदर्शन: अशोक राजपूत

भाजपा मंडल अध्यक्ष होली एवं पूर्व प्रधान अशोक राजपूत ने प्रशासन को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि

अगर जल्द बस सेवा बहाल नहीं की गई तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने यह भी बताया कि लाके वाली माता मंदिर में हर साल सैकड़ों श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचते हैं, लेकिन बस सेवा ठप होने से पर्यटन पर भी गहरा असर पड़ रहा है। इसका सीधा नुकसान स्थानीय कारोबारियों और आम लोगों की रोजी-रोटी पर पड़ रहा है।

ब्रेही पनिहार में विद्यार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

छात्रों ने चलाया सफाई अभियान, विज्ञान-गणित प्रदर्शनी ने भी बटोरी सराहना। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्रेही (चंबा)। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ब्रेही (चंबा) द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए प्राकृतिक स्रोत ब्रेही पनिहार और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

दोपहर बाद विद्यालय से ब्रेही पनिहार तक के रास्ते में फैले कचरे, विशेषकर पोलिथीन, को एकत्रित कर पूरे मार्ग को स्वच्छ बनाया गया। इसके पश्चात छात्रों ने ब्रेही पनिहार क्षेत्र की भी पूरी तरह से सफाई कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस दौरान विद्यार्थियों में उत्साह और जागरूकता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इससे पूर्व विद्यालय परिसर में दोपहर 12 बजे तक विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने नवाचार और मॉडल प्रस्तुत किए। इस प्रदर्शनी में अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और बच्चों के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन कुमार शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी छात्रों को अपनी ओर से रिफ्रेशमेंट प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। यह आयोजन न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में भी एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ।

चौगान वार्ड में मुकाबला रोचक मोड़ पर

'शाकिर अली शाह फैक्टर' की एंट्री से बढ़ी हलचल

अनंत ज्ञान

चंबा। नगर परिषद चुनावों की आहट के साथ ही चौगान वार्ड की राजनीति अचानक गरमा गई है व इस हलचल के केंद्र में हैं युवा कांग्रेस चंबा के अध्यक्ष शाकिर अली शाह। अपनी तेजतर्रार कार्यशैली, मजबूत संगठन पकड़ और व्यापक जनसंपर्क के दम पर शाकिर ने कम समय में ही खुद को शहर की राजनीति का एक प्रभावशाली चेहरा बना लिया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि इस बार चौगान वार्ड महिला वर्ग के लिए आरक्षित न होता, तो शाकिर अली शाह खुद मैदान में उतरकर मुकाबले को एकतरफा बना सकते थे। लेकिन बदले समीकरणों ने अब नई रणनीतियों को जन्म दे दिया है। शहर के सियासी गलियारों में चर्चाएं जोरों पर हैं कि शाकिर अपने परिवार की किसी महिला सदस्य को चुनावी रण में उतारकर 'शाह फैक्टर' को बरकरार रख सकते हैं। पेशे से अधिवक्ता शाकिर अली शाह केवल एक नेता नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर मुखर आवाज के रूप में भी जाने जाते हैं। चौगान वार्ड में उनकी गहरी पकड़ और मुस्लिम समाज सहित विभिन्न वर्गों में उनका प्रभाव उन्हें एक मजबूत राजनीतिक स्तंभ बनाता है। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग में उनकी सक्रियता की चर्चा है। उनके परिवार की सामाजिक साख भी इस राजनीतिक समीकरण में अहम भूमिका निभा रही है। उनकी माता, जो एक निजी विद्यालय में शिक्षिका हैं, अपने सौम्य स्वभाव, शिक्षा के प्रति समर्पण और सामाजिक जुड़ाव के कारण क्षेत्र में सम्मानित छवि रखती हैं। स्थानीय स्तर पर परिवार की मजबूत पकड़ को देखते हुए यह माना जा रहा है कि यदि परिवार से कोई महिला प्रत्याशी मैदान में उतरती है, तो मुकाबला बेहद दिलचस्प और कड़ा हो सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या शाकिर अली शाह इस राजनीतिक चाल को अमलीजामा पहनाएंगे? फिलहाल, चौगान की जनता और राजनीतिक विश्लेषकों की नजरें इस संभावित फैसले पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि 'शाह फैक्टर' चुनावी मैदान में किस रूप में सामने आता है—लेकिन इतना तय है कि इस बार चौगान की सियासत बेहद रोचक मोड़ ले चुकी है।

मैहला में सड़क निर्माण बना 'जानलेवा'

निर्माण स्थल पर बड़ी लापरवाही, बिना सुरक्षा उपकरण काम कर रहे श्रमिक

अनंत ज्ञान

मैहला। जिला चंबा मुख्यालय से लगभग 8 से 10 किलोमीटर दूर स्थित मैहला क्षेत्र में जारी सड़क निर्माण कार्य इन दिनों गंभीर लापरवाही व सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण सुर्खियों में है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यह निर्माण स्थल पहले ही संवेदनशील श्रेणी में आता है, लेकिन इसके बावजूद यहां श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक सतर्कता नहीं बरती जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों व स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण स्थल के 'खतरा क्षेत्र' (डेंजर जोन) में मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण—जैसे हेलमेट और रिफ्लेक्टिव जैकेट—के लगातार आवाजाही कर रहे हैं। यह वही क्षेत्र है जहां से हर समय पत्थर गिरने का खतरा बना रहता है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। हैरानी की बात यह है कि मौके पर मौजूद पर्यवेक्षक और निर्माण एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारी भी इस गंभीर लापरवाही को नजरअंदाज करते नजर आ रहे हैं। इस पूरे मामले को लेकर भाजपा पार्टी के अनुसूचित जनजाति प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पवन कुमार ने कड़ी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसे जोखिम भरे क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों के लिए सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी न केवल श्रमिकों के जीवन को खतरे में डालती है, बल्कि यह निर्माण कार्य की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। पवन कुमार ने संबंधित विभाग और निर्माण संस्था से मांग की है कि इस मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए दोषी कर्मियों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि भविष्य में कोई अप्रिय घटना घटती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी की होगी।

वहीं, स्थानीय निवासियों में भी इस मुद्दे को लेकर गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद यदि सुरक्षा उपायों को लागू नहीं किया गया, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे सकती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर निरीक्षण कर सख्त निर्देश जारी किए जाएं और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए।

अब यह देखना अहम होगा कि प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर स्थिति को कितनी प्राथमिकता देते हैं और क्या समय रहते ठोस कदम उठाकर संभावित खतरे को टाला जा सकेगा, या फिर किसी अनहोनी का इंतजार किया जाएगा।

पंडोह डैम के पास कार खाई में गिरी; एक की मौत, तीन घायल

अनंत ज्ञान

पंडोह। थाना सदर मंडी के अंतर्गत पंडोह डैम के समीप शिवाबादर सड़क पर एक कार गहरी खाई में गिर गई। कार नंबर एचपी 32ए-7626 लगभग 100 मीटर नीचे जा गिरी। वाहन में सवार चार लोग जतिन गुप्ता (34) व अंकुश गुप्ता (32) पुत्र नरेश कुमार निवासी सुराही खड्ड, संती देवी पत्नी जगदीश (43) तथा सेवकी देवी पत्नी वीर सिंह (51) निवासी हटोण शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर जोनल अस्पताल मंडी पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान अंकुश गुप्ता की मृत्यु हो गई। अन्य घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मनाली में 397 ग्राम चरस के साथ युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, मनाली। पर्यटन नगरी मनाली में पुलिस ने एक युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 20 के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मनाली के निजी होटल में छापेमारी कर एक व्यक्ति से 397 ग्राम चरस बरामद की। आरोपित की पहचान विक्की निवासी अलेऊ के रूप में हुई है। पुलिस उप अधीक्षक केडी शर्मा ने कहा कि मामला दर्ज कर आरोपित को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है।

हसनदीन की नियुक्ति बनी गुज्जरों की आवाज

अनंत ज्ञान

चंबा। जिला कांग्रेस कमेटी में हाल ही में हुई नियुक्तियों के बीच एक नाम हसनदीन पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बन गया है। पूर्व प्रधान पल्यूर ग्राम पंचायत तथा गुज्जर कल्याण सभा चंबा के अध्यक्ष और घुमंतु गुज्जर पशुपालक समुदाय की सशक्त पहचान बन चुके हसनदीन को जिला कांग्रेस कमेटी का जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। यह केवल एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि वर्षों से हाशिये पर खड़े समाज की आवाज को मुख्यधारा में मिली मजबूत जगह के रूप में देखा जा रहा है।

जिन रास्तों पर कभी गुज्जर पशुपालकों की समस्याएं अनसुनी रह जाती थीं, उन्हीं रास्तों से उठकर हसनदीन ने अपने संघर्ष, स्पष्टता और निडरता के दम पर एक ऐसी पहचान बनाई, जिसे अब राजनीतिक मंच पर भी स्वीकार किया गया है। उन्होंने चरागाहों के अधिकार, वन क्षेत्रों में आवाजाही, शिक्षा से वंचित बच्चों का भविष्य और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी जमीनी समस्याओं को न केवल उठाया, बल्कि उन्हें प्रशासन के दरवाजे तक मजबूती से पहुंचाया।

हसनदीन की सबसे बड़ी ताकत उनकी निष्पक्ष सोच और बेबाक नेतृत्व शैली रही है। अल्पसंख्यक समुदाय से आने के बावजूद उन्होंने कभी अपनी लड़ाई को सीमित नहीं रखा, बल्कि हर वर्ग के अधिकारों के लिए समान रूप से आवाज उठाई। यही कारण है कि वे सिर्फ एक समाज के नेता नहीं, बल्कि क्षेत्र के भरोसेमंद जनप्रतिनिधि के रूप में उभरे हैं।

पार्टी के भीतर भी हसनदीन को एक कर्मठ, अनुशासित और जमीन से जुड़े कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। बिना किसी पद की परवाह किए संगठन को मजबूत करने में जुटे रहने का ही परिणाम है कि अब उन्हें जिला स्तर पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विशेष बात यह है कि हसनदीन लगातार 'माइनॉरिटी ऑफिस' की स्थापना की मांग उठाते रहे हैं, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याओं को सुनने और समाधान देने के लिए एक सशक्त मंच तैयार हो सके। उनकी यह मांग अब राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी है, जो उनके दूरदर्शी सोच को दर्शाती है।

उनकी नियुक्ति के बाद चंबा सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह और उम्मीद का माहौल है। गुज्जर समाज के लोगों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के संघर्षों और उम्मीदों की जीत है।

हसनदीन की यह नई भूमिका यह संकेत देती है कि अब राजनीति में केवल चेहरे नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत को समझने वाले और समाज के लिए लड़ने वाले नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। आने वाले समय में उनसे न केवल संगठन को नई दिशा देने की उम्मीद है, बल्कि उन आवाजों को भी ताकत मिलने की उम्मीद है, जो अब तक अनसुनी रह जाती थीं।

80 किसानों ने प्राप्त की आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी

अनंत ज्ञान, भरमौर। रेहला एवं खन्नी क्षेत्रों में कृषि विभाग द्वारा हिमकृषि योजना के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 80 किसानों ने भाग लिया और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान किसानों को फसल विविधीकरण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया तथा सब्जी उत्पादन के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत खेती अपनाने और अधिक आय अर्जित करने के तरीके समझाए। इस अवसर पर सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु प्रगतिशील किसानों की पहचान की गई। साथ ही किसानों को टमाटर, बैंगन, फूलगोभी एवं फ्रेंचबीन के हाइब्रिड बीज वितरित किए गए, ताकि वे बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। इस कार्यक्रम में कृषि विस्तार अधिकारी नवीन कुमार, कृषि विकास अधिकारी पंकज कुमार एवं ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर मुकेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे और किसानों का मार्गदर्शन किया।

हरदासपुर में 'मन की बात' का 133वां संस्करण सुना, बूथ स्तर पर दिखा उत्साह

हरदासपुर में 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

चंबा। जिला मुख्यालय से सटे हरदासपुर के बूथ नंबर 48(2) में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का 133वां संस्करण सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष शौकत अली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों और संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। 'मन की बात' के माध्यम से देशहित, सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई, जिससे उपस्थित कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। बूथ स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने संगठन की जमीनी सक्रियता और एकजुटता को भी दर्शाया। कार्यकर्ताओं ने इसे जनसंपर्क और जागरूकता का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को आम जनता तक पहुंचाने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प भी लिया।

मनाली की खूबसूरती पर 'कचरे' का ग्रहण

पर्यटन नगरी मनाली के मॉल रोड पर कचरे का अंबार, बिगड़ रही छवि

अनंत ज्ञान

मनाली। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी मनाली, जहां हर साल लाखों की संख्या में देश-विदेश से पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंचते हैं, इन दिनों एक गंभीर समस्या से जूझ रही है। रोहतांग दर्रा, अटल टनल, हामटा और भृगु लेक जैसे प्रमुख स्थलों की सैर के बाद पर्यटकों का मुख्य केंद्र रहने वाला मॉल रोड अब गंदगी की चपेट में है। हालांकि सफाई व्यवस्था पर उठते सवालों के बीच नगर परिषद मनाली अब हरकत में आई है। मनाली नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी ने जानकारी दी कि मॉल रोड की सफाई का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। मॉल रोड के आसपास स्थित होटलों और ढाबों में डिस्पोजल प्लेटों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। बाहर कूड़ा फेंकने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारी जुर्माना लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।

अनंत ज्ञान मुद्दा

शाम की रौनक पर भारी पड़ता कचरा

दिनभर की थकान के बाद मॉल रोड पर पर्यटकों की चहल-पहल और शॉपिंग का सिलसिला आम है। लेकिन इसी रौनक के बीच सड़क किनारे बिखरे प्लास्टिक के रैपर, खाने-पीने के खाली पैकेट और कूड़े के ढेर इस खूबसूरत शहर की सुंदरता को दागदार कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा साफ-सफाई पर हर साल लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

लापरवाही और जागरूकता की कमी

इस बढ़ती गंदगी का एक बड़ा कारण पर्यटकों की लापरवाही है, जो डस्टबिन के बजाय सड़कों पर कचरा फेंकना पसंद करते हैं। वहीं, स्थानीय स्तर पर भी स्वच्छता अभियानों और सख्त निगरानी की कमी महसूस की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस समस्या का समाधान जल्द नहीं निकाला गया, तो यह न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि भविष्य में पर्यटकों की संख्या में भी गिरावट ला सकता है।

लाखों का बजट, फिर भी गंदगी का संकट

हैरानी की बात यह है कि नगर परिषद मनाली द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था पर सालाना लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं। बावजूद इसके, मॉल रोड और आसपास के पर्यटन क्षेत्रों में प्लास्टिक की बोतलें, चिप्स के पैकेट और अन्य कचरा आम देखा जा सकता है। पर्यटकों द्वारा कूड़ेदान का प्रयोग न करना और इधर-उधर कचरा फेंकना इस समस्या की मुख्य जड़ माना जा रहा है।

मुगला में सत्संग के दौरान गूंजा 'समदृष्टि' का संदेश

अनंत ज्ञान

चंबा। संत निरंकारी सत्संग भवन मुगला में रविवार को आयोजित साप्ताहिक सत्संग आध्यात्मिक ऊर्जा और मानव एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। महात्मा अरुण महाजन की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्संग में दूरदराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।

सत्संग का शुभारंभ आरती वंदना से हुआ, जिसके बाद विभिन्न गांवों—साहू, जडेरा, मंगला रख, जांघी मेहला, धरवाला, मुगला और आदर्शनगर से पहुंचे संत-महात्माओं ने अपने भजनों और विचारों के माध्यम से सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज की शिक्षाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। पूरा वातावरण भक्ति रस में डूबा नजर आया। महात्मा अरुण महाजन ने 'समदृष्टि' के गहन आध्यात्मिक महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि सच्ची समान दृष्टि वही है जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव या द्वैत नहीं होता। उन्होंने कहा कि शारीरिक रूप से भले ही मानव अलग-अलग दिखते हों, लेकिन आत्मिक स्तर पर सभी एक हैं। हमारे धर्मग्रंथ और संत-महापुरुष सदैव निष्पक्षता और समानता का संदेश देते आए हैं, फिर भी समाज में भेदभाव की प्रवृत्ति देखी जाती है, जो चिंतन का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि समदृष्टि सतगुरु की कृपा से ही संभव है। जब ब्रह्मज्ञान के माध्यम से मनुष्य निरंकार से जुड़ता है, तो उसे हर जीव, प्रकृति और समस्त सृष्टि में परमात्मा के दर्शन होने लगते हैं। ऐसी अवस्था में व्यक्ति का जीवन द्वेष, अहंकार और नकारात्मक भावनाओं से मुक्त होकर दया, करुणा और सहनशीलता से भर जाता है। सत्संग के दौरान यह भी संदेश दिया गया कि जो व्यक्ति काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर नियंत्रण पा लेता है, वह न केवल स्वयं आनंदमय जीवन जीता है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। इस आध्यात्मिक आयोजन ने न केवल श्रद्धालुओं को आंतरिक शांति का अनुभव कराया, बल्कि समाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया।

वेटरनरी एकादश ने तकनीकी शिक्षा विभाग की टीम को 43 रन से हराया

क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान वेटरनरी एकादश व तकनीकी शिक्षा विभाग की टीम के खिलाड़ी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। नशामुक्त खेल भावनायुक्त क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत रविवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में वेटरनरी एकादश ने तकनीकी शिक्षा विभाग की टीम को 43 रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के आयोजक अनिल गुलेरिया और दिव्या प्रकाश ने बताया कि मैच में पंजाब के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी व जेएस कांगो के चेयरमैन सर्वजीत सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उनके साथ पूर्व खिलाड़ी बालक राम ठाकुर भी मौजूद रहे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेटनरी टीम ने 20 ओवर में 228 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया।

सलामी बल्लेबाज सोहन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 गेंदों में 12 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 96 रन बनाए और शतक से चूक गए। नितेश ने नाबाद 54, मनोज ने 22 और जितेंद्र ने 26 रन का योगदान दिया। तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से तेजेंद्र चौहान ने तीन विकेट लिए, जबकि सचिन यादव और डॉ. रितेश कौंडल को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तकनीकी शिक्षा विभाग की टीम शुरुआत में ही दबाव में आ गई और निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी। कप्तान सचिन यादव ने 39, अंकुर और तुलसी ठाकुर ने 35-35 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

अकर्मण्यता के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।

-चंद्रशेखर वेंकट रमण

संपादकीय

जनविश्वास की कसौटी

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सुरक्षा के उद्देश्य से शुरू की गई हिमकेयर योजना अब गंभीर सवालों के घेरे में है। पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में आरंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था, लेकिन हालिया घटनाक्रम ने इसके क्रियान्वयन पर गंभीर संदेह खड़े कर दिए हैं। वर्तमान सरकार की ओर से इस योजना में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए विजिलेंस को सौंपा गया मामला अब एक बड़े प्रशासनिक और राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुका है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए स्पष्ट किया था कि यदि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी हुई है, तो उसे उजागर किया जाएगा। उसी के अनुरूप अब विजिलेंस की ओर से एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो आईजी स्तर के अधिकारी की अगुवाई में पूरे मामले की गहन जांच करेगा। मेडिकल बिलों का रिकॉर्ड पहले ही जब्त किया जा चुका है, और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार यह घोटाला 110 करोड़ रुपए से अधिक का हो सकता है। साथ ही, सचिवालय स्तर पर एक अलग समिति का गठन भी इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को लेकर गंभीर है और बहुस्तरीय जांच के माध्यम से सच्चाई तक पहुंचना चाहती है।

आरोप बेहद गंभीर हैं और यदि इनमें सत्यता पाई जाती है, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता, बल्कि नैतिक पतन का भी उदाहरण होगा। यह सामने आया है कि कुछ अस्पतालों ने सामान्य उपचारों के लिए भी अत्यधिक बिल प्रस्तुत किए। उदाहरण के तौर पर, एक हर्निया ऑपरेशन, जिसकी वास्तविक लागत लगभग 25,000 रुपए होती है, उसका बिल 1 लाख रुपए तक दिखाया गया। इतना ही नहीं, कुछ मामलों में अनावश्यक दवाइयों और उपकरणों को जोड़कर बिलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि चार पुरुषों के नाम पर बच्चेदानी (यूटेरस) ऑपरेशन तक दर्शा दिए गए, जो न केवल वित्तीय अनियमितता, बल्कि सिस्टम की निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

ऐसे मामलों में यह आवश्यक हो जाता है कि जांच केवल औपचारिकता न बनकर वास्तविक जवाबदेही तय करने का माध्यम बने। सरकारी योजनाएं जनता के हित के लिए बनाई जाती हैं, और उनका हर रुपया करदाताओं की मेहनत से आता है। यदि उस धन का दुरुपयोग होता है, तो इसका सीधा असर गरीब और जरूरतमंद लोगों पर पड़ता है, जो इन योजनाओं पर निर्भर रहते हैं। हिमकेयर योजना का उद्देश्य ही था कि आपातकालीन स्थिति में कोई भी व्यक्ति आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित न रहे। ऐसे में यदि इसी योजना में भ्रष्टाचार पनपता है, तो यह सबसे कमजोर वर्ग के साथ अन्याय है। वर्तमान सरकार की ओर से अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसकी वास्तविक परीक्षा इसी तरह के मामलों में होती है। यदि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी होती है, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है, तो यह न केवल प्रशासनिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम होगा, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत करेगा। दूसरी ओर, यदि यह जांच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उलझ जाती है, तो इसका नुकसान पूरे सिस्टम को उठाना पड़ेगा।

राजनीतिक दृष्टिकोण से भी यह मामला संवेदनशील है। विपक्ष, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी, इस जांच को एक राजनीतिक कदम बता रही है और आरोप लगा रही है कि सरकार पूर्ववर्ती योजनाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। वहीं, सत्तारूढ़ पक्ष का तर्क है कि भ्रष्टाचार को उजागर करना और दोषियों को सजा दिलाना उसकी जिम्मेदारी है। ऐसे में यह आवश्यक है कि जांच एजेंसियां पूरी तरह निष्पक्ष रहें। ■

अनंत ज्ञान — आज की प्रमुख हस्ती

भारतीय सिनेमा की बहुमुखी प्रतिभा

जोहरा सहगल
जन्म : 27 अप्रैल, 1912
मृत्यु : 10 जुलाई, 2014

जोहरा सहगल भारतीय रंगमंच और सिनेमा की एक अद्वितीय और बहुमुखी प्रतिभा थीं। उनका जन्म 27 अप्रैल 1912 को उत्तर प्रदेश के रोहिल्ला पठान परिवार में हुआ। उनका मूल नाम साहिबजादी जोहरा बेगम मुमताजुल्ला खान था। बचपन से ही वे स्वतंत्र और जिज्ञासु स्वभाव की थीं। उन्होंने लाहौर के क्वीन मैरी कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की और 1935 में प्रसिद्ध नृत्य गुरु उदय शंकर के नृत्य दल से जुड़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन किया।

जोहरा सहगल ने पृथ्वीराज कपूर के पृथ्वी थियेटर में लगभग 14 वर्षों तक कार्य किया। उन्होंने इप्टा के साथ भी काम किया और फिल्मों जैसे नीचा नगर और धरती के लाल में अभिनय किया। इसके अलावा उन्होंने हम दिल दे चुके सनम, बेंड इट लाइक बेकहम और चीनी कम जैसी लोकप्रिय फिल्मों में भी यादगार भूमिकाएं निभाईं।

उनका विवाह कामेश्वर नाथ सहगल से 1942 में हुआ। पति के निधन के बाद वे दिल्ली आईं और रंगमंच तथा शिक्षण कार्य से जुड़ी रहीं। बाद में वे लंदन भी गईं और वहां बीबीसी के साथ काम किया, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए जोहरा सहगल को 1998 में पद्मश्री, 2002 में पद्मभूषण और 2010 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वे अपनी जीवंतता, हास्यबोध और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए जानी जाती थीं।

10 जुलाई 2014 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी कला, ऊर्जा और प्रेरणा आज भी जीवित है। जोहरा सहगल भारतीय कला जगत की ऐसी शख्सियत रहीं, जिन्होंने पीढ़ियों को प्रेरित किया। ■

कविता

टूटते रिश्ते

रवींद्र कुमार शर्मा, घुमारवीं
जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

आज प्राथमिकताओं के आगे रिश्ते कहां हैं टिकते
अनमोल जो होते थे कभी आज कौड़ियों के भाव हैं बिकते
कभी रिश्तों में हुआ करती थी शहद से भी ज्यादा मिठास
घाव ऐसे मिल रहे हैं रिश्तों में जो ताउम्र धीरे धीरे हैं रिसते
आज प्राथमिकता नहीं है रिश्तों को बचाना
आज आदमी का लक्ष्य है केवल पैसा कमाना
हंसते हुए किसी को देख नहीं सकते
काम रह गया है केवल दूसरों को रुलाना
एक बच्चा है परिवार में उसे रिश्तों की क्या पहचान
भाई बहन बुआ मासी चाचा चाची का नहीं है ज्ञान
नारी का सम्मान कैसे करेगा दिल से कोई
जब उसके मन में ही नहीं है नारी का सम्मान
बूढ़े माता पिता को नहीं रखना चाहता कोई साथ
संवेदनहीन हम हो गए बिगड़ रहे हालात
सिर्फ पैसे की एहमियत है सबके लिए
जिंदा नहीं किसी के मन में अब जज्बात

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रियाएं सुझाव, आलेख और कविताएं *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

मुक्ति संग्राम की विरासत से प्रतिबंध की राजनीति तक

अश्वनी कुमार
स्वतंत्र लेखक

दक्षिण एशिया के राजनीतिक परिदृश्य में हाल के घटनाक्रम ने गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। बांग्लादेश में अगस्त 2024 के बाद जो घटनाएं सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र, न्याय और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मूल सिद्धांतों को नई बहस के केंद्र में ला दिया है। लंबे समय तक सत्ता में रही आवामी लीग, जो कभी देश के स्वतंत्रता संग्राम की प्रतीक थी, आज प्रतिबंध के घेरे में है-यह बदलाव अपने आप में एक ऐतिहासिक विडंबना है।

आवामी लीग की जड़ें 1971 के मुक्ति संग्राम से जुड़ी हैं, जब शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व में इस दल ने स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी। यही कारण है कि इस पार्टी को केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला के रूप में देखा जाता रहा है लेकिन समय के साथ, विशेषकर शेख हसीना के नेतृत्व में, इस पार्टी पर सत्ता के केंद्रीकरण और विपक्ष के दमन के आरोप लगते रहे। 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा, दमन और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों ने इस असंतोष को चरम पर पहुंचा दिया। आंदोलन के बाद अंतरिम सरकार का गठन मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में हुआ, जिसने आवामी लीग के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उस पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। यह कदम कानूनी रूप से उचित ठहराया जा सकता है यदि पार्टी या उसके नेता गंभीर अपराधों में लिप्त पाए जाएं, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से यह निर्णय कई जटिल प्रश्न खड़े करता है। क्या किसी राजनीतिक दल को समाप्त कर देना लोकतंत्र को मजबूत करता है, या यह उसे कमजोर करने की शुरुआत है?

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत बहुलवाद है, जहां विभिन्न विचारधाराएं चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिस्पर्धा करती हैं। यदि कोई दल सत्ता का दुरुपयोग करता है, तो उसका समाधान न्यायिक प्रक्रिया और चुनावी पराजय के माध्यम से होना चाहिए, न कि प्रतिबंध के जरिए। किसी पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का अर्थ केवल उसके नेताओं को दंडित करना नहीं होता, बल्कि उसके लाखों समर्थकों के राजनीतिक अधिकारों को भी सीमित करना होता है। आवामी लीग की ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी पैठ है, और उसके समर्थकों को राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेलना सामाजिक अस्थिरता को जन्म दे सकता है।

इतिहास इस प्रकार के कदमों के परिणामों का साक्षी रहा है। एडोल्फ हिटलर ने 1933 में सत्ता में आते ही विपक्षी दलों को प्रतिबंधित कर दिया, जिससे जर्मनी में तानाशाही का मार्ग प्रशस्त हुआ। मिस्र में मोहम्मद मुर्सी के पतन के बाद मुस्लिम ब्रदरहुड पर प्रतिबंध लगाया गया, जिसने देश को फिर से सैन्य शासन की ओर धकेल दिया। इसी प्रकार रूस में व्लादिमीर पुतिन के शासनकाल में विपक्षी दलों और नेताओं पर प्रतिबंध ने लोकतंत्र को कमजोर किया है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध अक्सर अल्पकालिक समाधान तो दे सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है। जब विपक्ष को समाप्त कर दिया जाता है, तो सत्ता के दुरुपयोग पर नियंत्रण समाप्त हो जाता है और शासन तानाशाही की ओर बढ़ने लगता है। हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि किसी दल या उसके नेताओं ने गंभीर अपराध किए हैं-जैसे मानवाधिकार उल्लंघन या हिंसा, तो उन्हें कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जाए। अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच भी यही मानते हैं कि किसी भी प्रतिबंध को वैध ठहराने के लिए पारदर्शी जांच, ठोस सबूत और न्यायिक प्रक्रिया अनिवार्य है।

बांग्लादेश के संदर्भ में सबसे बड़ा खतरा यह है कि आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने से यह भ्रम पैदा हो सकता है कि समस्या का समाधान हो गया है, जबकि वास्तविक समस्या संस्थाओं का कमजोर होना है। यदि पुलिस, न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं निष्पक्ष और मजबूत नहीं होंगी, तो कोई भी सरकार तानाशाही की ओर बढ़ सकती है- चाहे वह किसी भी दल की हो।

इसके अलावा, प्रतिबंध से राजनीतिक गतिविधियां समाप्त नहीं होतीं, बल्कि वे भूमिगत हो जाती हैं। इससे उग्रवाद, अराजकता और गुप्त संगठनों का खतरा बढ़ जाता है। आवामी लीग के समर्थकों का भूमिगत होना भविष्य में नई अस्थिरता को जन्म दे सकता है, जो न केवल बांग्लादेश बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए चुनौती बन सकती है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि लोकतंत्र की असली ताकत प्रतिस्पर्धा में है, न कि प्रतिबंध में। यदि आवामी लीग ने गलतियां की हैं, तो उसके नेताओं को कानून के तहत सजा मिलनी चाहिए, लेकिन एक पूरी राजनीतिक विचारधारा को समाप्त करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। बांग्लादेश के लिए सबसे उपयुक्त मार्ग यही होगा कि वह निष्पक्ष चुनाव कराए और जनता को निर्णय लेने दे। इतिहास यह सिखाता है कि विचारों को दबाया जा सकता है, लेकिन समाप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए, प्रतिबंध का रास्ता अंततः अस्थिरता और असंतोष को जन्म देता है। बांग्लादेश को चाहिए कि वह अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करे और न्याय तथा पारदर्शिता के आधार पर आगे बढ़े तभी वह अपने भविष्य को स्थिर और समावेशी बना सकेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आखिर दोबारा कब शुरू होगी वरिष्ठ नागरिकों की 'रेल यात्रा छूट' ?

निर्मल रानी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के अनेक देशों में तरह तरह के अभूतपूर्व फैसले लिए गए थे। प्राय: ऐसे फैसलों का मकसद कोरोना महामारी के संक्रमण को यथासंभव रोकना था। इसी दौरान पूरे विश्व में हवाई यातायात तक ठप हो गई थी। अनेक देशों में लॉकडाउन लगा दिया गया था।

कल-कारखाने सभी प्रकार के यातायात, व्यवसाय, उद्योग बजार आदि सभी बंद कर किए गए थे। भारत भी उन्हीं देशों में एक था जहां पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 24 मार्च 2020 की रात को पहले चरण के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। 25 मार्च 2020 की मध्यरात्रि से लागू हुआ प्रथम चरण का यह पूर्ण लॉकडाउन पहले तो केवल 21 दिनों का बताया गया था परंतु बाद में भी इसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया था। इसी पूर्ण लॉकडाउन के दौरान रेल सहित देश की सभी यातायात सुविधाओं को पूर्णत: स्थगित कर दिया गया था। कोरोना का प्रभाव कम होने के बाद भारतीय रेलवे ने 12 मई से चरणबद्ध तरीके से यात्री ट्रेनों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 15 विशेष ट्रेनों के द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को असम, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू, झारखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा के प्रमुख शहरों से जोड़ा गया था।

बाद में धीरे धीरे इनका विस्तार किया गया। भारत सरकार ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। तब सरकार ने तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिए यह छूट समाप्त की गई है, परंतु आज पूरे छह वर्ष बीत जाने के बाद भी, जबकि देशभर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत के लिए एक संकेत लेकर आई है, एक संदेश लेकर आई है, एक अवसर लेकर आई है। भारत ने आपदा को, अवसर में बदल दिया है। रेल विभाग ने भी इसी आपदा में अवसर देखते हुए कोरोना काल की आड़ में कई ऐसे निर्णय ले डाले जो सरकार के लिये भले ही लाभदायक रहे हों, परंतु रेल यात्रियों के लिए तो हरगिज नहीं थे। मिसाल के तौर पर अनेक पैसेंजर ट्रेन को एक्सप्रेस ट्रेन बताकर कहीं स्टॉपेज कम कर दिए गए तो कहीं किराया बढ़ा दिया गया। कई ट्रेनें स्थायी रूप से कैंसिल कर दी गई तो कई के रूट बदल दिए गए। इनमें से कोरोनाकाल के समय किए गए गए कुछ परिवर्तन तो यथापूर्व किए गए, परंतु कुछ कोरोना काल समाप्त होने के बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोनाकाल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना। सवाल यह है कि जब यह छूट समाप्त करते समय अनावश्यक यात्रा रोकने जैसा तर्क दिया गया था तो आज तक उस छूट को पुन: लागू क्यों नहीं किया गया, जबकि अब न केवल कोरोनाकाल के पूर्व की लगभग सभी ट्रेन्स चल रही हैं, बल्कि अनेक नई ट्रेन्स भी पटरियों पर दौड़ने लगी हैं? भारतीय रेल ने लंबे समय तक वरिष्ठ नागरिकों सहित 53 श्रेणियों को किराये में छूट दी, जिसकी शुरुआत 1985 में हुई थी और 2001 से इसे स्वैच्छिक बना दिया गया।

कोविड-19 के दौरान सरकार ने अनावश्यक यात्रा रोकने के तर्क के साथ यह छूट समाप्त कर दी, जिसे बाद में वित्तीय बोझ बताया गया। सरकार का कहना है कि रेलवे पहले ही यात्रियों को औसतन 45% सब्सिडी दे रही है और भारी घाटे में है। वहीं, आलोचकों का आरोप है कि इससे बुजुर्गों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है और सरकार ने हजारों करोड़ रुपए बचाए हैं। विरोधाभास यह भी है कि सरकार विशेष परिस्थितियों में मुफ्त या रियायती ट्रेनें चलाती है। विपक्ष और बुजुर्ग संगठन इसे अन्याय मानते हुए छूट बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

पर्यावरण का प्रदूषित होना हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, डा. धावन, त. बल्ह
जिला मंडी (हि.प्र.)

आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण की सबसे बड़ी समस्या हमारे सामने मुंह बाय खड़ी है। पर्यावरण का असंतुलित होना अथवा दूषित होना मानव जीवन के लिए अत्यंत खतरनाक है। हम देख रहे हैं कि हमारे आसपास, घर, गांव अथवा शहर में प्राय: लोग एक ही बीमारी से पीड़ित हो जाते हैं। क्या कभी हमने इस बारे में सोचा है कि यह सब क्यों और कैसे हो जाता है? इसका मात्र एक ही कारण है और वो है पर्यावरण का दूषित हो जाना।

यह समस्या हमारे देश की ही नहीं है बल्कि समूचे विश्व की है। अगर इस समस्या का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो यह समस्या भयानक रूप धारण कर सकती है जिसका परिणाम होगा असामयिक मृत्यु। इस समस्या को दूर करने के लिए हम सबको सोचने पर विवश होना पड़ेगा। इस प्रदूषित वातावरण के लिए अधिकतर बड़े बड़े औद्योगिक संस्थान, फैक्ट्रियां जिम्मेदार हैं। इन उद्योगों, फैक्ट्रियों से उठने वाले बदबूदार गंदे धुएं से सारा वातावरण दूषित हो जाता है जिससे अनेक बीमारियों के फैलने का अंदेशा हो जाता है। भले ही उद्योग मालिक/प्रबंधक धुआं रहित मशीनरियां लगाने का प्रबंध कर रहे हैं, लेकिन वे सब अपर्याप्त दिखाई देते हैं।

इन फैक्ट्रियों से उठने वाले धुएं अर्थात कार्बन डाइऑक्साइड गैस को मात्र पेड़ ग्रहण करते हैं और पेड़ों से ही हमें शुद्ध वायु ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की आवश्यकता है। जहां पेड़ों का अभाव होता है वहां शुद्ध वायु ऑक्सीजन का भी अभाव रहता है जिस कारण पर्यावरण बिगड़ जाता है। बड़े बड़े शहरों में चल रही अनेक फैक्ट्रियां, मशीनों, सड़कों पर चल रहे अनगिनत वाहनों, स्कूटर, मोटरसाइकिलों आदि से निकलने वाला धुआं भी पर्यावरण को अत्यधिक दूषित कर देता है, सीमेंट फैक्ट्रियों, ईंट के भट्ठों से उठने वाले धुएं और धूल कणों द्वारा भी पर्यावरण दूषित हो जाता है। फैक्ट्रियों से निकलने वाला गंदा पानी, कूड़ा कचरा, शहरों की गंदगी गाड़ियों में भरकर आम खुले स्थानों पर या फिर नदियों, नालों में फैंक दी जाती है, जिससे आस पास के क्षेत्र में बदबू फैल जाती है और नदियों, कुओं तथा अन्य श्रोतों का पानी भी दूषित हो जाता है। इसी कारण जल प्रदूषण में आए दिन बढ़ोतरी होती जा रही है। परिणाम स्वरूप उस क्षेत्र के नदी,नालों, तालाबों,बावड़ियों, कुओं आदि का पानी दूषित हो जाता है जो पीने योग्य नहीं रह जाता। इस पानी को पीने वाले और स्नान करने वाले लोग संक्रामक बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। नदियों, कुओं,तालाबों, बावड़ियों आदि पर सामूहिक स्नान करना भी हानिकारक होता है।

प्लास्टिक के बैग आदि तो कुछ राज्य सरकारों द्वारा बंद कर दिए गए हैं, परंतु सरकारी डिपुओं, दुकानों में मिलने वाला समान अभी तक प्लास्टिक पैकों में आ रहा है। खाने का सामान जैसे दालें, तेल, घी, चिप्स, कुरकुरे आदि प्लास्टिक पैकों में ही आता जा रहा है। इन पैकटों के खाली होने पर, उन्हें यहां,वहां फैंक दिया जाता है जिसे अगर कोई पशु भी खा ले तो वो भी मर जाता है, इसलिए सरकार को इस ओर भी ध्यान देना होगा और इन प्लास्टिक के खाली पैकटों को तत्काल बंद करना होगा।

है। कई भूमि मालिक आर्थिक लाभ के लिए ठेकेदारों को खनन की अनुमति दे देते हैं, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। इस अंधाधुंध खुदाई से भूमि की उर्वरता घटती है, जल स्तर नीचे चला जाता है और जल संकट गहराने लगता है। साथ ही धूल और प्रदूषण भी बढ़ता है। इसलिए सरकार को इस प्रकार के अवैध और अत्यधिक खनन पर सख्त रोक लगानी चाहिए।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना भी आवश्यक है। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं और जीवन का आधार हैं। अत: अनावश्यक पेड़ों की कटाई रोकनी चाहिए तथा एक पेड़ काटने पर कम से कम दस पेड़ लगाने चाहिए। अत: हम सबको चाहिए कि हम अपने आस पड़ोस,घर, गांव, शहर में स्वच्छता बनाए रखें। 'पेड़ लगाओ, जीवन पाओ।'

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज का नौजवान : मानवता का वाहक या भटकती शक्ति?

केशव शर्मा 'रसिक'
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला, घुमारवीं

समाज का भविष्य सदैव युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। हर देश, हर संस्कृति और हर युग में नौजवानों को परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। आज का युवा ऊर्जा, उत्साह, सपनों और नई सोच का प्रतीक है। वह नई तकनीक अपनाने वाला, चुनौतियों का सामना करने वाला और बेहतर भविष्य की कल्पना करने वाला वर्ग है। फिर भी जब समाज में अपराध, हिंसा, नशाखोरी और नैतिक पतन की घटनाएं सामने आती हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आज का नौजवान इंसान है या हैवान। यह प्रश्न जितना कठोर है, उतना ही गहन चिंतन की मांग भी करता है।

वास्तव में, किसी भी पूरी पीढ़ी को एक ही दृष्टिकोण से देखना उचित नहीं है। आज का युवा दोनों ही छवियों के बीच संघर्ष करता हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह शिक्षा प्राप्त कर रहा है, तकनीकी ज्ञान हासिल कर रहा है और समाज के विकास में योगदान दे रहा है। देश की सीमाओं पर तैनात जवान, अस्पतालों में सेवा देने वाले युवा डॉक्टर, नई-नई कंपनियां और स्टार्टअप शुरू करने वाले नवयुवक, तथा समाज सेवा में लगे छात्र—ये सभी उदाहरण यह दर्शाते हैं कि आज का नौजवान इंसानियत की मिसाल है।

कोरोना महामारी के कठिन समय में युवाओं ने जो भूमिका निभाई, वह अत्यंत प्रेरणादायक रही। लाखों युवाओं ने जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाया, रक्तदान किया, दवाइयों की व्यवस्था की और बुजुर्गों की सहायता की। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वच्छता जैसे अभियानों में भी युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिलती है। ये सभी कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि आज का नौजवान संवेदनशील, जागरूक और जिम्मेदार है।

हालांकि, दूसरी ओर समाज का एक ऐसा पक्ष भी है, जहां कुछ युवा अपराध, नशाखोरी, हिंसा और गलत संगत की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। छोटी-छोटी बातों पर झगड़े, सड़क पर खतरनाक स्टंट, महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और लालच में आकर गलत कार्य करना चिंता का विषय बन गया है। जब युवा अपनी शक्ति का उपयोग विनाशकारी कार्यों में करने लगता है, अपने माता-पिता का सम्मान भूल जाता है और कानून का उल्लंघन करता है, तब उसका व्यवहार मानवीय न होकर अमानवीय प्रतीत होता है। यह समझना भी अत्यंत आवश्यक है कि हर भटकता हुआ युवा जन्म से गलत नहीं होता। उसके पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण होते हैं, जैसे बेरोजगारी, पारिवारिक तनाव, गलत मित्र मंडली, शिक्षा में नैतिक मूल्यों की कमी और नशे का बढ़ता प्रभाव। यदि इन परिस्थितियों को सुधारा जाए और युवाओं को सही दिशा मिले, तो वही युवा देश के विकास का आधार बन सकता है। इसलिए आज के नौजवान को दोष देने के बजाय उसे उचित मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करना आवश्यक है। परिवार को चाहिए कि वह अच्छे संस्कार दे, विद्यालयों को चरित्र निर्माण पर ध्यान देना चाहिए, सरकार को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए और समाज को सकारात्मक वातावरण बनाना चाहिए। युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सेवा से जोड़ना समय की मांग है। आज का नौजवान न तो पूरी तरह इंसान है और न ही पूरी तरह हैवान। वह एक अपार शक्ति है, जिसे जैसी दिशा मिलेगी, वह वैसा ही रूप धारण कर लेगा।

यदि उसे प्रेम, संस्कार, अवसर और सही मार्गदर्शन मिलेगा, तो वह देश का गौरव बनेगा; लेकिन यदि उसे उपेक्षा, बेरोजगारी और गलत संगत मिलेगी, तो वही शक्ति विनाशकारी बन सकती है। इसलिए असली प्रश्न यह नहीं है कि नौजवान इंसान है या हैवान, बल्कि यह है कि समाज उसे क्या बना रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

बैहल चम्याणू दंगल एक मई को

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के बैहल चम्याणू में हर साल की भांति इस वर्ष भी दंगल का आयोजन किया जाएगा। लखदाता छिंज कमेटी बैहल चम्याणू के सदस्यों प्रधान सुरेश कुमार, विधि चंद, अच्छर सिंह, जसवंत सिंह, बलदेव तथा मेघ सिंह ने पहलवानों, दुकानदारों तथा क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि इस साल 30 अप्रैल को सवाल और पहली मई को होने वाले दंगल में पहलवान व क्षेत्रीय लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। 30 अप्रैल को पहलवानों के ठहरने व खाने का प्रबंध कमेटी की तरफ से किया जाएगा।

चोलथरा-बसंतपुर पंचायतों में अढ़ाई माह से नहीं मिल रही गैस

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चोलथरा के गांव कोठी तथा ग्राम पंचायत बसंतपुर के बहल, रसैन गल्लू सहित कई गांवों में पिछले करीब अढ़ाई महीने से एलपीजी घरेलू गैस की आपूर्ति ठप होने से लोगों में भारी आक्रोश है। रोजमर्रा की इस जरूरी सुविधा के अभाव में ग्रामीणों की रसोई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है और उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकाघाट गैस एजेंसी के इंचार्ज को बार-बार फोन करने के बावजूद वे कॉल नहीं उठाते, जिससे लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। इस बीच क्षेत्र की पूर्व बीडीसी सदस्य कुसम वर्मा ने भी इस गंभीर समस्या को उठाते हुए संबंधित विभाग से जल्द से जल्द गैस आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके। एरिया मैनेजर संजय कुमार ने आश्वासन दिया है कि 30 अप्रैल को इस क्षेत्र में एलपीजी गैस की आपूर्ति कर दी जाएगी। उन्होंने उपभोक्ताओं को हुई असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया है।

सर्वसम्मति से पूजा बनी एसएमसी की अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, मंडी। राजकीय माध्यमिक पाठशाला सैन बेहल शिक्षा खंड सदर-1 में स्कूल प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से पूजा को अध्यक्ष और हंसा देवी, महेश्वरी (मधु) को सदस्य, पूनम को वरिष्ठ सलाहकार, निट्टू तथा पदेन सदस्य के रूप में वार्ड मेंबर शांता देवी को शामिल किया गया। यह जानकारी स्कूल इंचार्ज राकेश कौशल ने दी।

निजी क्षेत्र के युवाओं की मांगें जायज: रमेश

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व प्रत्याशी सरकाघाट विधानसभा रमेश चंद भारद्वाज ने निजी क्षेत्र में कार्यरत युवाओं की मांगों को जायज बताते हुए उनके समर्थन में आवाज उठाई है। उन्होंने नोएडा, करनाल सहित विभिन्न स्थानों पर कंपनियों के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई और कहा कि निजी क्षेत्र के कर्मचारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं,

बावजूद इसके उन्हें अपेक्षित सम्मान और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ उपमंडल अधिकारी (ना.) सरकाघाट के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 20 सूत्रीय मांग पत्र भेजा। ज्ञापन में निजी क्षेत्र में लंबे समय से कार्यरत युवाओं को सरकारी नौकरी, सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर वेतन, भत्ते व पारिवारिक पेंशन, न्यूनतम 20 वर्ष का अनुभव मान्य करने, प्रत्येक फैक्टरी में स्थायी लेबर इंस्पेक्टर नियुक्त करने और 8 घंटे की निश्चित ड्यूटी लागू करने की मांग उठाई गई है। इसके अलावा बड़ी कंपनियों में परिवहन व आवास सुविधा, पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया, कार्यस्थल पर बेहतर सुविधाएं और कामगार बोर्ड के गठन की भी मांग शामिल है। इस मौके पर अमी चंद, मदन मोहन, मेघ राज और रत्न सिंह नांगिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सुंदरनगर बस अड्डे के पास नाले में डाला जा रहा गंदा पानी

बदबू और मच्छरों से लोग परेशान, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान

भीम बसेहु राजपूत, महादेव। नया बस अड्डा सुंदरनगर से सटे नाले में इतनी अधिक गंदगी डाली जा रही है, अगर इसे नरक का द्वार कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। नगर परिषद सुंदरनगर यह एक बड़ा भाग सरेआम गंदगी के हवाले किया जा रहा है। झुग्गी झोपड़ी वालों ने जहां नाले में डेरा डाल कर सुंदरनगर की सुंदरता को ग्रहण लगा रखा है।

वहीं, दूसरी ही ओर शहरी की घनी आबादी के बीच से होकर बाकायदा पाइप डालकर गंदे पानी की निकासी शहरी क्षेत्र के यहां नाले में डाली जा रही है। जिससे चारों ओर प्रदूषण फैलने के चलते मच्छर -मक्खियों की भरमार हो गई है। वहीं, गंदे पानी की निकासी का यह बेरोकटोक कार्य नगर परिषद की नाक तले हो रहा है। वायु प्रदूषण में इजाफा होने से खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

मिली सूचना के मुताबिक बस अड्डे से सटे नाले में वडयाल नाले समेत आसपास के अन्य छोटे बड़े नाले इत्यादि मिलते हैं, जिससे सुंदरनगर का यह अहम स्थल गंदगी का साम्राज्य होकर रह गया है। कहीं-कहीं तो नाक ढांपकर निकलने की नौबत आ गई है। बुद्धिजीवी लोगों ने रोष जताते हुए कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि नगर परिषद द्वारा स्वच्छता को बढ़ावा देना तो दूर की बात गंदा पानी आदि डालने का काम उनकी नाक तले सरेआम किया जा रहा है। लोगों ने स्थानीय प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि शीघ्र ही योजनाबद्ध तरीके से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने तथा गंदगी न डाले जाने को लेकर बड़े पैमाने पर काम किया जाए।

यहां डाला जा रहा गंदा पानी।

युवा शक्ति ने उठाया बेसहारा पशुओं के संरक्षण का बीड़ा

पांच मील सुकी बाई में बाबा संजय नाथ गोशाला का शुभारंभ

गोशाला में बंधे बेसहारा पशुओं के पास खड़े गोसेवक। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। सड़कों पर बेसहारा घूम रहे पशुओं के संरक्षण के लिए क्षेत्र की युवा शक्ति आगे आई है। पांच मील सुकी बाई में बाबा संजय नाथ जी की स्मृति में गोशाला का शुभारंभ किया गया, जहां बेसहारा गोवंश के लिए आश्रय, खान-पान और देखरेख की समुचित व्यवस्था की जा रही है।

गोसदन के संस्थापकों ने बताया कि सड़कों पर बैठे बेसहारा पशुओं के कारण ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, जिसे देखते हुए इस गौशाला की स्थापना की गई है। यहां पशुओं को छत, नियमित देखभाल और स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बाबा संजय नाथ गोशाला के मुख्य संस्थापक अंकुश मोहन ने आमजन से अपील की कि किसी भी पशु को सड़कों पर बेसहारा न छोड़ें और संभव हो तो उन्हें गोशाला में रखें, जहां उनकी समुचित देखभाल की जाएगी। उन्होंने बताया कि गोसेवा के लिए युवाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, जिससे गोरक्षकों में उत्साह का माहौल है। मोहन ने गोशाला के सुचारु संचालन के लिए समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील की है।

छोटा भंगाल-चौहार घाटियों में पंचायत चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। प्रदेश में जारी रोस्टर के बीच जिला कांगड़ा के बैजनाथ ब्लॉक की छोटा भंगाल घाटी और मंडी के पद्धर ब्लॉक की चौहार घाटी में पंचायत चुनाव को लेकर माहौल गरमा गया है। वार्ड सदस्य से लेकर जिला परिषद तक के इच्छुक उम्मीदवार गांवों में बैठकें करने, बाजारों, ढाबों और चाय की दुकानों पर जनसंपर्क साधने में जुट गए हैं।

वहीं, सोशल मीडिया पर भी पोस्टर और संदेशों के माध्यम से समर्थन मांगा जा रहा है। कहीं विकास के दावे किए जा रहे हैं तो कहीं नए चेहरों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। दिलचस्प यह है कि जो दावेदार पहले लोगों से दूरी बनाए रखते थे, अब वे अपनापन दिखाकर समर्थन जुटाने में लगे हैं। ग्रामीण सरकार कहे जाने वाले इन चुनावों में बड़ी भागीदारी को देखते हुए संभावित उम्मीदवार सक्रिय हो गए हैं। जिला प्रशासन ने चुनावी तैयारियां पूरी करते हुए मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशित कर दिया है, जिनकी जांच के साथ लोग आवश्यक सुधार और आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं।

◆ दावेदारों ने गांव-गांव बैठकों और बाजारों में प्रचार तेज किया, मतदाता सूची संशोधन जारी

अधिकारियों के अनुसार सूची संशोधन प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी ताकि तिथियां घोषित होते ही मतदान बिना देरी के कराया जा सके। संभावित उम्मीदवार समर्थकों के वोट बनवाने के लिए जिला मुख्यालयों के चक्कर भी लगा रहे हैं, जबकि सभी की नजरें अब राज्य सरकार पर टिकी हैं, जो किसी भी समय चुनाव तिथियों की घोषणा कर सकती है। तिथियां घोषित होते ही नामांकन, नाम वापसी और अंतिम मुकाबले को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

सुंदरनगर के चौगान में टेक्सटाइल इंजीनियर ने लगाया फंदा

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। उपमंडल सुंदरनगर के तहत आने वाले चौगान क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां एक व्यक्ति ने अपने ही घर में फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान विवेक सेन (39) पुत्र भूपेंद्र सेन निवासी चौगान तहसील सुंदरनगर जिला मंडी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विवेक सेन पेशे से टेक्सटाइल इंजीनियर था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक विवेक सेन पिछले कुछ समय से डिप्रेशन की समस्या से जूझ रहा था। घटना का पता चलते ही परिजनों ने तुरंत ही उसे नागरिक अस्पताल सुंदरनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना अस्पताल प्रशासन द्वारा पुलिस थाना बीएसएल कॉलोनी को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। जानकारी देते हुए एसपी मंडी विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

झील किनारे के प्लास्टिक के गति अवरोधक खत्म; निकली कीलें, वाहन चालक परेशान

अनंत ज्ञान

महादेव। बीएसएल (बीबीएमबी) परियोजना सुंदरनगर की झील किनारे के गड्ढों में पड़े सड़क मार्ग पर लगाए गए प्लास्टिक के गति अवरोधक लगभग खत्म हो गए हैं और उसकी कीलें-रिप्ट आदि खड़े रुख में रह गई हैं, जिससे गर्म हुए मौसम में टायर पंचर होने का खतरा हरदम बना हुआ है। चूंकि निकली हुई कीलें-रिप्टें सड़क मार्ग के बीचों बीच एवं किनारे तक देखी जा सकती है, जिससे वाहन चालकों सहित पदयात्रियों को भी परेशानी होना स्वाभाविक सी बात है।

सड़क किनारे लगे गतिअवरोधक उखड़े हुए।

मिली सूचना के मुताबिक झील किनारे की सड़क पर यातायात खूब रहता है और खासकर बाइकर्स इस मार्ग पर अत्यधिक गति से आते जाते रहे हैं, जिससे लोगों को बेहद परेशानी झेलनी पड़ती रही है। ऐसे में बार-बार के गति अवरोधक लगाने की मांग के चलते यह अवरोधक रिकार्ड संख्या में लगाए तो जरूर गए, मगर पक्के न लगाकर प्लास्टिक के लगा दिए गए, जो लंबे समय तक टिकाऊ न रहकर जल्दी ही खराब हो गए है। अब इनके ऊपर की ओर निकली कीलें परेशानी का सबब बनी हुई हैं। लोगों ने डीसी मंडी तथा बीबीएमबी प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि सड़कों को खेल का मैदान नहीं समझा जाना चाहिए। बाइकर्स की अत्यधिक गति एवं स्टंटबाजी रोकने के लिए शीघ्र ही स्वच्छता अपनाते हुए झील किनारे की सड़क का समुचित सुधार कर बेहतरीन तकनीक से उचित स्थानों पर पक्के गति अवरोधक निर्मित किए जाएं।

भटके हुए मनोरोगियो की शरण स्थाली है श्रद्धा पुनर्वास केंद्र कर्जत

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। श्रद्धा फाउंडेशन द्वारा भारत के रास्तो पर घुमने वाले मनोरोगियों को रास्ते से उठाकर संस्था मैं इलाज करके फिर पूरे भारत मैं जहां कहीं का हो उसे घर पहुंचता है। इसी तरह आज परमानंद के बेटा राजू उर्फ राजकुमार गांव जरल, जिला मंडी का निवासी है और जब 15 साल का था तब अपने घर से चला गया था। इसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण भटकते-भटकते दिल्ली पहुंच गया। वहां की संस्था अपना घर आश्रम ने रास्ते से उठाकर मैं अपने संस्थान में भर्ती किया और फिर इलाज और पुनर्वास के लिए श्रद्धा फाउंडेशन कर्जत मुंबई ट्रांसफर किया।

उपचार के बाद धीरे-धीरे इसकी मानसिक स्थिति मैं सुधार आया और इसने अपना पता बताया तो संस्था के सोशल वर्कर स्वरूप कुमार उसे लेकर उसके अपने गांव फतेहपुर में पहुंचा और वहां के प्रधान दिलीप के साथ मिलकर उनके घर पर पहुंचे। उसके परिवार वालों को राजू के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने बताया कि राजू 40 वर्ष बाद अपने घर वापस आया है। राजू के परिवार वालों ने श्रद्धा फाउंडेशन और प्रधान का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

स्वरूप कुमार ने बताया की संस्था 1988 से चल रहीं है और संस्था के फाउंडर डाक्टर भरत वाटवानी और उनकी पत्नी स्मिता वाटवानी की देखरेख मैं अभी तक लगभग 14000 लोगों को ठीक कर के घर पहुंचाया है।

नाचन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दीप शर्मा ने संभाला कार्यभार

अनंत ज्ञान

बैठक में मंच पर उपस्थित नेता। अनंत ज्ञान

नेरचौक। नाचन ब्लॉक कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को कामक्षा मंदिर जयदेवी में आयोजित हुई, जिसमें नवनियुक्त अध्यक्ष दीप शर्मा ने विधिवत कार्यभार संभाला। बैठक में हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति विकास निगम के अध्यक्ष लाल सिंह कौशल विशेष रूप से मौजूद रहे। लंबे समय बाद नरेश चौहान, संजू डोगरा, दामोदर दास, ब्रह्म दास चौहान व जसबीर एक मंच पर दिखे। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष उपेंद्र ठाकुर सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने दीप शर्मा का फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया, जबकि लाल सिंह कौशल सहित वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। बैठक में जागृति राणा, नरेश चौहान, किशोरी बालिया तथा प्रेमलाल गुड्डू ने विचार रखे और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। लाल सिंह कौशल ने कहा कि नाचन कांग्रेस में गुटबंदी नहीं है और संगठन मजबूत है, शीघ्र ही बग्गी में कार्यकर्ताओं का सेमिनार होगा। दीप शर्मा ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत किया जाएगा और बूथ स्तर तक ढांचा सुदृढ़ होगा। कमियों पर मंथन कर जमीन से जुड़ा संगठन तैयार किया जाएगा, जो 2027 में भाजपा को कड़ी चुनौती देगा। बैठक में बलदेव, चिंत राम शास्त्री, अजय आनंद, जंग बहादुर, केसरी लाल, पंकज चौधरी, बोध राज, फते राम, दीवान शर्मा, सिद्धू राम, हेम सिंह ठाकुर आदि मौजूद रहे।

बलविंद्र सोढ़ी प्रधान और उमेश भारद्वाज बने प्रेस क्लब सुंदरनगर के महासचिव

अनंत ज्ञान

नवगठित कार्यकारिणी सामूहिक चित्र में।

सुंदरनगर। प्रेस क्लब सुंदरनगर के चुनाव रविवार लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में चुनाव अधिकारी अदीप सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुए। इस अवसर पर सर्वसम्मति से बलविंद्र सोढ़ी को प्रधान और उमेश भारद्वाज को महासचिव बनाया गया।

बैठक के दौरान प्रेस क्लब सुंदरनगर की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें गगन शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राकेश शर्मा और सचिन शर्मा को उपाध्यक्ष, नितेश सैनी को संगठन सचिव, रोहित कौशल को कोषाध्यक्ष, लीलाधर शर्मा को प्रेस सचिव तथा पवन देवगन को सहसचिव के दायित्व सौंपे गए। इसके अलावा अदीप सोनी, सुरेंद्र शर्मा और रोशनलाल शर्मा को क्लब का सलाहकार नियुक्त किया गया है। जबकि कुलभूषण चब्बा, विजय कुमार, महेश शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

इस दौरान नवनियुक्त प्रधान बलविंद्र सोढ़ी ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है वे पूरी लग्न के साथ उसका निर्वहन करेंगे।

कोठी कोहड़ में वर्षों से फार्मासिस्ट पद खाली, पशुपालकों में रोष

अनंत ज्ञान, बरोट। प्रदेश सरकार की योजनाओं के बावजूद छोटाभंगाल घाटी के पशुपालकों और भेड़पालकों को राहत नहीं मिल रही है, जिससे क्षेत्र में रोष है। कोठी कोहड़ पंचायत के पूर्व उपप्रधान रूप लाल ठाकुर व पूर्व उपप्रधान महेंद्र सिंह ने बताया कि कोठी कोहड़ वेटर्नरी डिस्पेंसरी में करीब पांच वर्षों से फार्मासिस्ट का पद खाली है, जबकि भेड़-ऊन केंद्र में भी कई वर्षों से यही स्थिति बनी हुई है। इससे पशुपालकों और भेड़पालकों को उपचार व दवाइयों के लिए भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

◆ वेटर्नरी डिस्पेंसरी और भेड़-ऊन केंद्र में स्टाफ की कमी से दिक्कतें शीघ्र नियुक्ति की मांग

उन्होंने कहा कि फार्मासिस्ट की ड्यूटी तो लगाई गई है, लेकिन समय पर उपलब्ध न होने से दिक्कतें बनी रहती हैं। इस मुद्दे पर पंचायत स्तर पर कई बार प्रस्ताव पारित कर बैजनाथ क्षेत्र के विधायकों और पशुपालन विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। उन्होंने विधायक किशोरी लाल और विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि वेटनरी डिस्पेंसरी और भेड़-ऊन केंद्र में रिक्त फार्मासिस्ट पदों को शीघ्र भरा जाए, ताकि स्थानीय पशुपालकों को राहत मिल सके।

विजेताओं को सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

अंडर-12 रग्बी में सिरमौर ने जीते स्वर्ण पदक

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। हिमाचल प्रदेश में पहली अंडर-12 बालक एवं बालिका रग्बी प्रतियोगिता का आयोजन बहुतकनीकी संस्थान के खेल मैदान में हुआ। इसमें सिरमौर जिले की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्गों के खिताब अपने नाम किए।

बालिका वर्ग के फाइनल में सिरमौर ने शिमला को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि बालक वर्ग में भी सिरमौर ने इसी अंतर से शिमला को पराजित किया। समापन समारोह में मुख्यातिथि विवेक चंदेल ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन व आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। इस प्रतियोगिता में 104 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

रूम टू रीड के सहयोग से बाल मित्र पुस्तकालय विकसित करने की पहल

प्रारंभिक स्कूलों के पुस्तकालय होंगे सक्रिय

अनंत ज्ञान

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी। समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश द्वारा जिला की लगभग डेढ़ हजार प्रारंभिक पाठशालाओं के पुस्तकालयों को सक्रिय करने के लिए 'रूम टू रीड' इंडिया ट्रस्ट के सहयोग से कार्य किया जाएगा। इस उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में जिला से तीन राज्य स्रोत व्यक्तियों ने भाग लिया। इनमें स्कूल प्रधानाचार्य धर्मपाल, डाइट से सहायक पुस्तकाध्यक्ष मीना ठाकुर और प्रवक्ता बलबीर राणा शामिल रहे।

समग्र शिक्षा जिला परियोजना अधिकारी मीना राठौर के अनुसार, इस प्रशिक्षण के बाद जिला एवं खंड स्तरीय स्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रारंभिक स्कूल प्रभारियों के लिए भी कार्यशालाएं आयोजित होंगी। इसका उद्देश्य स्कूल पुस्तकालयों को अधिक प्रभावी और उपयोगी बनाना है।

समग्र शिक्षा जिला परियोजना अधिकारी मीना राठौर व अन्य। अनंत ज्ञान

कार्यशाला में पुस्तकालयों को बाल मित्र पुस्तकालय के रूप में विकसित करने, पठन संस्कृति को बढ़ावा देने, पुस्तक स्तरीकरण, पठन गतिविधियों, स्वतंत्र एवं सह पठन, अभिभावक व समुदाय सहभागिता, लाइब्रेरी रेटिंग सिस्टम और डिजिटल नवाचार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से बच्चों में पढ़ने की रुचि बढ़ेगी और पुस्तकालयों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। हालांकि, कई विद्यालयों में पुस्तकें अलमारियों तक सीमित रहने की समस्या भी सामने आई है, जिसे दूर करने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

डीएसी नंबर से ही लें एलपीजी गैस सिलेंडर: खाद्य आपूर्ति विभाग

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। खाद्य आपूर्ति विभाग सुंदरनगर ने गैस उपभोक्ताओं से गैस वितरण प्रणाली को सुचारु, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। विभाग के अनुसार अब रसोई गैस सिलेंडर की डिलीवरी केवल डीएसी नंबर के माध्यम से ही की जा रही है, जो ऑनलाइन बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है।

खाद्य निरीक्षक हमेंद्र सिंह ने बताया कि उपमंडल में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और हर उपभोक्ता तक पहले की तरह घर-द्वार पर सिलेंडर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे गैस बुकिंग के लिए अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से निशुल्क नंबर 84549-55555 पर रात 8 से 12 बजे के बीच कॉल करें। उन्होंने बताया कि बुकिंग के बाद उपभोक्ता को एक रेफरेंस नंबर प्राप्त होता है और लगभग चार घंटे बाद डीएसी नंबर भेजा जाता है। गैस सिलेंडर प्राप्त करते समय उपभोक्ता को यह डीएसी नंबर गैस कर्मियों को दिखाना अनिवार्य है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना डीएसी नंबर के गैस वाहन के पास न जाएं, जिससे वितरण प्रक्रिया में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध करवाई जा सके। खाद्य निरीक्षक ने बताया कि एक गैस एजेंसी को एक बार में करीब 342 सिलेंडरों की सप्लाई मिलती है। जब तक इन सभी सिलेंडरों के डीएसी नंबर ऑनलाइन दर्ज नहीं किए जाते, तब तक इंडियन आयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा अगली खेप जारी नहीं की जाती है। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि बिना डीएसी नंबर के गैस लेने की कोशिश न करें और गैस वितरण में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें।

इग्नू केंद्र में शिक्षार्थियों को दी पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र 1102 में विभिन्न पाठ्यक्रमों के शिक्षार्थियों के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन सह इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. राजकुमार ठाकुर ने की।

उन्होंने अपने संबोधन में इग्नू के इतिहास, शिक्षा क्षेत्र में योगदान और अध्ययन केंद्र में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रवेश प्रक्रिया, असाइनमेंट और प्रायोगिक परीक्षाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इग्नू विश्व का अग्रणी मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसमें 2 करोड़ 11 लाख 24 हजार 722 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हैं और 333 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के काउंसलर एवं विभागाध्यक्ष फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन ने क्रेडिट सिस्टम, प्रोजेक्ट वर्क और डिसर्टेशन की जानकारी साझा की, जबकि शिक्षा विभाग की काउंसलर डॉ. मोनिका ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रोजेक्ट कार्य पर प्रकाश डाला। पूर्व सह-समन्वयक डॉ. महेंद्र जमवाल ने छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार ठाकुर, फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन, डॉ. मोनिका, डॉ. महेंद्र जमवाल और सह-समन्वयक डॉ. होशियार सिंह ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र शिमला के अतिरिक्त निदेशक डॉ. मोहन शर्मा द्वारा अध्ययन केंद्र के कार्यों की सराहना का संदेश भी साझा किया गया। उन्होंने बुनियादी ढांचे, प्रशासनिक दक्षता और शिक्षार्थी सहायता सेवाओं को मजबूत करने के प्रयासों को सराहनीय बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. होशियार सिंह ने किया।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर के साहित्यकारों को मिला सम्मान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। देवभूमि हिमकला मंच, शिमला द्वारा आयोजित 'बांका मुल्का हिमाचला' कार्यक्रम में बिलासपुर के साहित्यकार कैप्टन डॉ. जय महलवाल (अनजान) और सुमन चड्ढा को ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दोनों ने अपनी प्रतिभा से विशेष पहचान बनाई। ऑनलाइन आयोजित हिमाचली टोपी प्रतियोगिता में कैप्टन डॉ. जय महलवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुमन चड्ढा द्वितीय स्थान पर रहीं। मुख्य अतिथि अनिल हारटा, सहायक निदेशक भाषा एवं कला विभाग, ने दोनों को बधाई देते हुए उनके साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान की सराहना की। सुमन चड्ढा को 'हिम शिखर सम्मान' से भी सम्मानित किया गया। इन उपलब्धियों से दोनों ने बिलासपुर जिले का गौरव बढ़ाया है।

राजीव बिंदल के बयान से महिलाओं के प्रति उनकी व पार्टी की सोच उजागर: हीरा पाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल के कथित विवादित बयान को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में उनके द्वारा धरना-प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव ठाकुर हीरा पाल सिंह ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह घटना पार्टी की महिलाओं के प्रति सोच को उजागर करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो पार्टी महिला सशक्तिकरण की बात करती है, उसके नेता इस प्रकार की भाषा कैसे प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से आचरण सुधारने और सार्वजनिक मंचों पर मर्यादित भाषा अपनाने की अपील की।

विकसित भारत का संकल्प 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक दायित्व : जीतराम

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल प्रधानमंत्री या केंद्र सरकार का नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक दायित्व है। रविवार को 'मन की बात' के 133वें संस्करण को सुनने के बाद उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में नई ऊर्जा देता है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए प्रेरक उदाहरण बताते हैं कि आम नागरिक पर्यावरण, नवाचार और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में मिसाल कायम कर रहे हैं। इसके बाद कटवाल ने श्रीमद्भागवत कथा में सहभागिता की तथा मलांगण, घंडीर, निहाण व गालियां पंचायतों का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से क्षेत्र के समग्र विकास का संकल्प दोहराया।

कोल डैम से पर्यटन हब की ओर कसोल, डॉ. प्रकाश चंद ठाकुर का 'मॉडल विलेज' विजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर के सलापड़ से करीब 13 किमी दूर स्थित कसोल गांव कोल डैम के सहारे पर्यटन हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस पहल को कसोल विकास मंच के संयोजक डॉ. प्रकाश चंद ठाकुर आगे बढ़ा रहे हैं, जिनका लक्ष्य क्षेत्र को 'मॉडल विलेज' के रूप में विकसित कर स्थानीय युवाओं को रोजगार देना है। डॉ. ठाकुर लंबे समय से क्षेत्रीय विकास में सक्रिय रहे हैं। कोल डैम परियोजना के शुरुआती दौर में भी उन्होंने विस्थापितों की आवाज उठाई और जमीनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। बचपन से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे डॉ. ठाकुर ने बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास में भी अहम भूमिका निभाई है। अब उनका फोकस कसोल को पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने का है, जिसके लिए वे जनप्रतिनिधियों और केंद्रीय स्तर पर भी प्रयासरत हैं।

मंत्री धर्माणी अपने छात्र जीवन साथी से मिले

अनंत ज्ञान, ऊना। गोंदपुर बनेहड़ा में हिमाचल सरकार के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी अपने छात्र जीवन के साथी राजन शर्मा से मिले। यह मुलाकात राजन शर्मा के आग्रह पर हुई, जिसमें दोनों ने पुरानी यादों को ताजा किया। राजन शर्मा ने बताया कि राजेश धर्माणी छात्र जीवन से ही मिलनसार, सहायक और दूरदर्शी सोच वाले व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने उच्च पद पर पहुंचने के बावजूद उनके स्वभाव में आज भी वही सादगी और अपनापन बना हुआ है। यह मुलाकात उनके लिए बेहद खुशी और गर्व का क्षण रही। उन्होंने मंत्री के व्यक्तित्व को प्रेरणादायक और अनुकरणीय बताया।

प्रतिभागियों को मिला ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (पीएनबी आरसेटी) ऊना में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ब्यूटी पार्लर व्यवसाय से जुड़ी विभिन्न तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान ब्राइडल मेकअप की बारीकियां भी विस्तार से सिखाई गईं। मास्टर ट्रेनर रणजीत कौर ने ब्राइडल मेकअप का लाइव प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, जबकि अंजलि ने भी सहयोग किया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामूहिक रूप से ब्राइडल तैयार किया। कार्यक्रम संचालक आकाश भारद्वाज ने बताया कि संस्थान 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रहा है।

वार्षिक साधारण अधिवेशन 3 मई को

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं की अग्रणी समाजसेवी संस्था संस्कार सोसाइटी का वार्षिक साधारण अधिवेशन 3 मई (रविवार) को उत्सव महल, पट्टा में आयोजित किया जाएगा। संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने बताया कि इस अधिवेशन में वर्ष 2025-26 की वार्षिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी और आगामी वर्ष की योजनाओं पर विचार-विमर्श कर उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्था समाजहित में लगातार कार्य कर रही है, जिसमें 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान', पौधारोपण, संस्कार उत्सव, मेधावी छात्र सम्मान, जरूरतमंद छात्र सहयोग निधि और जल संरक्षण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। महेंद्र धर्माणी ने सभी सदस्यों से अधिवेशन में सक्रिय भागीदारी की अपील की और सुझाव देकर संस्था को और सशक्त बनाने का आग्रह किया।

चिंतपूर्णी में श्रद्धालुओं को मिले मूलभूत सुविधाएं

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। विश्व प्रसिद्ध माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने की मांग उठी है। अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेशाध्यक्ष एवं समाजसेवी विनोद शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार वैष्णो देवी और स्वर्ण मंदिर जैसे बड़े धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, उसी तरह की व्यवस्था चिंतपूर्णी मंदिर में भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं के लिए मुख्य बाजार क्षेत्र में पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा और टेंट व्यवस्था की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि केवल कुछ टेंट लगाकर व्यवस्था पूरी नहीं मानी जा सकती। उन्होंने मंदिर प्रशासन से अपील की कि जब तक विस्तारीकरण कार्य पूरा नहीं होता, तब तक अधिकारी स्वयं मौके पर आकर व्यवस्था की निगरानी करें, विशेषकर सप्ताहांत पर जब भीड़ अधिक रहती है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं के अनुभव को बेहतर बनाना जरूरी है ताकि वे सकारात्मक संदेश लेकर लौटें।

ऊना में गर्मी का कहर : पारा 41.8°C दोपहर में बाजारों व सड़कों में सन्नाटा

नींबू के दाम पहुंचे 280 रुपए किलो, तेज धूप और गर्म हवाओं ने बढ़ाई परेशानी

◆ **भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित, घरों में दुबके लोग**

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। जिले में गर्मी ने अब तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। रविवार को तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जिससे आम जनजीवन प्रभावित रहा। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर लू जैसे हालात बने रहे और चिलचिलाती धूप के कारण लोगों की आवाजाही काफी कम रही। अधिकांश लोग गर्मी से बचने के लिए अपने-अपने घरों में ही दुबके रहे।

हालांकि जरूरी कामकाज के चलते कुछ लोग तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच बाहर निकलने को मजबूर दिखे। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के समन्वयक विनोद कुमार ने बताया कि आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना है, जिससे गर्मी और अधिक परेशान कर सकती है।

दोपहर में सड़कों पर छाया सन्नाटा। अनंत ज्ञान

मौसम्मी व नारियल के दामों में आई तेजी

भीषण गर्मी का असर अब बाजार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाले नींबू, मौसम्मी और नारियल के दामों में तेजी आई है। ऊना बाजार में रविवार को नींबू के दाम 280 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए, जो आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। वहीं मौसमी की कीमत गुणवत्ता के अनुसार 120 से 130 रुपए प्रति किलो रही। नारियल भी 80 से 90 रुपए प्रति पीस बिकता नजर आया। गर्मी के बढ़ते असर और बढ़ती मांग के चलते आने वाले दिनों में इन फलों के दामों में और बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है।

श्री नयना देवी मंदिर में रविवार को 25 हजार श्रद्धालुओं ने नवाया शीश

श्री नयना देवी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी मंदिर में रविवार को लगभग 25 हजार श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रविवार को पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली और अन्य प्रदेशों से काफी संख्या में श्रद्धालु माता के दरबार में पहुंचे व मां का आशीर्वाद लिया। मंदिर के द्वार सुबह 4 बजे खोल दिए गए थे, लेकिन सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ माता के दरबार में उमड़ती रही और दोपहर की आरती के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ 3 नंबर सेक्टर तक पहुंच गई। मंदिर में तैनात सुरक्षा होमगार्ड इंचार्ज परमजीत सिंह ने बताया कि सभी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मियों ने भीड़ पर नियंत्रण बनाए रखा है। हालांकि मंदिर के मुख्य द्वार और निकास द्वारा पर पंजाब की समाजसेवी संस्थाओं के द्वारा जलसेवा का भी आयोजन किया गया। मंदिर के मुख्य द्वार पर पंजाब की समाजसेवी संस्था बस्सी पठाना के द्वारा जल सेवा की गई और मंदिर के निकासी गेट पर रोपड़ की संस्था के द्वारा श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल उपलब्ध करवाया गया।

50 रुपए के पेट्रोल पर विवाद, युवक की बेरहमी से पिटाई, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

अनंत ज्ञान

टाहलीवाल (ऊना)। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के औद्योगिक क्षेत्र बाथू-बाथड़ी स्थित एक पेट्रोल पंप पर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक को पेट्रोल पंप कर्मचारियों द्वारा निर्ममता से पीटने का मामला उजागर हुआ है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में रोष व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक यूसुफ, निवासी वार्ड नंबर-2 टाहलीवाल, शनिवार रात बाथड़ी से टाहलीवाल लौट रहा था। इसी दौरान उसने एक पेट्रोल पंप पर रुककर अपनी बाइक में मात्र 50 रुपए का पेट्रोल डलवाया।

मोबाइल बंद होने पर भड़के कर्मी

बताया जा रहा है कि जब युवक भुगतान करने लगा तो उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। युवक ने कर्मचारियों से मोबाइल चार्ज करने का अनुरोध किया ताकि वह गूगल पे के माध्यम से भुगतान कर सके। आरोप है कि इसी बात पर पंप कर्मचारी भड़क उठे।

कमरे में ले जाकर की पिटाई

पीड़ित के अनुसार, कर्मचारियों ने उसे जबरन पंप के एक कमरे में ले जाकर डंडों और लोहे के प्लास से बुरी तरह पीटा। वायरल वीडियो में भी युवक पर लगातार हमला होते हुए देखा जा सकता है, जो बेहद अमानवीय और चिंताजनक है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

लोगों में रोष, कार्रवाई की मांग

ऊना जिले के औद्योगिक क्षेत्र बाथू-बाथड़ी स्थित एक पेट्रोल पंप पर पेश हुई घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

सीमा कुमारी ने किए सामुदायिक भवन के लिए 11 हजार दान

अनंत ज्ञान, बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जसाना के सोलह सिंगी धार में स्थित बाबा औगढ़ नाथ जी महाराज की तपोस्थली, आसरी गुफा के नाम से प्रसिद्ध मंदिर में महिला मंडल जसाना की अध्यक्ष एवं समाजसेवी सीमा कुमारी ने पति बीडीसी सदस्य राजेंद्र रिंकू बेटे राष्ट्रीय बैडमिंटन के राष्ट्रीय विजेता सूर्यांश ठाकुर एवं अपने अन्य परिवार सदस्यों सहित पहुंचकर माथा टेका और बाबा औगढ़ नाथ जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान सीमा कुमारी ने मंदिर परिसर के पास बन रहे सामुदायिक भवन के कमरों के निर्माण कार्य में सहयोग देते हुए 11,000 रुपए की आर्थिक सहायता दान स्वरूप प्रदान की। यह राशि उन्होंने समिति के कोषाध्यक्ष सुशील कुमार उस्ताद को सौंपते हुए भवन निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की कामना की। मंदिर में दर्शन करने के बाद सीमा कुमारी ने कहा कि आसरी गुफा मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा औगढ़ नाथ जी महाराज के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन बनने से श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में अनमोल कलिया और सूर्यांश ठाकुर की जोड़ी बनी विजेता

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ क्षेत्र में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता 2026 लगातार दूसरी बार सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिसमें क्षेत्र की 16 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन राजेंद्र रिंकू द्वारा युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने के उद्देश्य से किया गया।

फाइनल मुकाबले में अनमोल कलिया और सूर्यांश ठाकुर की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता खिताब अपने नाम किया, जबकि बृजेश राणा और विशाल राणा की टीम उपविजेता रही। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। आयोजक राजेंद्र रिंकू ने बताया कि प्रतियोगिता के हर चरण में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। दर्शकों की भारी भीड़ ने खिलाड़ियों का उत्साह लगातार बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि सीमा कुमारी, महिला मंडल जसाना की अध्यक्ष एवं समाजसेवी, ने विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया तथा कुल 11,000 रुपये की नकद राशि प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों को अपनाने का संदेश दिया।

सीमा कुमारी ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास और अनुशासन भी विकसित करते हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बैडमिंटन और वॉलीबॉल के लिए बेहतर खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे युवाओं को नियमित अभ्यास का अवसर मिल सके। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता रहे और कुटलैहड़ क्षेत्र खेलों के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर सके।

हाशिये पर जी रहे मनुष्य की पक्षधर कविताओं का सशक्त दस्तावेज बना 'आत्महत्या से बचे हुए लोग'

अनंत ज्ञान

ऊना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ की हिमाचल इकाई द्वारा जिला कल्याण भवन के सभागार में आयोजित भव्य समारोह में हिंदी के चर्चित कवि कुलदीप शर्मा के नए काव्य संग्रह 'आत्महत्या से बचे हुए लोग' का लोकार्पण किया गया। यह संग्रह समाज के हाशिये पर जी रहे वंचित और उपेक्षित मनुष्यों की पीड़ा, संघर्ष और अस्तित्व की सशक्त अभिव्यक्ति के रूप में सामने आया। इस अवसर पर देशभर से लगभग चालीस साहित्यकार, कवि और बुद्धिजीवी शामिल हुए।

मुख्य अतिथियों में पंजाब से आए शिरोमणि साहित्यकार प्रो. सुरेश सेठ, चंडीगढ़ से प्रख्यात कवि-आलोचक प्रो. सत्यपाल सहगल, ऊना से स. पृथीपाल सिंह, डॉ. प्रोमिला अरोड़ा, डॉ. धर्मपाल साहिल, कवि सुरजीत जज, रंगकर्मी कुलदीप सिंह दीप, शिमला से देवेन्द्र धर, बिलासपुर से रतन चंद निर्झर और हिमाचल प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष लेख राम प्रमुख रहे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अलका चावला ने किया। डॉ. धर्मपाल साहिल ने काव्य संग्रह पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। परिचर्चा में प्रो. सुरेश सेठ ने कहा कि यह पुस्तक हाशिये पर खड़े लोगों की सशक्त पक्षधरता है। प्रो. सत्यपाल सहगल ने इसे प्रतिरोध के स्वर का आवश्यक दस्तावेज बताया।

स. पृथीपाल सिंह ने इसे हिंदी कविता में एक महत्वपूर्ण रिक्ति की पूर्ति बताया, जबकि कुलदीप सिंह दीप ने इसकी सरल भाषा और गहन बिंब संरचना की सराहना की। डॉ. सुरजीत जज और देवेन्द्र धर ने कहा कि ये कविताएं पाठक को समाज की अनदेखी सच्चाइयों से रूबरू कराती हैं और भीतर तक झकझोर देती हैं। भोजन उपरांत आयोजित कवि सम्मेलन में अशोक नादिर, चमन शर्मा चमन, सुभाष गुप्ता शफीक, बलविंदर भट्टी सहित कई कवियों ने प्रभावशाली गजलें व कविताएं प्रस्तुत कर वातावरण को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में कुलदीप शर्मा की रचनाओं को समकालीन हिंदी कविता का महत्वपूर्ण हस्तक्षेप बताया गया।

ऊना में साहित्यिक संगोष्ठी में मौजूद गणमान्य। अनंत ज्ञान

◆ **40 साहित्यकारों की मौजूदगी में हुआ काव्य संग्रह का लोकार्पण समारोह**

राजिंद्र शर्मा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आज

अनंत ज्ञान, गगरेट। गगरेट क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और लंबे समय तक न्यूज पेपर एजेंट के रूप में सेवाएं देने वाले राजिंद्र शर्मा के निधन से पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। सहज व्यवहार, जनसेवा के प्रति समर्पण और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका के कारण वे हर वर्ग में सम्मानित रहे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक अनुभवी और जनप्रिय व्यक्तित्व को खो दिया है। दिवंगत की स्मृति में सोमवार को राधे शम मंदिर के प्रांगण में दोपहर 3 बजे श्रद्धांजलि सभा के साथ महाभोज एवं रस्म पगड़ी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भाग लेकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। परिजनों ने सभी शुभचिंतकों और परिचितों से कार्यक्रम में पहुंचकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया है। इस अवसर पर उनके जीवन मूल्यों और समाज के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाएगी।

महिला आरक्षण पर विपक्षी दलों की नकारात्मक सोच आई सामने : त्रिलोक

अनंत ज्ञान

◆ **महिला आरक्षण और नारी शक्ति वंदन अधिनियम को बताया ऐतिहासिक कदम**

ब्यूरो, बिलासपुर। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है, लेकिन विपक्ष ने इसका समर्थन करने के बजाय विरोध की राजनीति को प्राथमिकता दी, जिससे उनका असली चेहरा सामने आ गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष हमेशा से परिवारवाद और वोट बैंक की राजनीति करता आया है और आज भी उसी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाया है। जम्वाल ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सुर्खियों में बने रहने के लिए लगातार नए-नए हथकंडे अपनाते हैं, जबकि जनता उन्हें पहले ही नकार चुकी है।

त्रिलोक जम्वाल ने आगे कहा कि लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर परिसीमन को बहाना बनाकर इसे टालने की कोशिश की गई, जबकि परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है जो पहले से निर्धारित है।

उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण के अवसर को बाधित करने का प्रयास बताया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का इतिहास राष्ट्रहित से जुड़े निर्णयों के विरोध से भरा पड़ा है—चाहे धारा 370 हटाना हो, राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक कानून या सर्जिकल और एयर स्ट्राइक जैसे फैसले। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कई बार सेना के मनोबल को कमजोर करने की कोशिश की है। जम्वाल ने कहा कि महिला आरक्षण पर भी विपक्ष की वही नकारात्मक सोच सामने आई है और जनता सब कुछ देख रही है।

शाहतलाई में महादंगल 30 को, हिमाचल केसरी को मिलेगा 1.71 लाख का इनाम

अनंत ज्ञान

◆ **नामी पहलवानों के बीच होंगे रोमांचक मुकाबले**

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के शाहतलाई में 30 अप्रैल (वीरवार) को होने वाले महा दंगल की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार दंगल में आकर्षक इनामी राशि के साथ प्रदेश और देशभर के नामी पहलवानों की भागीदारी इसे खास बनाएगी। आयोजन समिति के पदाधिकारियों शिवम चौहान, पवन कौशल, राजकुमार कौशल, बलदेव, विजय कौशल और अरुण कालिया ने जानकारी दी कि हिमाचल केसरी के लिए 1 लाख 71 हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार रखा गया है। इसके अलावा बिलासपुर केसरी के लिए 1 लाख 1 हजार रुपये और शाहतलाई केसरी के लिए 71 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं।

अंडर-21 वर्ग में केवल हिमाचली पहलवानों को मौका मिलेगा, जहां विजेता और उपविजेता दोनों को 21-21 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके साथ ही अलग से सीधी कुश्तियों का भी आयोजन होगा, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर पहलवानों पर धनवर्षा की जाएगी।

दंगल में यूपी के अभिनायक, ईरान के हामिद, रोहित फौजी, लकी गरजा, बंटी (नैना देवी), यश पट्टी, दीपक काकरान, बब्बू प्रागपुरिया और आरिफ (जम्मू) सहित कई नामी पहलवान हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10:30 बजे सेऊ पुल से शोभायात्रा के साथ होगी। दोपहर 1:30 बजे मुख्य अतिथि भगत अरुण राय उद्घाटन करेंगे, जबकि समापन समारोह में संत बाबा अनूप महाराज उपस्थित रहेंगे। 29 अप्रैल को पारंपरिक 'सवाल' कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

आयोजन समिति ने 40 वर्ष से अधिक आयु के पहलवानों के भाग लेने पर रोक लगाई है। यह दंगल क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लिए बड़ा आकर्षण बनेगा।

वंदना जर्मनी में ग्रीन एंड सस्टेनेबल कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत करेंगी शोध पत्र

अनंत ज्ञान, भूपेश नड्डा, घुमारवीं। घुमारवीं उपमंडल के बरोटा गांव की निवासी वंदना जर्मनी में आयोजित होने वाली ग्रीन एंड सस्टेनेबल कॉन्फ्रेंस में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगी। वंदना विद्या भारती की पूर्व छात्रा एवं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के बायोसाइंससेस विभाग में प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री प्रयोगशाला की शोधार्थी है। वंदना की माता स्नातक अध्यापिका व पिता सुरेश कपिल सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य हैं।

वंदना का शोध गेहूं के रस्ट रोगों के नियंत्रण के लिए नैनो-पेस्टिसाइड्स पर आधारित रणनीतियों पर केंद्रित है जो टिकाऊ कृषि क्षेत्र में अपना योगदान देता है। अनुसंधान नैशनल रिसर्च फाउंडेशन ने वंदना को इस शोध प्रस्तुति के लिए से अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल सपोर्ट ग्रांट दी है। बायोसाइंसेस विभाग की सहायक आचार्या डॉ. रेखा ठाकुर के मार्गदर्शन में चल रहे इस शोध पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महावीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां विवि में विकसित हो रहे सुदृढ़ शोध वातावरण को दर्शाती हैं तथा भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक अवसरों को प्रस्तुत करेंगी।

राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर ग्राम पंचायत पालकवाह को मिला सम्मान, महिला सशक्तिकरण में बनी मिसाल

अनंत ज्ञान

पंचायत को सम्मानित करते विभागीय अधिकारी। अनंत ज्ञान

ऊना। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह में हरोली विधानसभा की ग्राम पंचायत पालकवाह ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली। पंचायती राज विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित इस समारोह में पंचायत को महिला हितेषी पंचायत श्रेणी में राज्य स्तर से राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकित किए जाने पर विशेष सम्मान से नवाजा गया।

यह सम्मान जिला पंचायत अधिकारी ऊना द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों पालकवाह की पंचयात प्रधान परमजीत कौर और उप प्रधान अमरीक सिंह को भेंट किया गया। हरोली विकास खंड सहित पूरे जिला ऊना की सभी पंचायतों में से केवल ग्राम पंचायत पालकवाह को ही इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया, जो पंचायत के लिए गर्व का विषय है।

पालकवाह की पंचयात प्रधान परमजीत कौर ने कहा की उपलब्धि के पीछे पंचायत द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी भागीदारी बढ़ाने, सामाजिक जागरूकता फैलाने तथा विभिन्न जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में किए गए सराहनीय प्रयासों को प्रमुख कारण है उन्होंने बताया की पंचायत ने महिला कल्याण, स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट कार्य करते हुए एक अलग पहचान बनाई है।

समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने पंचायत के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत पालकवाह अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा स्रोत है। पंचायत द्वारा किए गए प्रयास न केवल ग्रामीण विकास को गति देते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर वार्ड पंच दर्शना देवी, निशा देवी, जसवीर सिंह तथा पंचायत सहायक नरेश कुमार मौजूद रहे।

मिनी दशहरा पीपल जातर के लिए सज गया ऐतिहासिक ढालपुर मैदान

प्रदर्शनी मैदान सहित मीना बाजार में सजने लगी दुकानें, बाहरी राज्यों के व्यापारियों ने डाला डेरा

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, ब्यूरो। राज्य स्तरीय पीपल जातर मेले के लिए कुल्लू के ऐतिहासिक ढालपुर मैदान सहित प्रदर्शनी मैदान, मीना बाजार सजने लगा है। 28 से 30 अप्रैल तक मनाए जाने वाले पीपल जातर मेले को लेकर नगर परिषद कुल्लू तैयारियों में जुटी हुई हैं।

उधर, बाहरी राज्यों के व्यापारियों ने भी कुल्लू में डेरा जमा दिया है। मैदानों में डोम सहित झूले व अन्य दुकानें सजना शुरू हो गई हैं। इसके अलावा सड़कों पर भी बाहरी राज्यों से आए व्यापारियों ने सामान सजाना शुरू कर दिया है और शहर में अब मेले को लेकर लोगों की चहल-पहल भी शुरू हो गई है। मंगलवार को मेले के शुभारंभ के साथ ही ढालपुर मैदान में जिला सहित देश व विदेशी लोगों का हुजूम उमड़ना शुरू हो जाएगा। हालांकि इस बार तीन दिवसीय इस मेले का आकर्षण का केंद्र रहने वाली स्प्रिंग क्वीन प्रतियोगिता इस बार नहीं होगी। वहीं, ऐतिहासिक लालचंद प्रार्थी कलाकेंद्र भी कलाकारों व दर्शकों की स्वर लहरियों से गूंज उठेगा।

इस मेले के बाद होता है अन्य मेलों का आगाज

कुल्लू जिला में इस मेले के बाद ही अन्य मेलों का आगाज होता होता है। पीपल जातर मेले को देखने के लिए जिला के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ देश व विदेशी पर्यटक भारी संख्या में यहां पहुंचते हैं। बंजार, सैंज, भुंतर, नग्गर सहित अन्य इलाकों में भी मेले होते हैं, लेकिन उनकी शुरुआत पीपल जातर मेले के बाद ही होती है।

पीपल जातर मेला साल का पहला बड़ा मेला

कुल्लू जिला में अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के बाद पीपल जातर मेला ही साल का पहला बड़ा मेला होता है इसलिए यह मेला जहां सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है वहीं, व्यापारिक दृष्टि से भी खास माना जाता है। दशहरा उत्सव के बाद जिलाभर के लोग इसी मेले में खरीददारी करते हैं। यही कारण है कि इस मेले को मिनी दशहरा के नाम से भी जाना जाता है। वहीं देशभर से मेले में अपना लाखों रूपए का कारोबार करने आने वाले व्यापरियों को भी सालभर पीपल मेले का इंतजार होता है।

नगर परिषद कुल्लू ने बसंतोत्सव (पीपल जातर मेले) को लेकर तैयारियां पूरी कर दी हैं। मेले को और आकर्षक बनाने के लिए नगर परिषद कुल्लू की तरफ से हर तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। हर बार की तरह इस बार भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कुल्लू जिला के कलाकार धमाल मचाएंगे।

-बीआर नेगी, कार्यकारी अधिकारी नप कुल्लू

छरमा लगाओ और भूस्खलन से छुटकारा पाओ: प्रेमी किशन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मनाली। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित पर्यावरण प्रेमी किशन लाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अधिक वर्षा के कारण हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि इसका प्रभावी प्राकृतिक समाधान छरमा (सीबकथॉर्न) है। किशन लाल के अनुसार इस पौधे की जड़ें बहुत गहरी और घनी होती हैं, जो मिट्टी को मजबूती से जकड़कर भूस्खलन को रोकने में मदद करती हैं। उन्होंने लाहौल के लिंडुर गांव और कुल्लू के सोलंगनाला गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में छरमा के पौधे लगाकर भूस्खलन की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह एक औषधीय पौधा भी है, जिसके फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं और इससे कई स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद बनाए जाते हैं। किशन लाल ने कहा कि छरमा न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और कई बीमारियों से बचाव में भी उपयोगी है।

कुल्लू में ओलावृष्टि से बागवानी तबाह

कुल्लू फलोत्पादक मंडल के प्रधान ने सरकार से की मुआवजे की मांग

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। प्रदेश के कुल्लू जिला में गत दिन हुई भारी ओलावृष्टि ने बागवानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। ओलों की मार से सेब, प्लम और नाशपाती की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। इस प्राकृतिक आपदा पर चिंता व्यक्त करते हुए कुल्लू फलोत्पादक मंडल के प्रधान प्रेम शर्मा ने सरकार और प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का तुरंत जायजा लेने और बागवानों को राहत पहुंचाने की मांग की है।

प्रेम शर्मा ने कहा कि शनिवार को जिले की कई पंचायतों में प्रकृति का कहर बरपा है। ओलावृष्टि से विशेष रूप से रायसन, बंदरोल, देवगढ़, शिरड़, पिछलीहार, हुरंग, जाणा, नथान, कराडसू आदि पंचायतों के कई गांवों में फल और सब्जी को नुकसान पहुंचाया है। प्रेम शर्मा ने कहा कि पहले से ही कम फसल का दंश झेल रहे किसान और बागवानों पर अचानक से आर्थिक संकट गहरा गया है। यह समय सब्जियों के तैयार होने का है, लेकिन ओलावृष्टि ने बागवानों और किसानों की साल भर की मेहनत बर्बाद कर दी है।

ओलों से न केवल सेब, प्लम और नाशपाती की फसल तबाह हुई है, बल्कि नकदी फसलों के रूप में उगाई जाने वाली सब्जियों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इस ओलावृष्टि ने बागवानों की कमर तोड़ कर रख दी है।

सरकार को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग

कुल्लू फलोत्पादक मंडल ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार को पत्र लिखकर मामले से अवगत करवा दिया है। प्रेम शर्मा ने सरकार से मांग की है कि स्थानीय प्रशासन को तुरंत प्रभावित बगीचों का निरीक्षण करने के आदेश दिए जाएं। नुकसान का सही आकलन कर बागवानों के लिए उचित मुआवजे की व्यवस्था की जाए।

सरकार को बिना विलंब किए स्थानीय प्रशासन के माध्यम से नुकसान की रिपोर्ट तैयार करवानी चाहिए ताकि संकट की इस घड़ी में बागवानों को आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

- प्रेम शर्मा, प्रधान, कुल्लू फलोत्पादक मंडल।

सजला गांव में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम, देवताओं का भव्य आगमन

अनंत ज्ञान

मनाली। कुल्लू जिला के सजला गांव में इन दिनों आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। विभिन्न देवी-देवताओं के आगमन से श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर भगवान विष्णु सजला, नीलकंठ महादेव वराण, माता पार्वती, कार्तिक स्वामी जी खकनाल, शंख नारायण, माता दोचा मोचा करजा और देवता वनाडी ठाकर के रथ मेले में विराजमान हुए। वहीं श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए उमड़े। कारदार पन्नालाल और पुजारी योग राज शर्मा ने बताया कि यह मेला हर वर्ष मनाया जाता है।

विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न करवाई गई और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों और देव संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। लोग एक दूसरे के घरों में स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते नजर आए। मेले में स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचे।

पारंपरिक वेशभूषा में सजे लोगों द्वारा किए गए नृत्य-गान और देवताओं की भव्य शोभायात्रा ने माहौल को और अधिक आकर्षक बना दिया। ग्रामीणों का मानना है कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को भी जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सजला गांव का यह मेला हर वर्ष इसी तरह श्रद्धा और भव्यता के साथ आयोजित होकर क्षेत्र की पहचान बना हुआ है।

देव संस्कृति की झलक से सजा सजला मेला। अनंत ज्ञान

मनाली युवा कांग्रेस का कुनबा बढ़ा

संगठन को धार देने के लिए 14 नए पदाधिकारी नियुक्त

◆ भूपेंद्र कोटिया और ललित ठाकुर को उपाध्यक्ष की मिली कमान

अनंत ज्ञान

मनाली। हिमाचल प्रदेश के मनाली विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने के लिए संगठन में बड़ा विस्तार किया गया है। मनाली विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मनीष ठाकुर ने राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व की सहमति के बाद 14 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है।

यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएंगी। संगठन का मानना है कि इस नई और ऊर्जावान टीम के आने से आने वाले समय में कांग्रेस की पैठ युवाओं के बीच और अधिक गहरी होगी। संगठन विस्तार में अनुभवी और सक्रिय कार्यकर्ताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। इसमें उपाध्यक्ष: भूपेंद्र कोटिया और ललित ठाकुर, महासचिव: कृष्ण लाल, दीपक ठाकुर, हिमांशु महंत और कार्तिक नेगी, सचिव सौरव ठाकुर सहित आठ अन्य युवा नेताओं को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जमीनी स्तर पर पूरी निष्ठा से काम करेगी टीम: मनीष ठाकुर

नियुक्ति की घोषणा करते हुए अध्यक्ष मनीष ठाकुर ने कहा कि इन नियुक्तियों को आलाकमान की हरी झंडी मिलने के बाद अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी नव-नियुक्त पदाधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना है। नई टीम के कंधों पर यह जिम्मेदारी होगी कि वे अधिक से अधिक युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ें और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएं।

कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

इस विस्तार के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी चुनावों और संगठनात्मक गतिविधियों के मद्देनजर यह नियुक्तियां मनाली कांग्रेस के लिए संजीवनी का काम करेंगी। नई टीम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को एकजुट कर संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने की होगी।

माता सुदीक्षा जी महाराज के आगमन के लिए दुल्हन की तरह सजा ढालपुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। देवभूमि कुल्लू एक बार फिर युवा ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना के रंग में रंगने जा रहा है। 30 अप्रैल, 1 और 2 मई को कुल्लू के ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में निरंकारी यूथ सिम्पोजियम का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस तीन दिवसीय युवा महोत्सव में हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से करीब 10 हजार युवा बहन-भाई भाग लेंगे। यह एनवाईएस का 16वां संस्करण होगा।

संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित यह युवोत्सव युवाओं के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास का एक अनूठा मंच है। इस आयोजन को लेकर ढालपुर मैदान को दुल्हन की तरह सजाया गया है। पूरे क्षेत्र में आकर्षक सजावट, साफ-सफाई और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। निरंकारी सेवादल के सैकड़ों सदस्य पिछले कई दिनों से दिन-रात सेवा में जुटे हुए हैं, जो व्यवस्था को अंतिम रूप देने में लगे हैं। निरंकारी यूथ सिम्पोजियम की शुरुआत वर्ष 2018 में दिल्ली से हुई थी, जिसके बाद देश-विदेश में अब तक 15 सफल आयोजन किए जा चुके हैं। इस बार कुल्लू में होने वाला आयोजन युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के पहले दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स शामिल हैं। साथ ही योग और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े सत्र भी आयोजित होंगे। दूसरे और तीसरे दिन 'सिक्स एलिमेंट्स' विषय पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिनमें संगीत, नृत्य, नाटक, काव्य और पैनल डिस्कशन के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस दौरान नशामुक्ति, भेदभाव रहित समाज और तनाव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर भी जागरूकता फैलाई जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर निरंकारी राजपिता जी और सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज अपने आशीर्वचन के माध्यम से युवाओं को जीवन में संतुलन, संयम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश देंगे। 3 मई को संत समागम होगा जिसमें सभी लोग भाग ले सकते हैं। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस भी पूरी तरह मुस्तैद हैं, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। कुल्लू में इस भव्य आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

बसंतोत्सव में लोकल कलाकारों को मिलेगी प्राथमिकता

बीआर नेगी बोले-पीपल जातर की तैयारी पूरी, 3 दिनों तक सजेगा सांस्कृतिक रंगमंच

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू में 28 से 30 अप्रैल तक आयोजित होने वाले पारंपरिक एवं बहुप्रतीक्षित पीपल जातर को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। नगर परिषद द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय उत्सव में इस बार भी सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय प्रतिभाओं का खास संगम देखने को मिलेगा।

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी बीआर नेगी ने रविवार को पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन को सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार जिला स्तरीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे स्थानीय कला और संस्कृति को मंच मिल सके।

उन्होंने बताया कि अब तक करीब 200 कलाकारों ने प्रस्तुति के लिए आवेदन किया है, जिनकी छंटनी प्रक्रिया जारी है। चयनित कलाकारों को तीनों दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। लोक नृत्य, संगीत, नाटक और पारंपरिक प्रस्तुतियां इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहेंगी। इसके लावा मेले में आने वाले कारोबारियों के लिए भी नगर परिषद ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभिन्न व्यापारियों को प्लॉट आबंटित कर दिए गए हैं, जहां वे अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री कर सकेंगे।

नगर परिषद ने सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पार्किंग और यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि स्थानीय लोगों और बाहरी पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बीआर नेगी ने आम जनता से अपील की है कि वे इस पारंपरिक उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें और आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि पीपल जातर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

पारंपरिक रीति-रिवाजों से होगा आगाज, ये रहेंगे मुख्यातिथि

मेले का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत देवता गोहरी की पूजा-अर्चना के साथ किया जाएगा। पहले दिन उपायुक्त कुल्लू अनराग चंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि दूसरे दिन अरण्यपाल कुल्लू संदीप शर्मा मुख्यातिथि होंगे। मेले के समापन अवसर पर निदेशक शहरी विकास नीरज चड्ढा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे। बीआर नेगी ने बताया कि इस बार मेले में स्थानीय कलाकारों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

राजस्व दो करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान

राजस्व को लेकर बीआर नेगी ने बताया कि मेले के लिए लगाए गए डोम की बिक्री से ही लगभग एक करोड़ 10 लाख रुपए की आय हो चुकी है, जबकि कुल राजस्व दो करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। साथ ही, नगर परिषद द्वारा मेले के दौरान साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सैंज घाटी में बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहे सिलेंडर, व्यापार मंडल ने दी आंदोलन की चेतावनी

अनंत ज्ञान, सैंज। सैंज घाटी में इन दिनों रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे रहा है। भारत गैस और एचपी गैस के उपभोक्ताओं को बुकिंग कराने के हफ्तों बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इस अव्यवस्था से नाराज व्यापार मंडल सैंज अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है और मामला जिला प्रशासन तक पहुंच गया है। आलम यह है कि सैंज बाजार के साथ-साथ घाटी के दुर्गम गांवों में स्थिति और भी खराब है, जहां खाना पकाने के लिए गैस सिलेंडर ही एकमात्र सहारा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गैस एजेंसियां पारदर्शिता नहीं बरत रही हैं और अपनी मनमानी के हिसाब से सप्लाई दे रही हैं।

उधर, कुल्लू जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया किगैस वितरण में हो रही देरी की जांच की जाएगी। यदि एजेंसियों की कार्यप्रणाली में लापरवाही या अनियमितता पाई गई, तो नियमों के तहत सख्त कार्रवाई होगी। वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाने के निर्देश जारी किए जाएंगे। घाटी के लोगों ने मांग की है कि गैस संकट का स्थायी समाधान निकाला जाए।

व्यापार मंडल सैंज के अध्यक्ष झावे राम ठाकुर ने बताया कि बुकिंग के कई दिन बीत जाने के बाद भी डिलीवरी न होना न केवल आम जनता बल्कि व्यापारियों के लिए भी बड़ी समस्या बन गया है। अगर गैस वितरण प्रणाली की जल्द जांच कर दोषी एजेंसियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो हमें मजबूरन आंदोलन को तेज करना होगा।

डीसी साहब! राहत की जगह आफत बनी सड़क

3 साल से अधूरी सैंज बाजार की सड़क का मामला पहुंचा उपायुक्त के दरबार

अनंत ज्ञान

सैंज। जिला कुल्लू के मुख्य बाजार सैंज में पिछले तीन वर्षों से अधूरी पड़ी सड़क व विभागीय लापरवाही के खिलाफ स्थानीय जनता और व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। करीब 100 मीटर लंबी इस क्षतिग्रस्त सड़क के समाधान के लिए व्यापार मंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त कुल्लू से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। अधर में लटके इस प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय लोगों का सब्र अब जवाब देने लगा था। हालांकि, जिला प्रशासन के इस कड़े रुख और उपायुक्त के आश्वासन के बाद क्षेत्रवासियों में एक नई उम्मीद जगी है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन के इन निर्देशों का धरातल पर कितनी जल्दी असर दिखता है और क्या आने वाली बरसात से पहले सैंज के लोगों को इस समस्या से निजात मिल पाती है या नहीं।

व्यापार मंडल सैंज के अध्यक्ष झाबे राम ठाकुर के नेतृत्व में मिले। इस प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बाजार के बीचों-बीच स्थित यह सड़क 3 सालों से बदहाली का शिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग व ठेकेदार की सुस्त कार्यप्रणाली के कारण यह निर्माण कार्य ठप पड़ा है, जिससे स्थानीय दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है व आम जनता को भी धूल व गड्ढों से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

तय समय में पूरा होगा सड़क निर्माण: डीसी

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त कुल्लू ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने तुरंत संबंधित विभागों को निम्नलिखित निर्देश जारी किए। संबंधित विभाग के अधिकारी जल्द से जल्द मौके का मुआयना करेंगे। निर्माण कार्य को एक निश्चित समयसीमा के भीतर पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि देरी के कारणों की जांच की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। निर्माण कार्य की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिस निर्माण कार्य से लोगों को राहत मिलनी थी, वही अब आफत बन गया है। अगर मानसून से पहले इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई, तो स्थिति और भी भयानक हो जाएगी।

-झाबे राम ठाकुर, अध्यक्ष, व्यापार मंडल सैंज।

फोरलेन पुल से अलेउ तक सड़क बनी जानलेवा

सड़क की खस्ताहालत से वाहन चालक परेशान, वाहन भी हो रहे क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान

एम बोकटापा, मनाली। पर्यटन नगरी मनाली में फोरलेन पुल से अलेउ तक सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। सड़क पर पड़े गड्ढे दुर्घटना को न्योता दे रहे है। हालत यह है कि वाहन चालक इस मार्ग पर सफर करने से कतराने लगे हैं। वाहनों के कलपुर्जे तक टूटने लगे हैं। खास कर दो पहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का भय बना हुआ है।

मनाली में ब्यास नदी पर बने फोरलेन पुल से अलेउ में स्थित पंजाब नेशनल बैंक तक सड़क इतनी खराब है कि महज़ दो किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों का समय लग रहा है। सड़क में गड्ढे हैं या गढ़ों में सड़क बनी है, इसका पता नहीं लग रहा। हर रोज किसी न किसी गाड़ी का एक्सल टूट रहा है। पर्यटन कारोबारी एवं स्थानीय निवासी अमर सिंह, प्रेम लाल, वीर सिंह, दोरजे और श्याम लाल ने बताया कि इस मार्ग पर प्रतिदिन हजारों गाड़ियां चलती हैं। सड़क तंग होने के कारण लगातार जाम लग रहा है। जिससे पर्यटकों के साथ साथ स्थानीय लोगों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल के बच्चे न ही सुबह समय पर स्कूल पहुंच पर रहे हैं और न ही शाम को समय पर घर पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी यह सड़क लोक निर्माण विभाग के अधीन है। अगस्त माह में हुई भारी बारिश और बाढ से बिजली बोर्ड के कार्यालय के पास भारी नुकसान हुआ था। लोक निर्माण विभाग ने जैसे तैसे सड़क तो बहाल कर दिया लेकिन 9 महीने गुज़र जाने के बाद भी अभी तक टायरिंग नहीं हो पाई। ऊबड़ खाबड़ सड़क होने से ख़ास कर दोपहिया वाहनों चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता आकाश सूद ने बताया कि सड़क पर गटका डालने का कार्य शुरू कर दिया है। जल्द समस्या का समाधान होगा।

फोरलेन पुल से अलेउ तक सड़क की खस्ता हालत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

पर्यावरण बनाम विकास

चिनाब नदी डायवर्शन प्रोजेक्ट का जनाक्रोश पहुंचा सीएम सुक्खू के दरबार

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद 'कोकसर बंद' स्थगित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के कोकसर में प्रस्तावित चिनाब नदी डायवर्शन प्रोजेक्ट को लेकर उपजा जनाक्रोश अब राजधानी शिमला की दहलीज तक पहुंच गया है।

स्थानीय लोगों के कड़े विरोध और प्रस्तावित 'कोकसर बंद' के बीच, ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक अनुराधा राणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात की। जिसके बाद फिलहाल बंद को टालने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार इस मामले को केंद्र सरकार और केंद्रीय जल आयोग के समक्ष मजबूती से उठाएगी।

उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र के हितों और पर्यावरण की अनदेखी किसी भी सूरत में नहीं होने दी जाएगी। वहीं, प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विकास के नाम पर हमारे पर्यावरण और आजीविका के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारी एकता ही हमारी शक्ति है और जब तक प्रोजेक्ट पर पूर्ण विराम नहीं लगता, संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान पंचायत प्रधान सचिन मिरूपा, बीडीसी सदस्य अंजू शाशनी और जिला परिषद सदस्य निर्मला बोध सहित कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विधायक अनुराधा राणा के नेतृत्व में सीएम को ज्ञापन सौंपते हुए। अनंत ज्ञान

फिलहाल टला 'कोकसर बंद', पर ग्रामीण अडिग

बता दें कि प्रोजेक्ट के विरोध में कोकसर पंचायत ने चार दिनों के 'कोकसर बंद' का ऐलान किया था, जिससे प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। मुख्यमंत्री के सकारात्मक रुख के बाद पंचायत ने फिलहाल बंद को आगे न बढ़ाने पर सहमति जताई है। हालांकि, ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यह संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि एक नए चरण की शुरुआत है।

सीएम का आश्वासन, केंद्र तक पहुंचाई जाएगी आवाज

स्थानीय विधायक अनुराधा राणा की अगुवाई में कोकसर पंचायत के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी गंभीर चिंताओं को साझा किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि यह प्रोजेक्ट न केवल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा है, बल्कि स्थानीय लोगों के अस्तित्व पर भी सवालिया निशान लगा रहा है।

अस्तित्व की लड़ाई, चिंता के कारण

कोकसर की जनता का मानना है कि चिनाब का मार्ग बदलना उनके लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। विरोध के मुख्य बिंदु विभिन्न हैं। जिनमें लाहौल का ईको-सिस्टम बेहद नाजुक है, जिसे भारी निर्माण कार्यों से अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। खेती और स्थानीय पर्यटन पर निर्भर लोगों को अपनी रोजी-रोटी छिनने का डर है। नदी का मार्ग बदलने से भविष्य में जल संकट और भौगोलिक परिवर्तन की आशंका है।

सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ता रुझान

अनंत ज्ञान

नाहन। शिक्षा खंड माजरा के अंतर्गत राजकीय प्रारंभिक केंद्र पाठशाला कानसर में निजी स्कूलों से सरकारी विद्यालय की ओर छात्रों का झुकाव बढ़ रहा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 6 विद्यार्थियों ने निजी स्कूल छोड़कर इस विद्यालय में दाखिला लिया है, जो एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

◆ **निजी स्कूल छोड़ 06 विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल में लिया प्रवेश**

पिछले वर्ष भी बढ़ा था नामांकन

विद्यालय में पिछले सत्र 2025-26 के दौरान भी 5 छात्रों ने निजी स्कूल छोड़कर प्रवेश लिया था। लगातार बढ़ते नामांकन को देखते हुए यह स्पष्ट है कि अभिभावकों का भरोसा अब सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ रहा है।

66 विद्यार्थियों की हो चुकी है संख्या

वर्तमान में प्री-प्राइमरी से लेकर पांचवीं कक्षा तक कुल 66 विद्यार्थी इस विद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण को इस बदलाव का मुख्य कारण माना जा रहा है।

शिक्षकों के प्रयासों का असर

केंद्र प्रमुख शिक्षक नरेश शर्मा ने बताया कि नए विद्यार्थियों का विद्यालय में स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा कि अध्यापकों सरला भारद्वाज, विनोद शर्मा और पवन शर्मा के प्रयासों तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सहयोग से स्कूल में निरंतर सुधार हो रहा है, जिससे अभिभावकों का विश्वास मजबूत हुआ है।

सोलन नगर निगम चुनाव की सरगर्मियां चरम पर, राजनीतिक हलचल तेज

अब तक 79 दावेदारों ने प्राप्त की एनओसी

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। नगर निगम सोलन के आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। नगर निगम कार्यालय से अब तक 79 संभावित उम्मीदवारों ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) हासिल किया है, जिससे भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य दलों के बीच टिकट वितरण को लेकर जोरदार घमासान तय है। वार्ड-1 से वार्ड-17 तक टिकट की दौड़ तेज है, जिसमें वार्ड-6 सबसे आगे नजर आ रहा है। यहां 10 दावेदारों ने एनओसी ले ली है, जिनमें स्थानीय स्तर के चर्चित नेता व नए चेहरे शामिल हैं। इससे इस वार्ड में भाजपा, कांग्रेस और स्वतंत्र उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर की संभावना दिख रही है।

पार्टियों के बड़े नेता फील्ड में

पार्टियों के बड़े नेता भी सोलन में डेरा डालने लगे हैं। कांग्रेस से उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने वार्ड-वार मीटिंगें शुरू कर दी हैं, ताकि जमीनी हकीकत और दावेदारों की स्थिति का आकलन कर सकें। इसके समानांतर भाजपा ने अभी कोई औपचारिक उम्मीदवार सूची नहीं जारी की है और अपने पत्ते खोलने से पहले रणनीति तैयार कर रही है।

चुनाव की तैयारियों ने जोर पकड़ा

सोलन नगर निगम के 17 वार्डों में चुनावी तिथियां घोषित हो चुकी हैं, जिसके तहत नामांकन प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू होगी और 17 मई को मतदान होगा। चुनाव प्रशासन की ओर से मतदाता सूची और रोस्टर भी जारी कर दिए गए हैं, जिससे दोनों प्रमुख दलों के बीच सीट बंटवारे और उम्मीदवार चयन की रणनीति तैयार करने की दौड़ एक बार फिर तेज हो गई है। आने वाले दिनों में जैसे जैसे नामांकन की तिथि नजदीक आएगी, टिकट घोषणाओं के साथ-साथ गठजोड़ और रणनीति पर भी नजर टिकी रहेगी।

एनओसी की रेस तेज

जानकरी के मुताबिक नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही अधिकांश संभावित प्रत्याशी पानी, कूड़ा शुल्क और संपत्ति कर समेत अपने बिल क्लीयर करवाकर एनओसी के आवेदन कर रहे हैं। निगम संयुक्त आयुक्त चेतन चौहान ने बताया कि एनओसी के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उम्मीदवारों के कोई लंबित बकाया शुल्क न हों, ताकि चुनाव के दौरान कोई तकनीकी अड़चन उनके मार्ग में न आए।

पांवटा साहिब में 'गो सम्मान में 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग

अनंत ज्ञान

◆ **अगले तीन महीनों में इसे जिला और प्रदेश स्तर तक विस्तार करने की योजना**

नाहन। जिला सिरमौर के पांवटा साहिब उपमंडल में 'गो सम्मान आह्वान अभियान' अब स्थानीय स्तर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की मुहिम बनता नजर आ रहा है। पांवटा साहिब के मुख्य बाजार में अभियान का अंतिम चरण आयोजित किया। गया, जिसमें स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर अपनी सहमति जताई। गौ सेवकों सचिन ओबरॉय, भरत राणा और राकेश शर्मा ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाना है। साथ ही देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए सख्त कानून बनाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई जा रही है। जानकारी के अनुसार इस अभियान की शुरुआत वर्ष 2025 में श्री वृंदावन धाम में संत समाज की बैठक से हुई थी। बैठक में देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया था। तय योजना के तहत 27 अप्रैल 2026 को देश की करीब 5 हजार तहसीलों से लगभग 5 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र कर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने की तैयारी है।गौ सेवकों का कहना है कि यह अभियान आगे और तेज किया जाएगा। अगले तीन महीनों में इसे जिला और प्रदेश स्तर तक विस्तार देने की योजना है। इसके बाद दिल्ली में बड़े स्तर पर समागम आयोजित करने की भी तैयारी चल रही है। अंतिम चरण में करीब 25 करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी अपने विचार साझा किए। लोगों ने बेसहारा गौवंश के लिए उचित देखभाल और सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था पर जोर दिया। साथ ही पशुओं के समय पर टीकाकरण और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता भी बताई गई। पांवटा साहिब के लोगों ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया है।

न्यूज ब्रीफ

परवाणू में नशा मुक्ति को लेकर अहम बैठक आयोजित, रोकथाम पर बनी रणनीति

अनंत ज्ञान, परवाणू। नशा मुक्ति अभियान को लेकर नगर परिषद कार्यालय परवाणू में शनिवार को कार्यकारी अधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र में बढ़ते नशे के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की गई व इसके प्रभावी नियंत्रण और रोकथाम के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस दौरान मौजूद पुलिस विभाग के अधिकारियों ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की विस्तरीत रूप से जानकारी प्रदान की और साथ ही आमजन से सहयोग की अपील भी की। इस बैठक में पूर्व पार्षदों सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी अपने सुझाव साझा किए तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। बैठक को सम्बोधित करते हुए नप परवाणू के कार्यकारी अधिकारी संदीप कुमार ने सभी विभागों के समन्वय बनाकर नशा मुक्ति अभियान को मजबूत करने की बात कही और क्षेत्र में समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस विभाग, पूर्व पार्षद व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गौ माता सम्मान रैली का आज होगा आयोजन

अनंत ज्ञान, सराहां। उपमंडल पछाद के मुख्यालय सराहां में 27 अप्रैल को गौ माता सम्मान रैली का आयोजन होगा। जानकारी देते हुए गौ सेवा संगठन के तहसील अध्यक्ष विनोद शर्मा ने बताया कि गौ हत्या रोकने ओर गौ माता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के ध्येय से देश भर में यह आंदोलन शुरू किया गया है, इसी की एक कड़ी में 27 अप्रैल को सराहां में गौ माता के समान के लिए आवाज बुलंद होगी। उस दिन 10:30 बजे सराहां पुराना बस स्टैंड में सभी सनातनी इकट्ठा होंगे। और गौ माता की सुरक्षा के लिए सरकार तक प्रभावी ढंग से बात पहुंचाई जाएगी। इस अपील पर अधिक से अधिक समर्थकों के हस्ताक्षर करवाए जाएंगे। उन्होंने पच्छाद की जनता से विनम्र निवेदन किया है कि 27 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे भारी से भारी संख्या में गौ माता के सम्मान के लिए सराहा के पुराना बस स्टैंड पहुंचने की कृपा करें।

यमुना नदी से मिला 15 वर्षीय नाबालिगा का शव

अनंत ज्ञान, नाहन। पांवटा साहिब में अपने घर से 19 अप्रैल को लापता हुई एक 15 वर्षीय नाबालिगा की लाश पुलिस ने यमुना नदी से बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली स्वर्गधाम के नजदीक यमुना नदी के किनारे एक लड़की की लाश पड़ी है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने लाश को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए पांवटा के सिविल अस्पताल भेजा। नाबालिगा की पहचाज 15 आस्था पुत्री वेदप्रकाश, निवासी वार्ड-10 के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल से घर से लापता थी। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट पांवटा पुलिस स्टेशन में दर्ज की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का खुलासा होगा। जिले के एसपी एनएस नेगी ने पुष्टि करते हुए कहा कि यमुना नदी से 15 वर्षीय नाबालिगा की लाश रिकवर की गई है। लाश पोस्टमार्टम के लिए भेजी गई है। इस मामले हर पहलू को ध्यान में रख कर जांच होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही जांच आगे बढ़ेगी।

सिरमौर एसआईयू की टीम ने कालाअंब के पास आरोपी को चिट्टे के साथ पकड़ा

अनंत ज्ञान, नाहन। एसआईयू टीम गश्त के दौरान मादक पदार्थों से संबंधित सूचनाएं एकत्र कर रही थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कालाआम्ब क्षेत्र में चिट्टा/स्मैक बेचने के धंधे में लिप्त है और नेचर पार्क के पास सड़क किनारे खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नेचर पार्क के पास संदिग्ध व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम बिन्दु शाही (36 वर्ष) बताया, जो वर्तमान में शिवालिक कॉलोनी, कालाआम्ब में रह रहा था और मूल रूप से नेपाल का निवासी है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 6.24 ग्राम चिट्टा/स्मैक बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ थाना नाहन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी यह नशीला पदार्थ कहां से लाया था और किसे सप्लाई करने की योजना बना रहा था, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। सिरमौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बनोह-सरली रोड पर ब्रेक फेल होने से पलटी गाड़ी

अनंत ज्ञान,अर्की। जिला के गम्बरपुल-बनोह सरली रोड पर एक कार का ब्रेक फेल होने से हादसा हो गया। गनीमत है कि इस घटना में चालक को कोई चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित हैं। स्थानीय लोगों ने त्वरित मदद की, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के अनुसार, कार चालक अकेले थे और वे सोलन से बनोह सरली की ओर जा रहे थे। अचानक ब्रेक फेल होने पर वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। चालक ने साहस का परिचय देते हुए खुद को बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार सामान्य थी, लेकिन ब्रेक न लगने से वाहन सड़क से नीचे उतर गया।

नगर परिषद चुनाव में वार्ड नंबर-1 में बदलाव की आहट

एसपी जयरथ , नाहन। नगर परिषद चुनावों को लेकर सियासी हलचल तेज हो चुकी है और वार्ड नंबर-1 इस बार शहर की सबसे हॉट सीट बनकर उभर रहा है। वर्षों से एक ही राजनीतिक धड़े का कब्जा रहने के बावजूद विकास के मुद्दों पर उठ रहे सवालों ने इस सीट को खास बना दिया है। वार्ड में सफाई व्यवस्था, पार्किंग की कमी और राम कुंडी क्षेत्र की बदहाल गलियों-सड़कों को लेकर मतदाताओं में नाराजगी साफ झलक रही है। ऐसे में इस बार वोटर 'काम के आधार' पर फैसला लेने के मूड में दिखाई दे रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस से जुड़े कपिल गर्ग उर्फ मोंटी की संभावित एंट्री ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। शहर में यह चर्चा जोरों पर है कि अगर मोंटी वार्ड नंबर-1 से चुनाव लड़ते हैं, तो यहां कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। मोंटी की पहचान एक सक्रिय और काम करने वाले पार्षद के रूप में रही है। वार्ड नंबर-8 में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कई विकास कार्य करवाए, जिससे उनकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। यही वजह है कि वार्ड नंबर-1 में भी उनकी एंट्री को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा खेमे से पूर्व पार्षद श्याम पुंडीर का नाम एक बार फिर चर्चा में है। श्याम पुंडीर को जहां एक ओर बिरादरी का मजबूत समर्थन मिलने की संभावना है, वहीं उनकी छवि भी एक साफ-सुथरी और ईमानदार नेता की रही है। हालांकि नगर परिषद के पिछले कार्यकाल में अपेक्षित विकास कार्य न होने को लेकर मतदाताओं के बीच सवाल जरूर उठ रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार और नगर परिषद में भाजपा की निष्क्रिय कार्यप्रणाली का असर इस बार चुनाव में देखने को मिल सकता है। हालांकि नाहन जैसे छोटे शहर में व्यक्तिगत छवि, संपर्क और काम ही असली फैक्टर बनते हैं।

बागा-मांगल में 1 मई को होगा कुश्ती दंगल मेला

अनंत ज्ञान

दाड़लाघाट। अर्की विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बागा (मांगल) में 1 मई को खेलकूद एवं दंगल समिति मांगल के तत्वावधान में कुश्ती दंगल का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य बलदेव राज चौहान ने बताया कि इस बार दंगल में देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे और मुकाबलों को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों और कुश्ती प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने बताया कि दंगल में बड़ी माली, दूसरी माली और तीसरी माली के विजेता व उपविजेताओं को समिति द्वारा निर्धारित नगद इनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। दंगल में विभिन्न भार वर्गों में कुश्तियां करवाई जाएंगी, जिनमें 93 किग्रा, 93 किग्रा, 83 किग्रा, 73 किग्रा और 63 किग्रा वर्ग शामिल हैं। सभी वर्गों में विजेताओं के लिए आकर्षक नकद इनाम रखे गए हैं।

दंगल में प्रत्येक कुश्ती 7 मिनट की होगी। यदि निर्धारित समय में परिणाम नहीं निकलता है तो 4 मिनट की प्वाइंट कुश्ती करवाई जाएगी, जिसमें अधिक अंक प्राप्त करने वाला पहलवान विजेता घोषित होगा। वजन प्रक्रिया 1 मई को सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक होगी, जबकि ट्रायल मुकाबले दोपहर 12:15 बजे से शुरू होंगे। बच्चों की कुश्तियां सुबह 11:00 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित की जाएंगी। आयोजन समिति द्वारा पहलवानों के ठहरने व भोजन की व्यवस्था 30 अप्रैल से 2 मई तक सुनिश्चित की गई है। विजेता व उपविजेता के कोचों को भी सम्मानित किया जाएगा। पहलवानों के लिए संपर्क नंबर 9805289611 व 9805121528 जारी किए गए हैं।

तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी, युवक की मौत

अनंत ज्ञान, नाहन। नेशनल हाईवे देहरादून- चण्डीगढ़ पर बीती शाम धौलाकुआं में तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने महिला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार हादसे का शिकार हुआ युवक अपने चचेरे भाई के साथ घर वापस आ रहा था। इस दौरान कार ने पीछे से टक्कर मार दी। एसपी सिरमौर एनएस नेगी ने बताया कि शिकायतकर्ता पुष्पेन्द्र पुत्र विक्रम पाल सिंह, निवासी गांव जाटोंवाला, डाकघर कोलर, तहसील पांवटा साहिब, उम्र 26 वर्ष ने बताया कि दिनांक 25 अप्रैल की शाम करीब 6:15 बजे वह अपने चचेरे भाई वंश के साथ धौलाकुआं से घर जा रहा था। इसी दौरान पांवटा साहिब की तरफ से एक कार नं0 HP17H-8343 तेज रफ्तार से आई और दोनों को टक्कर मार दी। कार एक महिला चला रही थी। एसपी ने बताया कि परिजन पुष्पेन्द्र को इलाज के लिए नाहन अस्पताल व वंश को सिविल पांवटा साहिब ले गए। वंश को पांवटा साहिब से बड़े अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन देहरादून ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने सोलन में वार्ड स्तर पर की बैठकें

उद्योग मंत्री ने नगर निगम चुनाव में भरी जोन

अनंत ज्ञान

सोलन पहुंचे उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान का स्वागत करते कांग्रेसी ❖अनंत ज्ञान

सोलन। हिमाचल प्रदेश के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान रविवार को सोलन पहुंचे और नगर निगम सोलन चुनाव के प्रभारी के नाते विभिन्न वार्डों में कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत बैठकें कीं। उनके इस दौरे का उद्देश्य स्थानीय मुद्दों पर फीडबैक लेना, विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना और आगामी नगर निगम चुनावों के लिए मजबूत रणनीति तैयार करना था। कांग्रेस भवन में पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। नारों और तालियों के बीच मंत्री ने सबसे पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सोलन का विकास हमारी प्राथमिकता है। नगर निगम चुनावों में हम जनता की समस्याओं को केंद्र में रखकर जीत हासिल करेंगे। जमीनी स्तर पर सक्रिय रहें और हर घर तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। बैठकों में विभिन्न वार्डों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं रखीं। कुम्हारहट्टी वार्ड से प्रतिनिधि ने सड़क मरम्मत और जलापूर्ति की कमी का मुद्दा उठाया, जबकि गुम्हारवी वार्ड से जल निकासी व्यवस्था में सुधार की मांग की गई। चौहान ने इन सभी मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि अगले एक सप्ताह में इन समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। मंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दें और कांग्रेस की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएं। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने उद्योग क्षेत्र में निवेश बढ़ाया है, जिससे सोलन जैसे शहरों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। चुनावी रणनीति में डोर-टू-डोर कैंपेन पर जोर दें। यह दौरा सोलन नगर निगम चुनावों से पहले महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। चौहान के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित दिखे और उन्होंने चुनावी तैयारियों को तेज करने का संकल्प लिया।

आर्थिक तंगी के कारण उपचार से वंचित नहीं रहेंगे ग्रामीण : हर्षवर्धन

अनंत ज्ञान

नाहन। उद्योग, संसदीय मामले एवं श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने शिलाई विधानसभा क्षेत्र के प्रवास कार्यक्रम के दौरान आज पीएचसी कोटा पाब का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटा पाब में 23 लाख रुपए की लागत से निर्मित अतिरिक्त कमरों का लोकार्पण भी किया। इससे पूर्व क्षेत्रवासियों ने उद्योग मंत्री का पारंपरिक वाद्य यंत्रों सहित भव्य स्वागत किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री ने क्षेत्रवासियों को पीएचसी तथा रावमापा में निर्मित अतिरिक्त कमरों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार दूरदराज क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में ढांचागत सुविधाओं के साथ-साथ स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को घर-द्वार पर ही बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों के सुदृढ़ीकरण से भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आर्थिक तंगी के कारण उपचार से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में 19 करोड़ की लागत से शिलाई में निर्मित होने वाले 100 बिस्तरों के नागरिक अस्पताल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर जल्द ही जनता को समर्पित किया जाएगा। जिसके उपरांत नागरिक अस्पताल शिलाई में मरीजों की सुविधा के लिए 100 बिस्तरों की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि शिलाई अस्पताल में 250 से 300 मरीजों की प्रतिदिन की ओपीडी है जिनके लिए 8 डॉक्टर मौजूद है।इससे पूर्व मरीजों को पांवटा साहिब या नाहन रेफर किया जाता था परन्तु अब उनका शिलाई में ही उपचार सुनिश्चित हो रहा है। उद्योग मंत्री ने कहा कि शिक्षा का स्तर बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में सुदृढ़ आधारभूत ढांचे का विकास, आधुनिक शिक्षण सुविधाओं की उपलब्धता तथा योग्य शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में 21वें स्थान पर था, जबकि अब उल्लेखनीय प्रगति करते हुए शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने व वि◻द्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से ही अंग्रेजी मीडियम आरंभ कर दिया है। इसके अतिरिक्त प्रथम चरण में लगभग 150 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं को सीबीएसई बोर्ड से संचालित किया जाएगा ताकि सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों की नींव मजबूत हो सके तथा उन्हें उच्च शिक्षा ग्रहण करते समय किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना ना करना पड़े। उद्योग मंत्री ने कोटा पाब में क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनी क्षेत्रवासियों ने सामूहिक समस्याओं सहित व्यक्तिगत समस्याएं भी उनके समक्ष रखी। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के प्रतिनिधि मंडलों ने उद्योग मंत्री के समक्ष उनके क्षेत्र से संबंधित माँगें भी रखी। उद्योग मंत्री ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर समाधान किया और शेष मांगे व समस्याएं जो स्थानीय स्तर की थीं उन्हें अधिकारियों को सौंप कर उनका समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा रखी गई मांगों को भी शीघ्र-अतिशीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

बगल्याणे क्रिकेट क्लब ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

अनंत ज्ञान

दाड़लाघाट। पंचायत सन्याड़ी मोड़ में बगल्याणे क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस शिविर में कुल 70 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं आयोजन से जुड़े सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से यह शिविर सफल हो पाया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है, जो न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाता है, बल्कि समाज में मानवता, भाईचारे और एकता का संदेश भी देता है। आयोजन से जुड़े प्रमुख सहयोगियों में अंकु, रमन, मनोज, हेमराज, राकेश, धर्मेन्द्र, विनोद, जयदेव, भगतराम, सुमित, पंकु, राज, दिवांशु और अजय सहित अन्य का विशेष योगदान रहा।

खतरा — दनोई-छोऊभोगर मार्ग पर खदराड़ी गांव के पास खस्ताहाल सड़क

'मौत की सड़क' हर पल हादसे का खतरा

अनंत ज्ञान

दनोई-छोऊभोगर मार्ग पर खदराड़ी गांव के पास सड़क की हालत ❖अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र के दनोई-छोऊभोगर मार्ग पर खदराड़ी गांव के पास हालात लगातार भयावह होते जा रहे हैं। पिछले एक साल से यहां डंगा (रिटेनिंग वॉल) न लगने के कारण सड़क का हिस्सा कमजोर हो चुका है और अब बसों सहित भारी वाहन जान जोखिम में डालकर यहां से गुजर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों में भारी रोष है। उनका कहना है कि कई बार लोक निर्माण विभाग और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि प्रशासन और विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार सड़क के किनारे तेजी से कटाव बढ़ रहा है और नीचे गहरी खाई होने के कारण स्थिति और भी खतरनाक हो गई है। बस चालकों को यहां से गुजरते समय कई बार गाड़ी रोककर बेहद सावधानी से निकालना पड़ता है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और रोजाना सफर करने वाले लोग हर दिन इसी खतरे के बीच यात्रा करने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द डंगा नहीं लगाया गया तो यह सड़क किसी भी दिन कई जिंदगियां निगल सकती है। कार्यवाहक अधिशासी अभियंता संगड़ाह खजान सिंह ने बताया कि इस स्थान पर डंगे के टेंडर और वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं और ठेकेदार को जल्द काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। बरहाल, सवाल यही है कि क्या समय रहते विभाग जागेगा या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही कार्रवाई होगी। फिलहाल खदराड़ी के पास यह सड़क लोगों के लिए हर दिन नई चिंता और खतरे का कारण बनी हुई है।

पुलिस ने चंबा से दबोचा चोरी का आरोपी

अनंत ज्ञान

दाड़लाघाट। पुलिस थाना दाड़लाघाट में उत्तर प्रदेश निवासी जुबेर अंसारी हॉल कार्यरत साइट इंजीनियर, टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड डिवीजन अर्की में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनकी कंपनी ने बिजली बोर्ड से ट्रांसफार्मर, पोल एवं तार बिछाने व लगाने का कार्य टेंडर के माध्यम से लिया है। कंपनी द्वारा दिलधार पुत्र तालवदीन, निवासी गाँव कुनडोडी, डाकघर जुगरा, तहसील चुराहा, जिला चंबा, हिमाचल प्रदेश को तार बिछाने व पोल खड़ा करने का कार्य दिया गया था। 10 अप्रैल को कार्य निष्पादन हेतु उसे बेलचा, गैंती, हैमर, ट्राइफर, पुल्ली, चैन ब्लॉक, वायर ग्रिपर, स्पैनर, क्रिम्पिंग टूल, रस्सा तथा 5 किलोमीटर कंडक्टर ड्रम आदि सामान दिए गए थे, जिनकी कुल कीमत लगभग रुपए 4,50,000/- थी। 23 अप्रैल को उक्त व्यक्ति सामान सहित गायब हो गया। शिकायतकर्ता द्वारा उसके मोबाइल पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, परंतु उसने फोन नहीं उठाया। साथ ही उसके मजदूर भी कार्यस्थल पर नहीं पहुंचे। इस आधार पर शिकायतकर्ता को संदेह हुआ कि दिलधार उक्त सामान को अपनी पिकअप गाड़ी में डालकर चोरी करके ले गया है। इस संबंध में पुलिस थाना दाड़लाघाट में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियोग के अन्वेषण के दौरान दाड़लाघाट पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी हुए सामान एवं नामजद आरोपी की तलाश शुरू की गई। आरोपी के मोबाइल की लोकेशन तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। तकनीकी विश्लेषण एवं मोबाइल लोकेशन के आधार पर मामले में संलिप्त आरोपी दिलधार निवासी गाँव कुनडोडी, डाकघर जुगरा, तहसील चुराहा, जिला चंबा, हिमाचल प्रदेश उम्र 29 वर्ष, को दिनांक 25 अप्रैल को चंबा से गिरफ्तार किया गया। चोरी हुआ सामान बरामद कर लिया गया है। मामले में संलिप्त वाहन को भी जब्त कर पुलिस कब्जे में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही। मामले में जांच जारी है।

टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुलाया बंगाल के मानुष पलायन को मजबूर: मोदी

बोले- ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं, छोटे-छोटे नेता खुद को सरकार समझते हैं

एजेंसी, बनगांव

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बनगांव की रैली में कहा कि पहले फेज के मतदान में टीएमसी का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि 15 साल पहले टीएमसी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर ये लोग ये शब्द बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है। पीएम ने कहा कि टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुलाया, माटी सिंडिकेट के हवाले और बंगाल के मानुष पलायन को मजबूर है। उन्होंने कहा कि बंगाल की महिलाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस बात से दिखती है कि हमने संदेशखाली पीड़िता और आरजी कर डॉक्टर की मां को चुनावी टिकट दिया है। टीएमसी की निर्मम सरकार बंगाल की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी रहती है। अब समय आ गया है कि बंगाल की जनता कहे- अब और नहीं सहेंगे। (अनंत ज्ञान)

बंगाल में अब सिर्फ एक ही नारा है 'पलटानो दरकार'

पीएम ने कहा कि 15 साल पहले हुगली नदी के आसपास का इलाका कभी मिलों और फैक्ट्रियों का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन आज वहां ताले लगे होने की खबरें आती हैं। ब्रिटिश दौर की फैक्ट्रियां भी बंद हो रही हैं। आज सिर्फ एक ही फैक्ट्री और एक ही दुकान चल रही है- सिंडिकेट की कट-मनी और कमीशनखोरी की दुकान। ऐसी सरकार को जाना ही होगा, ऐसी सरकार को हटाना ही होगा। इसीलिए बंगाल में अब सिर्फ एक ही नारा और एक ही फैसला है- 'पलटानो दरकार' (बदलाव जरूरी है)। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के पास सबकुछ है। बंगाल के लोगों के पास सामर्थ्य भरपूर है, इसलिए बंगाल फिर से देश का नंबर वन राज्य बन सकता है। हमें बस नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान को याद रखना है। नेताजी ने कहा था, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। नेताजी के इस आह्वान पर देशवासियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज बंगाल को आपके एक वोट की जरूरत है। आप हमें अपना आशीर्वाद दीजिए, अपना वोट दीजिए, हम आपको टीएमसी से आजादी दिलाएंगे।

इसराइल ने गाजा में किया हमला लेबनान में पर्चे गिराकर दी चेतावनी

एजेंसी, गाजा पट्टी/बेरूत। गाजा और लेबनान के लोग इसराइल के हमलों से जूझ रहे हैं। रविवार सुबह गाजा पर हुए इसराइली हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है। साथ ही इसराइल ने लेबनान में पर्चे गिराकर लोगों को चेतावनी दी है। लेबनान के साथ सैन्य विराम के बीच इसराइल लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों और आतंकवादियों को निशाना बना रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि एक हवाई हमले में अल-मुगराका के मध्य गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि इसराइली गोलीबारी और गोलाबारी में गाजा शहर के पास दो अन्य लोग मारे गए। इसराइली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में 40 साल की एक महिला को गोली मार दी। बाद में इस महिला की मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में कम से कम 72,587 लोग मारे जा चुके हैं। अक्टूबर 2025 में संघर्ष विराम होने के बाद भी हमले थमे नहीं हैं। उधर, इसराइल ने लेबनान के टायर जिले के गांवों में पर्चे गिराए हैं। इन पर्चों में लोगों को आवाजाही के प्रति आगाह किया गया है। इसराइल की सेना ने कहा कि लोग दक्षिण की तरफ मत जाएं। वहां हिजबुल्लाह पर हमले किए जा रहे हैं। लेबनान के मजरात बैत अल-सियादा, मजदल जून, जिबकिन, यातार, सारबिन, हदाथा, बैत याहून, चाकरा, मजदल सलाम, कब्रीहा, फरौन, अल-वक्कार अल-गर्बी, याहमुर अल-शकीफ, अरनौन, देइर मिम्मास, मरजायौन, एबेल अल-साकी, कफर शूबा, अल-मारी, ऐन किन्या और ऐन अता गांवों में पर्चे गिराए गए हैं। (अनंत ज्ञान)

टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू 2.05 लाख करोड़ घटी

एजेंसी, मुंबई

मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 2.05 लाख करोड़ रुपए घट गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी है। टीसीएस का मार्केट कैप 66,699 करोड़ रुपए घटकर 8.67 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यू 50,670 करोड़ घटकर 17.96 लाख करोड़ रुपए पर आ गई।

एचडीएफसी बैंक की मार्केट वैल्यू 23,090 करोड़ रुपए बढ़कर 12.08 लाख करोड़ हो गई है। वहीं एलआईसी, भारतीय एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और लार्सन एंड टुब्रो की वैल्यू भी घटी है। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बजाज फाइनेंस की वैल्यू बढ़ी है। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 1,830 (2.33%) और निफ्टी 455 (1.87%) अंक गिरा था। वहीं बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार 24 अप्रैल को सेंसेक्स 1000 अंक (1.29%) की गिरावट के साथ 76,664 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 275 अंक (1.14%) गिरकर 23,898 के स्तर पर आ गया था। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

कंपनी पर असर : बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर: मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वहीं, गिरावट से नुकसान हो सकता है, जिससे निवेशक शेयर बेचने का फैसला ले सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

इंफाल में हिंसा और अशांति फैलाने के आरोप में छह गिरफ्तार, सुरक्षा कड़ी

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर पुलिस ने ग्रेटर इंफाल क्षेत्र में सार्वजनिक शांति भंग करने, हिंसा फैलाने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने चलाए गए विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति बहाल करना और आगे किसी भी प्रकार की अशांति को रोकना था। रविवार को मणिपुर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान युमनाम सोमनाथ उर्फ नोंगासाबा (21), निंगथौजम प्रेम सिंह (25), सोरोखैबम रुस्तम (25), नौरांगबम याइखोम्बा (25), वांगखेम इंगो मेइतेई (30) और मोइरांगथेम नाओबा मेइतेई (24) के रूप में की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ये सभी आरोपित ग्रेटर इंफाल के कुछ संवेदनशील इलाकों में हिंसक गतिविधियों और अशांति फैलाने में कथित रूप से शामिल थे। इन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई और कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत कर दी है। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इन घटनाओं के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क या अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। जांच एजेंसियां इस मामले से जुड़े हर पहलू की गहन जांच कर रही हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। (अनंत ज्ञान)

भारत और यूएई बढ़ाएंगे तालमेल आर्थिक संबंधों को करेंगे मजबूत

अजीत डोभाल ने राष्ट्रपति जाएद अल नाह्यान से की मुलाकात

एजेंसी, अबू धाबी

मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल अबू धाबी पहुंचे हैं। शनिवार को उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाह्यान से मुलाकात की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता और पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की। बैठक का मुख्य जोर सुरक्षा चिंताओं, आर्थिक हितों के साथ ही इजरायल-ईरान युद्ध के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आपसी तालमेल पर था। अजीत डोभाल का यह दौरा भारत को खाड़ी देशों तक पहुंच बनाने की कोशिश का हिस्सा है, जिसे अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच तेज कर दिया गया है।

इसके पहले 20 अप्रैल को डोभाल ने सऊदी अरब की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की गई इस यात्रा में सऊदी अरब के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें हुईं थीं। इसमें ऊर्जा और विदेश मामलों के मंत्रियों के साथ ही सुरक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकातें शामिल थीं। वहीं,

वैश्विक व्यापार मार्गों पर खतरों के बावजूद स्थिर सप्लाई चेन सुनिश्चित करना, होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी के बड़े क्षेत्र में चिंताओं को दूर करना व खुफिया जानकारी साझा करना और तालमेल को बढ़ाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की गई। रियाद में बातचीत को क्षेत्रीय अस्थिरता पर विचारों का एक अहम आदान-प्रदान और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। सऊदी अरब में चर्चा चार प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित थी। (अनंत ज्ञान)

कर्नाटक में धार्मिक जुलूस के दौरान फुटब्रिज ढहने से कई लोग घायल

एजेंसी, मंगलुरु। कर्नाटक के मंगलुरु में एक धार्मिक जुलूस के दौरान 50 साल पुराना फुटब्रिज ढह गया, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। यह हादसा मूडबिद्री तालुक में हुआ। पुलिस के मुताबिक यह घटना होसाबेट्टू के पास बाववदबेले इलाके में हुई। श्रद्धालु धर्मनेमा अनुष्ठान की तैयारियों के तहत पवित्र चढ़ावे के साथ पालकी लेकर जा रहे थे। यह जुलूस सनदगुड्डे पडिहोडिबेट्टू स्थित मंदिर से शुरू होकर टकोडे बार्के स्थित एक घर की ओर जा रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, जुलूस में लगभग 25 लोग शामिल थे। पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ श्रद्धालु संकरे फुटब्रिज से गुजर रहे थे। जैसे ही समूह पुल के बीच हिस्से में पहुंचा, अचानक सपोर्टिंग बीम टूट गई और पुल भरभराकर गिर पड़ा। ब्रिज गिरने के बाद पालकी और कई श्रद्धालु करीब 10 फीट गहरी खाई में जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों में हरीश नामक व्यक्ति के दोनों पैरों में फ्रैक्चर बताया गया है, जबकि मरूर निवासी सुनील शेट्टी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। (अनंत ज्ञान)

छत्तीसगढ़ में मिला 3 किलो वजनी प्राचीन ताम्रपत्र, ब्राह्मी लिपि में अंकित रहस्य

एजेंसी, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से एक ऐसी ऐतिहासिक खोज सामने आई है, जिसने पुरातत्व जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। करीब 3 किलोग्राम वजनी एक प्राचीन ताम्रपत्र मिलने से क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को नया आयाम मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिलासपुर शहर निवासी संजीव पाण्डेय के घर से 'ज्ञान भारतम अभियान' के दौरान एक दुर्लभ ताम्रपत्र बरामद हुआ है। इस ताम्रपत्र पर ब्राह्मी लिपि में पाली भाषा के लेख उत्कीर्ण पाए गए हैं, जिन्हें प्रारंभिक तौर पर लगभग 2000 वर्ष पुराना माना जा रहा है। इतिहासकारों के मुताबिक, ब्राह्मी लिपि भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीनतम लिपियों में शामिल है, जिसका व्यापक उपयोग मौर्य काल और उसके बाद के समय में हुआ करता था। वहीं पाली भाषा का सीधा संबंध बौद्ध साहित्य और धार्मिक शिक्षाओं से जुड़ा रहा है। ऐसे में इस ताम्रपत्र का महत्व केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत अहम हो जाता है। (अनंत ज्ञान)

हरियाणा विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र आज

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सोमवार को आयोजित होने जा रहा है। विधानसभा सचिवालय की तरफ सत्र की अधिसूचना जारी करने के साथ ही सत्र का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। सत्र की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होगी। सबसे पहले सदन के नेता, विपक्ष के नेता तथा विधानसभा स्पीकर की तरफ से पिछले सत्र से लेकर अब तक के दिवंगतों को श्रद्धांजलि भेंट की जाएगी। इसके बाद सदन की कार्यवाही संचालित होगी।

इससे पहले विधानसभा का बजट सत्र आयोजित किया गया था। बजट सत्र की कार्यवाही 20 फरवरी से 18 मार्च तक चली थी। हरियाणा सरकार की तरफ से सोमवार को पांच साल की सेवा पूरी कर चुके ग्रुप डी के कर्मचारियों को प्रमोशन देने के लिए विधेयक पेश किया जाएगा। सोमवार को सदन में 'हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज रिक्रूटमेंट एंड कंडीशंस ऑफ सर्विस बिल, 2026' पेश किया जाएगा। प्रस्तावित कानून का मकसद सरकारी कर्मचारियों, खासकर कॉमन कैडर सिस्टम के तहत 'ग्रुप डी' श्रेणी के कर्मचारियों के लिए करियर में आगे बढ़ने के मौकों को काफी बेहतर बनाना है। इस ड्राफ्ट में योग्य 'ग्रुप डी' कर्मचारियों के लिए क्लेरिकल पदों पर प्रमोशन का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। मसौदे के प्रावधानों में 5 प्रतिशत 'एक्स-ग्रेशिया' (अनुग्रह) पदों का भी प्रावधान है। कर्मचारियों के कल्याण के उपायों को और मजबूत करने के लिए इन पदों को भर्ती नियमों में शामिल किया जाएगा।

सदन में इस विधेयक पर चर्चा के बाद ही अंतिम फैसला होगा। सरकार की तरफ से सदन में राजनीतिक प्रस्ताव भी रखा जा सकता है। इसके लिए पर्दे के पीछे से तैयारी चल रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के फेल होने के बाद भाजपा द्वारा देशभर में कांग्रेस के विरुद्ध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि विशेष सत्र के दौरान सरकार विपक्षी दल कांग्रेस के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लेकर आ सकती है। इसे लेकर अभी तक सरकार की तरफ से स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। दूसरी तरफ कांग्रेस भी इस प्रस्ताव के विरोध में मजबूती के साथ अपनी बात रखने तथा सरकार पर पलटवार करने की तैयारी कर चुकी है।

डेरा बस्सी व लालड़ू बनेंगे महिला सशक्तिकरण के केंद्र: सांसद सतनाम संधू

अनंत ज्ञान, डेराबस्सी। राज्यसभा सतनाम सिंह संधू ने पंजाब को 60 सेल्फ हेल्प ग्रुप्स (एसएचजी) की लगभग 500 महिलाओं महिलाओं से मिलकर बातचीत की, जिन्होंने दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' जैसी पहलों से सफलता हासिल की है। यह केंद्र प्रायोजित योजना देश के गरीब ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुधारने के लिए चलाई जा रही है।

सांसद सतनाम सिंह संधू ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रवक्ता एवं पंजाब एग्रो इंडस्ट्रिज के पूर्व वाइस-चेयरमैन मनप्रीत सिंह बनी संधू और बीजेपी डेरा बस्सी के मंडल प्रधान जगदीप सिंह औजाला के साथ डेरा बस्सी और लालड़ू में एसएचजी महिलाओं द्वारा लगाए गए प्रोडक्ट स्टॉल भी देखे और उनकी कड़ी मेहनत और लगन की तारीफ की। स्टॉलों पर पंजाब की पारंपरिक और हस्तशिल्प कलाओं से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए गए, जिनमें फुलकारी, सूट, जुत्तियां, शहद, अचार, स्क्वैश, सिरका, तेल, मसाले, पापड़, साबुन, मोमबत्तियां आदि शामिल थे। इस मौके पर, एसएचजी की महिलाओं, जिनमें से कई 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' पहलों से लाभान्वित हुई हैं, ने अपने अनुभव और सफलता की कहानियां साझा कीं।

निकाय चुनाव: कांग्रेस ने घोषणा पत्र में दिया ग्रीन सिटी, क्लीन सिटी का नारा

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। हरियाणा में आगामी दस मई को होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने ग्रीन सिटी,क्लीन सिटी का नारा दिया है। अन्य राजनीतिक दलों के मुकाबले सबसे पहले प्रत्याशियों का ऐलान करने वाली कांग्रेस ने सबसे पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की मौजूदगी में चुनाव घोषणा पत्र समिति की अध्यक्ष गीता भुक्कल ने रविवार की शाम चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में घोषणा पत्र जारी किया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिन वादों के साथ भाजपा सत्ता में आई थी उनकी 11 वर्षों से अनदेखी हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने अपने घोषणा पत्र में शहरों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए ग्रीन सिटी क्लीन सिटी अभियान चलाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही पार्कों, चौक चौराहों का सौंदर्यीकरण भी प्रमुख रहेगा। कांग्रेस ने प्रदेश के नगर निकायों में भ्रष्टाचार चरम पर होने का दावा करते हुए कहा है कि इन्हें भ्रष्टाचार युक्त से भ्रष्टाचार मुक्त बनाया जाएगा। शहरों क्षेत्रों में मंडियो, मार्केट, चौराहों, बस अड्डों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। कचरे की समस्या को घोषणा पत्र में उभारते हुए कांग्रेस ने हर घर से कूड़ा लेने की प्रक्रिया को सुधारने की बात कही है। जल आपूर्ति में सुधार, सड़कों में सुधार, गलियों को पक्का करने जैसे मामलों को घोषणा पत्र में शामिल करते हुए कांग्रेस ने शहरी क्षेत्रों की सभी मार्केट में महिला शौचालयों की संख्या बढ़ाने का वादा किया है। प्रदेश में बढ़ रही ट्रैफिक व्यवस्था के मद्देनजर कांग्रेस ने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग से ट्रैफिक प्लान बनाने का वादा मतदाताओं से किया है।

इसके अलावा मल्टीस्टोरी पार्किंग का निर्माण करने, बंदरों के आतंक से लोगों को छुटकारा दिलाने, प्रापर्टी आईडी में सुधार करने, प्रत्येक वार्ड में वाई-फाई युक्त लाइब्रेरी सुविधा प्रदान करने की बात कही गई है। कांग्रेस ने निगम क्षेत्रों में आने वाले गांवों में कम्युनिटी सेंटरों, बारात घरों तथा स्टेडियम निर्माण, मॉडल ग्राम विकसित करने, निकाय सीमा वाले गांवों में बिजली व पानी की व्यवस्था मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने, गांव स्तर पर सरकारी कार्यों के लिए निगम की शाखा के रूप में सेवा केंद्रों की स्थापना का सपना शहरी ग्रामीणों को दिखा है। प्रवासी मतदाताओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए कांग्रेस ने शहरी क्षेत्रों में दशहरा, छठ पूजा आदि के लिए अलग से प्रबंध करने का वादा किया है। इस अवसर पर पार्टी के विधायक आफताब अहमद, बीबी बतरा, मीडिया प्रभारी संजीव भारद्वाज, के अलावा कई नेता मौजूद थे।

शराबी पति की हत्या करने वाली पत्नी व साला गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, फरीदाबाद। पति द्वारा शराब पीकर रोज-रोज मारपीट करने की आदत से परेशान एक महिला ने अपने भाई व जीजा के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और उसके शव को जंगल में फांसी पर लटका दिया। घटना के तीन दिन बाद रविवार को पुलिस ने आरोपित पत्नी व उसके भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार धर्मबीर निवासी यूपी ने थाना डबुआ में दी अपनी शिकायत में बताया कि 23 अप्रैल को उसके भाई जयबीर की किसी ने हत्या कर दी थी तथा सबूत मिटाने के लिए डेड बॉडी को कूड़े में फेंक दिया। जिस शिकायत पर थाना डबुआ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच डीएलएफ पुलिस ने करते हुए मृतक की पत्नी व साले चंद्रप्रकाश निवासी डबुआ फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान मृतक की पत्नी ने बताया कि जयबीर शराब पीकर रोजाना झगड़ा करता था। जिससे छुटकारा पाने के लिये 22/23 अप्रैल की रात को उसने अपने जीजा जितेंद्र उर्फ गुड्डू के साथ मिलकर पति जयबीर का गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर गुमराह करने के लिये जितेंद्र व चंद्रप्रकाश ने जयबीर के शव को जंगल में फांसी से लटका दिया। इसके बाद 23 अप्रैल को सुबह के समय आरोपित की पत्नी का भाई चंद्रप्रकाश व जीजा जितेंद्र उर्फ गुड्डू, जयबीर के शव को मोटरसाइकिल पर रखकर डबुआ पाली रोड उत्तम नगर के नजदीक कूड़े के ढेर में फेंक आये। आरोपियों को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से चंद्रप्रकाश को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया वहीं आरोपित की पत्नी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में आरोपी महिला के जीजा जितेंद्र उर्फ गुड्डू की पुलिस तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एनएच-48 पर देखी सफाई, अशोक विहार में नाले का निरीक्षण

अनंत ज्ञान

गुरुग्राम। गुरुग्राम में रविवार को श्रमिकों के सम्मेलन में पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम शहर में अलग-अलग स्थानों का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सुबह एनएच-48 और दोपहर को अशोक विहार-भीमगढ़ खेड़ी के समीप लेग-2 ड्रेन का निरीक्षण किया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीडब्ल्यू रेस्ट हाउस से भाजपा कार्यालय गुरुकमल जाते हुए एनएच-48 की सर्विस लेन पर अपना काफिला रुकवाकर सफाई, हरियाली व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम में नागरिकों की सुविधा से जुड़ी किसी सेवा में कमी नहीं रहनी चाहिए। वे लगातार नागरिकों को मिलने वाली

सुविधाओं का फीडबैक ले रहे है और स्वयं निरीक्षण कर जायजा लेंगे। उन्होंने सड़कों के किनारे हरियाली व शहर के विभिन्न पार्कों के उचित रखरखाव करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने रविवार को दोपहर अशोक विहार-भीमगढ़ खेड़ी के समीप से गुजर रही लेग-2 ड्रेन का निरीक्षण किया। उन्होंने लेग-2 ड्रेन के गंदे पानी को साफ करने के प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए इस ड्रेन की सफाई निरंतर होनी चाहिए तथा इसमें पानी के नियमित रूप से सैंपल लिया जाए। साथ ही ड्रेन के दोनों किनारों की सफाई कर इसका सुदृढ़ीकरण भी किया जाए। इस अवसर पर डीसी उत्तम सिंह, नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया, सीपी विकास अरोड़ा व जीएमडीए और अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

सोनीपत में मंत्री व विधायक ने सुनी पीएम के मन की बात, वार्ड कार्यालयों का किया शुभारंभ

अनंत ज्ञान

सोनीपत। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व विधायक निखिल मदान ने राठधना रोड स्थित वार्ड नंबर नौ से पार्षद पद के उम्मीदवार मीणा रामनिवास रोहणा के चुनावी कार्यालय पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 133वां संस्करण को कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इसके बाद विधायक ने वार्ड नंबर एक से हरि प्रकाश सैनी, वार्ड नंबर दो से मुकेश बामणिया, वार्ड नंबर तीन से सुरेंद्र मदान, वार्ड नंबर चार से त्रिभुवन कौशिक, वार्ड नंबर ग्यारह से संगीता सैनी, वार्ड नंबर तेरह से महेश लूथरा, वार्ड नंबर चौदह से किरण चांदना और वार्ड नंबर पंद्रह से संजीव वालेचा के चुनावी कार्यालयों का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन की प्रमुख बातें साझा की गईं। उन्होंने बताया कि नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया ने एक विशेष पोर्टल पर 20 करोड़ से अधिक दस्तावेज डिजिटाइज कर सार्वजनिक किए हैं। इनमें सातवीं शताब्दी की गिलगित पांडुलिपियां और आठवीं शताब्दी का ग्रंथ श्री भुवलय शामिल है। नेताजी सुभाष, आजाद हिन्द फौज और पंडित मदन मोहन मालवीय से जुड़े दस्तावेज भी उपलब्ध हैं, जिनमें बीएचयू की स्थापना और हिन्दी साहित्य सम्मेलन की जानकारी शामिल है। नौ मई को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती का भी उल्लेख किया गया। जनगणना 2027 को डिजिटल बनाने की जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी विवरण सीधे डिजिटल माध्यम में दर्ज हो रहे हैं। कच्छ के रण में हर वर्ष आने वाले फ्लेमिंगो पक्षियों को पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक बताया गया। उत्तर प्रदेश में गज मित्र पहल से हाथी-मानव टकराव कम होने की बात भी सामने आई। भगवान गौतम बुद्ध के शांति संदेश और चिली में चल रहे ध्यान-करुणा कार्यों का उल्लेख किया गया।

पुरुषोत्तम दास रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया 213वां भंडारा

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, पंचकूला। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष के पावन अवसर पर पुरुषोत्तम दास रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव से अपना 213वां अन्न भंडारा आयोजित किया गया। यह आयोजन पंचकूला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1 में ट्रस्ट के संस्थापक एवं समाजसेवी अमिताभ रूंगटा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अमिताभ रूंगटा ने वैशाख मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महीना हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस दौरान किए गए दान-पुण्य का विशेष फल प्राप्त होता है। अन्न दान को सर्वोत्तम दान बताया गया है, क्योंकि यह सीधे तौर पर जरूरतमंदों और राहगीरों की भूख मिटाने का कार्य करता है। वैशाख मास में अन्न भंडारा आयोजित करने से न केवल लोगों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और सद्भावना का संदेश भी फैलता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में इस प्रकार का आयोजन समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है। अन्न भंडारा केवल भोजन वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सशक्त उदाहरण है। भंडारे के दौरान ट्रस्ट के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स विंडो

तेज गेंदबाज एनगिडी को अस्पताल से मिली छुट्टी, सभी टेस्ट नॉर्मल

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को अस्पताल से शनिवार देर रात ही छुट्टी दे दी गई। एनगिडी शनिवार को दिल्ली में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह एक कैच लेने की कोशिश में हवा में उछले और अनियंत्रित होकर सिर के बल जमीन पर गिर पड़े थे। जांच में उनकी रीढ़ की हड्डी या दिमाग में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई है। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल आराम करने की सलाह दी है। एनगिडी के अस्पताल में न्यूरोसर्जन की देखरेख में टेस्ट और सीटी स्कैन किए गए। डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि उनके स्पाइन और सिर में कोई इंटरनल इंजरी नहीं है। कुछ घंटों के ऑब्जर्वेशन के बाद हालत स्थिर पाई गई और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। वे टीम होटल लौट आए हैं। यह घटना पारी के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर हुई। अक्षर पटेल की गेंद पर पंजाब के ओपनर प्रियांश आर्य ने शॉट हवा में खेला। बाउंड्री पर लुंगी एनगिडी ने कैच के लिए दौड़ लगाई और गोता लगाया। वे गेंद की रफ्तार और दिशा सही से नहीं भांप पाए। गेंद उनके हाथ के पास से निकल गई और वे पीठ व सिर के बल गिरे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे देर तक दर्द से कराहते रहे और सिर पकड़ लिया। (अनंत ज्ञान)

रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं, मजबूत वापसी करेगा : विक्रम

एजेंसी, जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि कप्तान रियान पराग का आईपीएल के वर्तमान सत्र में पहले आठ मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेंगे। भारतीय टीम के नियमित खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल की मौजूदगी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी के लिए रियान का चयन चर्चा का विषय रहा है। उन्होंने आठ मैचों में 112.82 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 88 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 20 है। राठौड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच हारने के बाद पत्रकारों से कहा, ''उसकी बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं है। वह अभ्यास के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह कड़ी मेहनत कर रहा है।' वैभव सूर्यवंशी (234 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 357 रन), यशस्वी जायसवाल (153 के स्ट्राइक रेट से 255 रन) और ध्रुव जुरेल (130 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 232 रन) के शानदार प्रदर्शन के सामने रियान का प्रदर्शन फीका पड़ जाता है। वह रवींद्र जडेजा (132) और डोनोवन फरेरा (130) से भी पीछे हैं। (अनंत ज्ञान)

ईशान ने पैट कमिंस की वापसी पर जताई खुशी, बताया शानदार कप्तान

एजेंसी, जयपुर। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि वह एक शानदार कप्तान हैं और उनके आने से टीम की गेंदबाजी को अतिरिक्त मजबूती मिली है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से मात दी। शनिवार रात खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने छह विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद ने 18.3 ओवर में पांच विकेट खोकर 229 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मुकाबले में नियमित कप्तान पैट कमिंस चोट से उबरकर टीम में लौटे। उनकी अनुपस्थिति में ईशान किशन टीम की अगुवाई कर रहे थे। किशन ने इस मैच में 31 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 74 रन की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। (अनंत ज्ञान)

ग्लैमरस यूजिनी की हर अदा जुदा

यूजिनी बूचार्ड कनाडा की पूर्व टेनिस खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2014 में विंबलडन के फाइनल में पहुंचकर और विश्व रैंकिंग में नंबर-5 बनकर सुर्खियां बटोरीं। अपनी सुंदरता और ग्लैमरस लाइफस्टाइल के लिए प्रसिद्ध हैं।

उबेर कप : भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन को 4-1 से हराया

पीवी सिंधु और तनीषा की जोड़ी ने जीता डबल्स मुकाबला, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को रखा जिंदा

एजेंसी, होर्सेंस

डेनमार्क के होर्सेंस में खेले जा रहे उबेर कप 2026 में भारतीय महिला टीम ने अपनी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप-ए के अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी। पहले मैच में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त वापसी की। इस जीत के साथ ही भारत अब सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन चीन से भिड़ेगा, जो क्वार्टर फाइनल की राह तय करने के लिए बेहद अहम होगा।

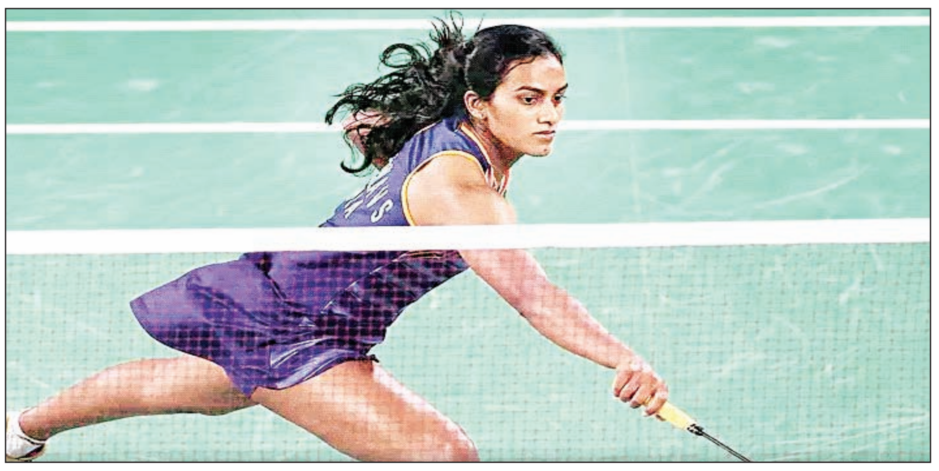

भारत को इकलौती हार पहले महिला डबल्स मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी यूक्रेन की बुहरोवा और कांटेमिर के सामने नहीं टिक सकी और 11-21, 17-21 से मैच हार गई। हालांकि, आखिरी मैच में पीवी सिंधु और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने भारत का दबदबा कायम रखा। उन्होंने सोफिया लावरोवा और स्टोलियारेन्को को 21-18, 21-15 से हराकर स्कोर 4-1 कर दिया। (अनंत ज्ञान)

उन्नति हुड्डा और तन्वी ने अपने-अपने मैच जीते

भारत की ओर से पहले सिंगल्स मैच में उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी। तन्वी ने येवहेनिया कांटेमिर को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया।

देविका ने पक्की की जीत

टीम मैनेजमेंट ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स मैच में आराम दिया था। उनकी जगह देविका सिहाग को तीसरा सिंगल्स खेलने का मौका मिला। देविका ने इस भरोसे को सही साबित किया और मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। उनके जीतते ही भारत ने मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

अब चीन से होगी टक्कर

यूक्रेन पर जीत के बाद अब भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ग्रुप-ए में भारत का अगला और आखिरी मुकाबला सोमवार को चीन से होगा। चीन इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है। भारत को नॉकआउट स्टेज यानी क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए चीन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

गुजरात ने चेन्नई को 8 विकेट से हराया

आईपीएल-2026 में चौथी जीत; प्वाइंट टेबल में पांचवें स्थान पर पहुंची टीम

एजेंसी, चेन्नई

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल-2026 के 37वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराकर सीजन की चौथी जीत दर्ज की। गुजरात 8 मैच में 4 जीत और 4 हार के साथ प्वाइंट टेबल में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं चेन्नई 3 जीत और 5 हार के साथ छठे स्थान पर हैं। रविवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी।

टीम की शुरुआत खराब रही। पावरप्ले में ही सीएसके ने तीन विकेट गंवा दिए और मात्र 28 रन बनाए थे। नौवें ओवर में डेवाल्ड ब्रेविस भी दो ही रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने शिवम दूबे के साथ पारी को संभाला। गायकवाड़ और दूबे के बीच 59 रन की साझेदारी हुई। बड़ा शॉट खेलने के दौरान दुबे क्लीन बोल्ड हो गए। उन्होंने 17 गेंद में 22 रन बनाए। आखिर में कार्तिक शर्मा 9 गेंदों में 15 रन और जेमी ओवरटन ने 6 गेंदों में 18 रन बनाए। कप्तान गायकवाड़ 60 गेंदों में छह चौके और चार छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने तीन विकेट और अरशद खान ने दो विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला।

◆ गुजरात के लिए कगिसो रबाडा ने लिए तीन विकेट

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पॉवरप्ले में तेजी से रन बटोरे और शुरुआती छह ओवर में टीम के स्कोर को 55 रन पहुंचा दिया। टीम का पहला विकेट सातवें ओवर में गिरा। कप्तान गिल 23 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पहले विकेट के लिए सुदर्शन के साथ 58 रनों की साझेदारी निभाई। (अनंत ज्ञान)

सुदर्शन ने 46 गेंदों पर जड़े 87 रन, बटलर ने 39 रन बनाए

गुजरात की एक विकेट गिरने के बाद सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। सुदर्शन ने आकर्षक बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन 46 गेंदों में सात छक्कों और चार चौकों की मदद से 87 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद जोस बटलर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। बटलर ने 30 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 39 रन बनाए।

भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 14 रन से हराया

एजेंसी, जोहान्सबग

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चौथे टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका को 14 रन से हरा दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है। पांच मैचों की इस टी-20 सीरीज में वह 3-1 से आगे है। जोहान्सबर्ग में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा जीत की स्टार रहीं। उन्होंने बल्ले से 36 रन बनाने के बाद गेंदबाजी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके।

नियमित उपकप्तान स्मृति मंधाना को इस मैच में आराम दिया गया था। उनकी जगह अनुष्का शर्मा को ओपनिंग का मौका मिला। अनुष्का ने शानदार शुरुआत की और 18 गेंदों में 27 रन बनाए। हालांकि, पावरप्ले की आखिरी गेंद पर तजमीन ब्रिट्स ने मिडविकेट पर उनका एक कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत कर दिया। शेफाली वर्मा भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 3 ओवर के भीतर ही पवेलियन लौट गईं। (अनंत ज्ञान)

दीप्ति शर्मा की फॉर्म में वापसी

मैच से पहले सबकी नजरें दीप्ति शर्मा की फॉर्म पर थीं। उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए 26 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। जब टीम 120 रन पर 5 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब दीप्ति और ऋचा घोष ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए नाबाद 65 रनों की साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत भारत 185 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच पाया। ऋचा घोष ने भी अंत में तेज तर्रार पारी खेली।

द. अफ्रीका की कमजोर शुरुआत

186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा। शानदार फॉर्म में चल रही कप्तान लौरा वोल्वार्ट को क्रांति गौड़ ने बोल्ड कर दिया। वोल्वार्ट पिछले पांच मैचों से लगातार 50 से ज्यादा का स्कोर बना रही थीं, लेकिन इस बार वे विफल रहीं।

आईपीएल इतिहास में एक दिन में बने सबसे ज्यादा 986 रन

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल के इतिहास में एक ही दिन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड शनिवार को बना, जब दो मुकाबलों में कुल 986 रन बन गए। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के मैच में 264 और 265 रन बने, वहीं राजस्थान और हैदराबाद के मुकाबले में 228 और 229 रन बने। इससे पहले 2024 में 899 रन एक दिन में बने थे, जबकि 2026 में ही एक अन्य दिन 843 रन भी दर्ज किए गए।

वहीं, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज 50 छक्के पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने मात्र 36 गेंदों में अपना दूसरा शतक जड़ दिया। पंजाब ने अरुण जेटली स्टेडियम में सबसे बड़ा रन चेज किया। टीम ने 18.5 ओवर में 265 रन बना डाले। उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2024 में केकेआर के खिलाफ 262 रन चेज कर बनाया था। (अनंत ज्ञान)

राहुल ने बतौर भारतीय टी-20 में सबसे बड़ी पारी खेली

केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 67 गेंद पर नाबाद 152 रन बनाए। यह टी-20 में किसी भी भारतीय का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड तिलक वर्मा के नाम था, जिन्होंने 2024 में राजकोट में मेघालय के खिलाफ 151 रन बनाए थे। सबसे बड़ा स्कोर क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 2013 में नाबाद 175 रन बनाए थे।

वैभव ने आईपीएल में तीसरा सबसे तेज शतक लगाया

वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंदों पर सेंचुरी बनाई। उन्होंने आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक लगाया। पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं। गेल ने 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 30 गेंद पर शतक लगाया था। दूसरे नंबर पर वैभव ही हैं, जिन्होंने 2025 में गुजरात के खिलाफ 35 गेंद पर अपना पहला शतक जड़ा था।

एफए कप के फाइनल में पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

वेम्बली में खेले मैच में साउथेम्प्टन को 2-1 से हराकर अंतिम दो में बनाई जगह

एजेंसी, लंदन

मैनचेस्टर सिटी एक बार फिर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गया है, जबकि आर्सेनल प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहा। सिटी ने शनिवार को वेम्बली में खेले गए मैच में साउथेम्प्टन को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एफए कप के फाइनल में जगह बनाई। दूसरे हाफ में एक गोल से पिछड़ने के बाद निको गोंजालेज के 87वें मिनट में किए गए गोल से सिटी ने जीत दर्ज की। इस जीत ने सिटी की घरेलू स्तर पर तीन खिताब जीतने की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वह पहले ही इंग्लिश लीग कप जीत चुका है और प्रीमियर लीग खिताब के लिए आर्सेनल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहा है।

वहीं, प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने एबेरेची एज़े के गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल करके सिटी पर तीन अंक की बढ़त बना ली है। आर्सेनल के 34 मैच में 73 और सिटी के 33 मैच में 70 अंक हैं। इस बीच लिवरपूल की टीम क्रिस्टल पैलेस को 3-1 से हराकर गोल अंतर के आधार पर चौथे स्थान पर पहुंच गई। उसने एस्टन विला को पीछे छोड़ा, जिसे फुलहम से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस सत्र के आखिर में लिवरपूल छोड़ने वाले मोहम्मद सलाह ने लगता है कि इस क्लब की तरफ से अपना आखिरी मैच खेल लिया है क्योंकि पैलेस के खिलाफ दूसरे हाफ में चोट लगने के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

◆ आर्सेनल प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल

उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया है जिसके जल्दी ठीक होने की संभावना नहीं है। प्रीमियर लीग के अंतिम दौर के मैच 24 मई को खेले जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

बार्सिलोना ला लीगा में खिताब के करीब पहुंचा

बार्सिलोना। बार्सिलोना शनिवार को गेटाफे पर मिली 2-0 की जीत से स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है, जबकि एटलेटिको मैड्रिड चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना करने से पहले आत्मविश्वास भरी जीत हासिल करने में सफल रहा। बार्सिलोना की तरफ से पहला गोल फ़र्मिन लोपेज़ ने 45वें मिनट में किया। बार्सिलोना की तरफ से इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले यामल मांसपेशियों में खिंचाव होने के कारण इस सत्र से बाहर हो गए हैं। मार्कस रैशफोर्ड स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने 74वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। यह बार्सिलोना की गेटाफे में छह सत्र में पहली जीत है। इस जीत से बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त 11 अंक कर दी है, जबकि अब केवल पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

क्विजेरा ने पुरुषों, फ्लोरेंस ने महिलाओं की रेस जीती

एजेंसी, बेंगलुरु। बुरुंडी के रोड्रिग क्विजेरा ने रविवार को यहां टीसीएस विश्व 10के (10 किमी) बेंगलुरु में रिकॉर्ड तोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय एलीट पुरुषों की रेस जीती, जबकि रवांडा की फ्लोरेंस नियोनकुरु ने महिलाओं की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस के लिए हजारों धावक सड़कों पर उतरे। छब्बीस साल के क्विजेरा ने 27 मिनट 31 सेकंड का समय निकालकर पिछले कोर्स रिकॉर्ड 27:38 को बेहतर बनाया जो कीनिया के निकोलस किपकोरिर ने 2022 में बनाया था। विश्व 10के बेंगलुरु में यह क्विजेरा का पहला खिताब था। तीन साल पहले वह 'फोटो फिनिश' में कीनिया के सेबेस्टियन सावे से मामूली अंतर से शीर्ष स्थान से चूक गए थे।

क्विजेरा को 34,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली जिसमें रिकॉर्ड बनाने पर 8,000 डॉलर का बोनस भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय एलीट महिलाओं के वर्ग में 25 साल की फ्लोरेंस ने 30:45 में यहां अपना पहला खिताब जीता। भारतीयों में संजीवनी जाधव ने महिलाओं का खिताब जीता जो यहां उनका लगातार तीसरा खिताब था, जबकि हरमनजोत सिंह ने पुरुषों का खिताब अपने नाम किया और वह भारतीय रिकॉर्ड बनाने से मामूली अंतर से चूक गए। हरमनजोत और संजीवनी ने क्रमशः 3,00,000 रुपये और 2,75,000 रुपये की इनामी राशि जीती। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला उन मशहूर हस्तियों में शामिल थे, जिन्होंने इस दौड़ में हिस्सा लिया। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल | आरसीबी के बल्लेबाज ही खतरनाक नहीं, गेंदबाज भी अंतिम ओवरों में ढाह रहे कहर

हार से आहत दिल्ली का सामना मजबूत आरसीबी से

एजेंसी, नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाने के बावजूद हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अगर सोमवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की संतुलित टीम के खिलाफ वापसी करनी है, तो उसे अपने पिछले प्रदर्शन को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी।

पंजाब किंग्स ने रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीत दर्ज की, जिससे दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुरी तरह से हिल गई है। इस मैच में उसके गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। दिल्ली की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है और अब उसका मुकाबला आरसीबी जैसी एक और मजबूत टीम से है, जो सात मैच में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

दिल्ली के गेंदबाजों ने किया निराश

दिल्ली ने अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उसके गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। केएल राहुल की अगुवाई वाले उनके शीर्ष क्रम ने लगातार तेज शुरुआत दी है, जबकि नितीश राणा और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों ने बीच ओवरों में लय बनाए रखने में मदद की है। उसके गेंदबाज हालांकि अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। विशेषकर डेथ ओवरों में उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। ऐसे में अगर उसको अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी तरफ आरसीबी की टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। विराट कोहली की अगुवाई में उनकी बल्लेबाजी इकाई मजबूत नजर आती है।

देवदत्त पडिक्कल की शानदार फॉर्म ने उसे और मजबूती प्रदान की है। उसके मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने भी मैच का सकारात्मक अंत करने में अधिक स्पष्ट भूमिका निभाई है, लेकिन आरसीबी केवल बल्लेबाजी में ही खतरनाक नहीं है। उसके गेंदबाजों ने भी महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कर अंतिम ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली के बल्लेबाजों को उनसे सतर्क रहने की जरूरत होगी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में आरसीबी की गेंदबाजी इकाई ने दबाव में रहते हुए संयम का शानदार नमूना पेश किया था। (अनंत ज्ञान)

संभावित टीमें

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन और कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट और विहान मल्होत्रा।

अल-अहली ने जीता एएफसी चैंपियंस लीग एलीट का खिताब

एजेंसी, जेद्दा। सऊदी अरब के क्लब अल-अहली ने पहली बार फाइनल में खेल रहे जापान के क्लब माचिदा जेलविया को 1-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने खिताब सफलतापूर्वक बचाव किया। जेद्दा में 60,000 दर्शकों की मौजूदगी में सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर फिरास अल बुरिकन के अतिरिक्त समय में किए गए गोल से मैच का फैसला हुआ। अल-अहली की टीम लगभग एक घंटे तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेली, लेकिन माचिदा इसका फायदा नही उठा पाया। खेल के 68वें मिनट में ही अल-अहली की टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। तब रेफरी ने जकारिया हवसावी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था। (अनंत ज्ञान)